## कार्यालय, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी

### ब्लॉक-भीण्डर एवं वल्लभनगर
### (उदयपुर)

# प्रेरणा

# प्रश्न बैंक

(एक नवाचारी पहल)

## भूगोल

### कक्षा- 12

बोर्ड परीक्षा परिणाम में गुणात्मक एवं
संख्यात्मक उन्नयन
हेतु अभिनव कार्ययोजना के तहत् निर्मित

## –मुख्य संरक्षक–

श्री गौरव अग्रवाल IAS
निदेशक, माध्यमिक शिक्षा,
राजस्थान

श्रीमती एंजिलिका पलात
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा, उदयपुर

श्री पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
उदयपुर

## –संरक्षक–

श्रीमती मोनिका जाखड़
उपखण्ड अधिकारी
भीण्डर

श्री गोविन्द सिंह
उपखण्ड अधिकारी
वल्लभनगर

## –मार्गदर्शक–

श्री महेन्द्र कुमार जैन
मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
भीण्डर

श्री अनिल कुमार पोरवाल
मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
वल्लभनगर

श्री भैरूलाल सालवी
अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
भीण्डर

श्री रमेश खटीक
अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
भीण्डर

श्री गोपाल लाल मेनारिया
अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी
वल्लभनगर

श्री मुनेश मीणा
संदर्भ व्यक्ति
भीण्डर

श्री ओंकार लाल गोपावत
संदर्भ व्यक्ति
वल्लभनगर

## –संयोजक–

**योगेश चन्द्र रावल,**
**व्याख्याता,**
**रा.उ.मा.वि. खरसाण, उदयपुर**

## –सहसंयोजक–

**मनोज कुमावत**, व्याख्याता,
**राउमावि टूस डांगीयान**

## कार्यकारी दल (व्याख्यातागण)

| S.N. | Name | Mobile | School Name |
|---|---|---|---|
| 1 | SURENDRA SINGH SARANGDEVOT | 9829927594 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL KHERODA (223197) |
| 2 | PANKAJ CHOUBISA | 9214611622 | BHAIRAV GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL BHINDER (223214) |
| 3 | RAMAVATAR MEENA | 7976339838 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL VANA (223156) |
| 4 | MUKESH CHAND | 7891881459 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL NEEMDI BHINDER (223220) |
| 5 | AKSHAYA RAJ | 7737777447 | MAHATMA GANDHI GOVT. SCHOOL BHINDER (223216) |
| 6 | VIDYA YADAV | 9462331497 | MAHATMA GANDHI GOVT. SCHOOL KHERODA (223198) |
| 7 | HARSHVARDHAN | 9166438001 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL SINHAD (223174) |
| 8 | VINITA YOHAN | 8302773034 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL BHATEWAR (223195) |
| 9 | GOPAL MENARIA | 9667146856 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL MENAR (223199) |
| 10 | SUSHIL KUMAR YADAV | 9672332222 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL MAL KI TOOS (223182) |
| 11 | PRATIMA SINHA | 7742136772 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL DAROLI UDAIPUR (223179) |
| 12 | PANKAJ KHATANA | 6376993861 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL NANDWEL (223185) |
| 13 | ISHWAR LAL POMAWAT | 9571887229 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL BATHARDA KHURD (223190) |
| 14 | DEEPAK KUMAR KALYANAT | 9680089217 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL MODI (223188) |
| 15 | VINOD KUMAR JAIN | 9887805024 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL - GOTIPA (223207) |
| 16 | PRAKASH CHANDRA MENARIA | 9413555605 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL VALLABHANAGAR (223203) |
| 17 | SOHAN SINGH BHAGROT | 8003964417 | GOVT. SENIOR SECONDARY SCHOOL TARAWAT (223212) |

# अनुक्रमणिका

## पाठ्यपुस्तक :– मानव भूगोल के सिद्धान्त


| | | |
|---|---|---|
| इकाई – 1 | अध्याय :– 1. | मानव भूगोल प्रकृति एवं विषय क्षेत्र |
| इकाई – 2 | अध्याय :– 2. | विश्व जनसंख्या वितरण, धनत्व आर वृद्धि |
| | अध्याय :– 3. | जनसंख्या संघटन |
| | अध्याय :– 4. | मानव विकास |
| इकाई – 3 | अध्याय :– 5. | पाथमिक क्रियाऐं |
| | अध्याय :– 6. | द्वितीय क्रियाऐं |
| | अध्याय :– 7. | तृतीयक आर चतर्थ कियाकलाप |
| | अध्याय :– 8. | परिवहन एवे संचार |
| | अध्याय :– 9. | अंतराश्ट्रीय व्यापार |
| इकाई – 4 | अध्याय :– 10 | मानव बस्ती मानचित्र कार्य (विश्व) |


## पाठ्यपुस्तक :– भारत लोग और अर्थव्यवस्था


| | | |
|---|---|---|
| इकाई – 1 | अध्याय :– 1. | जनसख्ंयाः वितरण, धनत्व, वृद्धि आर संघटन |
| | अध्याय :– 2. | प्रवासः प्रकार, कारण और परिणाम |
| | अध्याय :– 3. | मानव विकास |
| इकाई – 2 | अध्याय :– 4. | मानव बस्तिया |
| इकाई – 3 | अध्याय :– 5. | भू संसाधन एवं कृषि |
| | अध्याय :– 6. | जल ससाधन |
| | अध्याय :– 7. | खनिज तथा ऊजा संसाधन |
| | अध्याय :– 8. | निमाण उद्योग |
| | अध्याय :– 9. | भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोशणीय विकास |
| इकाई – 4 | अध्याय :– 10 | परिवहन तथा संचार मानचित्र कार्य (भारत) |
| | अध्याय :– 11. | अंतराश्ट्रीय व्यापार |
| इकाई – 5 | अध्याय :– 12. | भौगोलिक परिप्रेख्य में कुछ मुद्द एवं समस्याएँ |

# अध्याय–1 : मानव भूगोल : प्रकृति व विषय क्षेत्र

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| ट | 1+1 | 2 | 1 | 2 |
| योग | | 2 | | 2 |

प्र. 1 निम्नलिखित में कौन–सा एक लोगों और पर्यावरण के बीच अन्योन्यक्रिया का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है?
(अ) मानव बुद्धिमता (ब) प्रौद्योगिकी
(स) लोगों के अनुभव (द) मानवीय भाईचारा (अ)

प्र. 2 निम्नलिखित में से कौन–सा एक भौगोलिक सूचना का स्रोत नहीं है?
(अ) यात्रियों के विवरण (ब) प्राचीन मानचित्र
(स) चंद्रमा से चट्टानी पदार्थों के नमूने (द) प्राचीन महाकाव्य (स)

प्र. 3 1970 के दशक में किस विचारधारा का उदय हुआ–
(अ) मानवतावादी (ब) आमुलवादी
(स) व्यवहारवादी (द) उपरोक्त सभी (द)

प्र. 4 एक प्रदेश अन्य प्रदेशों से किस प्रकार और क्यों भिन्न है यह समझने के लिए तथा किसी प्रदेश की विलक्षणता की पहचान करना किस उपागम का लक्षण है–
(अ) स्थानिक संगठन (ब) क्षैत्रिय विभेदन
(स) प्रादेशिक विश्लेषण (द) अन्वेशण (ब)

प्र. 5 पर्यटन भूगोल मानव भूगोल के किस क्षेत्र का उपक्षेत्र है–
(अ) सामाजिक भूगोल (ब) राजनैतिक भूगोल
(स) नगरिय भूगोल (द) आर्थिक भूगोल (द)

प्र. 6 सैन्य भूगोल मानव भूगोल के किस क्षेत्र का उपक्षेत्र है–
(अ) सामाजिक भूगोल (ब) राजनैतिक भूगोल
(स) नगरिय भूगोल (द) आर्थिक भूगोल (ब)

प्र. 7 ऐतिहासिक भूगोल मानव भूगोल के किस क्षेत्र का उपक्षेत्र है–
(अ) सामाजिक भूगोल (ब) राजनैतिक भूगोल
(स) नगरिय भूगोल (द) आर्थिक भूगोल (अ)

प्र. 8 मानव भूगोल के जनक है–
(अ) फैडरिक रैटजैल (ब) एलन सेम्पल
(स) ब्लाश (द) ग्रिफिक टेलर (अ)

प्र. 9 भूगोल का पिता किसे कहा जाता है–
(अ) फैडरिक रैटजैल (ब) ब्लाश
(स) हिकेटियस (द) रिटर (स)

प्र. 10 रूको और जाओं की संकल्पना किसने प्रस्तुत की–
(अ) हिकेटियस (ब) ग्रिफिक टेलर (स) रेटजेल (द) हटिगंटन (ब)

प्र. 11 **'मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधो का अध्ययन है'** उक्त परिभाषा है–.
(अ) हिकेटियस (ब) ग्रिफिक टेलर
(स) रेटजेल (द) एलन सेम्पल (द)

प्र. 12 **एन्थ्रोपोज्योग्राफी** पुस्तक के रचियता है–

(अ) हिकेटियस (ब) ग्रिफिक टेलर
(स) रेटजेल (द) एलन सेम्पल (स)

**अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न**

प्र. 1 आधुनिक मानव भूगोल के जन्मदाता कौन थे?
उत्तर फ्रेडरिक रेटजेल।

प्र. 2. नवनियतिवाद के प्रवर्तक कौन है?
उत्तर ग्रिफिथ टेलर।

प्र. 3. रेटजेल की पुस्तक का नाम बताइए?
उत्तर एन्थ्रोपो ज्योग्राफी।

प्र. 4. संभववाद की विचारधारा किसने दी?
उत्तर विडाल–डी–ला–ब्लाश।

प्र. 5. फ्रेडरिक रेटजेल की शिष्या का नाम बताइए?
उत्तर एलन सैम्पल।

प्र. 6. भूगोल की दो मुख्य शाखाएँ कौनसी है?
उत्तर (1) भोतिक भूगोल (2) मानव भूगोल

प्र. 7. रेटजेल के अनुसार मानव भूगोल को परिभाषित कीजि,।
उत्तर ''मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच सम्बन्धों का संष्लेषित अध्ययन है।''

प्र. 8. ''मानव और उसके कार्यो को समाविष्ट किया है।'' परिभाषा किसने दी?
उत्तर डिकेन और पिट्स ने।

प्र. 9. प्रसिद्ध अमेरिकन भूगोलवेत्ता एलन सेम्पल के अनुसार मानव भूगोल को परिभाषित कीजि,।
उत्तर ''मानव भूगोल चंचल मानव और अस्थायी पृथ्वी के पारस्परिक परिवर्तनशील सम्बन्धों का अध्ययन है।''

प्र. 10. हटिंगटन ने मानव भूगोल के अध्ययन क्षेत्र को कितने वर्गो में बाँटा है?
उत्तर दो वर्गो में बाँटा है –
(1) भौतिक दशाए (2) मानवीय अनुक्रिया

प्र. 11. प्रसिद्ध जर्मन भूगोलवेत्ताओं के नाम बताइए?
उत्तर हम्बोल्ट, रिटर, फ्रोबेल, पैशेल, रिचथोफेन व रेटजेल

प्र. 12. अमेरिका के भूगोलवेत्ताओं के नाम बताइए।
उत्तर एलन सेम्पल, हटिंगटन, बौमेन, कार्ल सांवर, ग्रिफिथ टेलर।

प्र.13. प्रसिद्ध फ्रांसिसी भूगोलवेत्ताओं के नाम बताइए।
उत्तर बिडाल–डी–ला–ब्लाश, ब्रूंस, दी मार्तोन, डिमांजियाँ व फ्रेब्रे।

प्र.15. मानव का प्रकृतिकरण भूगोल की किस विचारधारा के अन्तर्गत आता है ?
उत्तर नियतिवाद

प्र.16. प्रकृति का मानवीकरण भूगोल की किस विचारधारा के अन्तर्गत आता है ?
उत्तर संभववाद

प्र.17. भूगोल मे मानवतावादी, आमूलवादी और व्यवहारवादी विचारधराओं का उदय कब हुआ।
उत्तर 70 के दशक में

प्र.18. भूगोल मे आमूलवादी के बारे मे बताइये ?
उत्तर आमूलवादी रेडिकल विचारधारा ने निर्धनता के कारण, बंधन और सामाजिक असमानता की व्याख्या के लिए मार्क्स के सिद्धांत का उपयोग किया। समकालीन सामाजिक समस्याओं का संबंध पूँजीवाद के विकास से था।

## अध्याय–2 : विश्व जनसंख्या–वितरण, घनत्व और वृद्धि

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1 | 1 | 1 | 1 |
| ब | 1 | 1 | 1.5 | 1.5 |
| योग | | 2 | | 2.5 |

प्रश्न 1 विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश है ?
(अ) चीन (ब) भारत
(स) सिंगापुर (द) अमेरिका (स)

प्रश्न 2 कटंगा जाम्बिया क्षेत्र किसके लिए प्रसिद्ध है ?
(अ) लौहा (ब) तांबा
(स) जिंक (द) एल्युमिनियम (ब)

प्रश्न 3 किसने कहा था कि लोगों की संख्या खाद्य आपूर्ति की अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़ेगी
(अ) माल्थस (ब) ट्रिवार्था
(स) फिंच (द) इनमें से कोई नहीं (अ)

प्रश्न 4 जापान का कोबे–ओसाका क्षेत्र जिस कारण से सांन बसा हुआ है, वह है–
(अ) उत्तम जलवायु (ब) भू आकृति
(स) औद्योगिकरण (द) खनिज (स)

प्रश्न 5 जननांकिकीय सक्रमण की प्रथम अवस्था संबंधित है–
(अ) उच्च जन्म दर एवं उच्च मृत्यु दर (ब) जन्म दर घटना
(स) मृत्यु दर का बढ़ना (द) निम्न मृत्यु दर कम (अ)

प्रश्न 6. दो समय बिन्दुओं के बीच हुए जनसंख्या के परिवर्तन को यदि प्रतिशत में व्यक्त करें तो वह कहलाएगा
(a) जनसंख्या की वृद्धि (b) जनसंख्या की वृद्धि दर
(c) जनसंख्या का विकास (d) जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि। (b)

प्रश्न 7. जनसंख्या परिवर्तन को मापने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा घटक अनिवार्य नहीं है
(a) प्रजननशीलता (b) मर्त्यता
(c) प्रवास (d) स्वास्थ्य। (d)

प्रश्न 8 सर्वाधिक जन्म-दर वाला महाद्वीप है
(a) दक्षिण अमेरिका (b) एशिया
(c) ऑस्ट्रेलिया (d) अफ्रीका। (d)

प्रश्न 9. जनसंख्या की सबसे कम वृद्धि दर कहाँ पायी जाती है
(a) दक्षिण अमेरिका (b) अफ्रीका
(c) एशिया (d) ओसीनिया। (d)

प्रश्न 10. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश कौन-सा है
(a) भारत (b) चीन
(c) ब्रिटेन (d) कनाडा। (b)

प्रश्न 11. मानसून एशिया में जनसंख्या की सघनता का कारण है
(a) उपजाऊ मैदान (b) औद्योगीकरण
(c) नगरीकरण (d) ये सभी। (d)

प्रश्न 12. विरल जनसंख्या वाला प्रदेश है

(a) उष्ण मरुस्थल (b) अति ठण्डे क्षेत्र

(c) ठण्डे मरुस्थल (d) उपर्युक्त सभी। (d)

प्रश्न 13. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाला आर्थिक कारक है

(a) खनिज (b) परिवहन

(c) नगरीकरण (d) ये सभी। (d)

प्रश्न .1 जनसंख्या घनत्व से क्या आशय है?

उत्तर: लोगों की संख्या और भूमि के आकार के बीच अनुपात को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

प्रश्न 2. प्रवास क्या है?

उत्तर: प्रवास का अर्थ-किसी व्यक्ति अथवा जनसमूह के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर बसने को' प्रवास' कहते हैं।

प्रश्न.3 विश्व में सघन जनसंख्या वाले क्षेत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर: विश्व में सघन जनसंख्या के क्षेत्र हैं-संयुक्त राज्य अमेरिका का उ०प० भाग,यूरोप का उ०प० भाग तथादक्षिणी, दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी एशिया के भाग।

प्रश्न.4 विश्व में विरल जनसंख्या वाले क्षेत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर: उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के समीप, उष्ण और शीत मरुस्थल तथा विषुवत् रेखा के समीप उच्च वर्षा के अन्य क्षेत्र आदि में विरल जनसंख्या पायी जाती है।

प्रश्न.5 जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले दो भौगोलिक कारक बताइए।

उत्तर: जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारक हैंजलवायु एवंभू-आकृति।

प्रश्न.6 जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले दो आर्थिक कारक बताइए।

उत्तर: जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले आर्थिक कारक हैं :खनिज एवंनगरीकरण।

प्रश्न.7 जनसंख्या वृद्धि किसे कहते हैं?

उत्तर: किसी निश्चित अवधि के दौरान किसी निश्चित क्षेत्र के निवासियों की संख्या में परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहते हैं। .

प्रश्न.8 जनसंख्या में वृद्धि दर से क्या आशय है?

उत्तर: जब जनसंख्या में परिवर्तन को प्रतिशत में व्यक्त किया जाता है तो उसे जनसंख्या की वृद्धि दर कहते हैं।

प्रश्न.9 जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि क्या है?

उत्तर: यदि किसी निश्चित अवधि में, निश्चित क्षेत्र के निवासियों की संख्या में वृद्धि होती है, तो इसे 'जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि' कहते हैं।

प्रश्न.10 जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि क्या है?

उत्तर: यदि किसी निश्चित अवधि में, निश्चित क्षेत्र के निवासियों की संख्या में कमी होती है, तो इसे 'जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि' कहते हैं।

प्रश्न.11 जनसंख्या की वृद्धि को किसमें व्यक्त किया जाता है?

उत्तर: जनसंख्या की वृद्धि को निरपेक्ष आँकड़ों अथवा प्रतिशत मात्रा में व्यक्त किया जाता है।

प्रश्न.12 जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि जानने के लिए किसका प्रयोग किया जाता है?

उत्तर: जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि ज्ञात करने के लिए केवल जन्म-दर तथा मृत्यु-दर का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न .13 जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि क्या है?

उत्तर: किसी क्षेत्र विशेष में दो अन्तरालों में जन्म और मृत्यु के अन्तर से बढ़ने वाली जनसंख्या को उस क्षेत्र की प्राकृतिक वृद्धि कहते हैं।

प्रश्न .14 अशोधित मृत्यु-दर से क्या आशय है?

उत्तर: अशोधित जन्म-दर को प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिए गए जीवित बच्चों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है।

प्रश्न .15 अशोधित मृत्यु-दर से क्या आशय है?

उत्तर: एक वर्ष में प्रति हजार जनसंख्या के अनुपात में मरने वाले व्यक्तियों की संख्या को 'अशोधित मृत्यु-दर' कहते हैं।

प्रश्न .16 प्रवास से क्या आशय है?

उत्तर: किसी व्यक्ति अथवा जनसमूह के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर बसने को 'प्रवास' कहते हैं।

प्रश्न .17 बाह्य प्रवास से क्या आशय है?

उत्तर: अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं को पार करने वाला प्रवास 'बाह्य प्रवास' कहलाता है।

प्रश्न .18 परिवार नियोजन का क्या कार्य है?

उत्तर: परिवार नियोजन का कार्य बच्चों के जन्म को रोकना अथवा उसमें अन्तराल रखना है।

प्रश्न 19 परिवार नियोजन सुविधाएँ किसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं?

उत्तर: परिवार नियोजन सुविधाएँ जनसंख्या वृद्धि को सीमित करने और महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्रश्न .20 जनांकिकीय संक्रमण का उपयोग किसमें किया जाता है?

उत्तर: जनांकिकीय संक्रमण का उपयोग किसी क्षेत्र की जनसंख्या के वर्णन तथा भविष्य की जनसंख्या के पूर्वानुमान के लिए किया जाता है।

प्रश्न 21 विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश कौनसा है?

उत्तर चीन

प्रश्न 7 एशिया में विश्व की कितन प्रतिशत जनसंख्या निवास करती ह?

उत्तर 60%

प्रश्न 8 जनघनत्व को परिभाषित करो।

उत्तर प्रति वर्ग किलोमीटर में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या उस क्षेत्र का जनघनत्व कहलाता है।

प्रश्न 9 जनघनत्व का सूत्र लिखिए।

उत्तर जनघनत्व = कुल जनसंख्या/कुल क्षेत्रफल

प्रश्न 10 जनसंख्या वृद्धि का सूत्र लिखिए।

उत्तर जनसंख्या वृद्धि = जन्म–मृत्यु. आप्रवास–उत्प्रवास

प्रश्न 11 भूमध्यसागरीय प्रदेश मे अधिक जनसंख्या का क्या कारण है?

उत्तर सुखद व उत्तम जलवायु

प्रश्न 12 अशोधित जन्म दर क्या है?

उत्तर प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिये जिवित बच्चों की संख्या।

प्रश्न 13 उत्प्रवास क्या है ?

उत्तर प्रवासी जो एक स्थान से बाहर चले जाते हैं उत्प्रवासी कहलाते हैं।

प्रश्न 14 जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कोई दो कारक बताओ।

उत्तर जलवायु और मृदा।

प्रश्न 15 प्रवास किसे कहते हैं ?

उत्तर किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह का अपने निवास स्थान का स्थाई परिवर्तन प्रवास कहलाता है। यह स्थायी, अस्थाई या मौसमी हो सकता है।

प्रश्न 1. जलवायु किस तरह मनुष्य को प्रभावित करती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: जलवायु का मनुष्य पर प्रभाव:उत्तरी-ध्रुवीय क्षेत्र में स्थित अलास्का, ग्रीनलैण्ड, कनाडा का उत्तरी भाग व साइबेरिया तथा दक्षिणी ध्रुव के चारों तरफ विस्तृत अंटार्कटिक महाद्वीप अत्यधिक ठण्ड के कारण लगभग मानवविहीन पाए जाते हैं।मध्य अक्षांशों में विस्तृत गोबी मरुस्थल शीत व शुष्क जलवायु के कारण जनविहीन है।पृथ्वी के धरातल का लगभग 160 लाख वर्ग किमी क्षेत्र ऐसा है जहाँ अधिक सर्दी के कारण खेती नहीं की जा सकती।प्रतिकूल जलवायु मनुष्य को

आलसी, निर्बल व अकुशल बना देती है जबकि उत्तम जलवायु के निवासी फुर्तीले, उत्साही, दक्ष तथा जोश से भरे रहते हैं।

प्रश्न 2. प्रवास को प्रभावित करने वाले कारकों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: प्रवास को प्रभावित करने वाले कारक प्रवास को प्रभावित करने वाले कारकों के दो समूह हैं

1. प्रतिकर्ष कारक - बेरोजगारी, रहन-सहन की निम्न दशाएँ, राजनीतिक उपद्रव, प्रतिकूल जलवायु, प्राकृतिक विपदाएँ, महामारियाँ तथा सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन जैसे कारण उद्गम स्थल को कम आकर्षित बनाते हैं। मजबूरी में छोड़े गए अपने स्थान को 'प्रतिकर्ष-प्रेरित प्रवास' कहते हैं।

2. अपकर्ष प्रवास -काम के बेहतर अवसर और जीने की दशाओं, शान्ति व स्थायित्व, जीवन व सम्पत्ति की सुरक्षा तथा सुखद जलवायु जैसे कारण गंतव्य को उद्गम स्थल की अपेक्षा अधिक आकर्षक बनाते हैं। अपनी बेहतरी के अवसरों से आकर्षित होकर किया गया प्रवास 'अपकर्ष-प्रेरित प्रवास' कहलाता है।

प्रश्न 3. जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि एवं ऋणात्मक वृद्धि को समझाइए।

उत्तर: जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि-धनात्मक वृद्धि तब होती है जब दो समय बिन्दुओं के बीच जन्म-दर, मृत्यु-दर से अधिक हो या अन्य देशों के लोग स्थायी रूप से उस देश में प्रवास कर जाएँ। जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि-यदि दो समय बिन्दुओं के बीच जनसंख्या कम हो जाए तो उसे ऋणात्मक वृद्धि कहते हैं। यह तब होती है जब जन्म-दर, मृत्यु-दर से कम हो जाए या लोग अन्य देशों में प्रवास कर जाएँ।

प्रश्न 4. जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि व वास्तविक वृद्धि को समझाइए।

उत्तर: जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि-दो समय बिन्दुओं में जन्म-दर और मृत्यु-दर के अन्तर से। बढ़ने वाली जनसंख्या को उस क्षेत्र की 'प्राकृतिक वृद्धि' कहते हैं।

प्राकृतिक वृद्धि =जन्म -मृत्यु

जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि-इसमें जनसंख्या की जन्म-दर व मृत्यु-दर के साथ-साथ प्रवास व अप्रवास की भी गणना की जाती है। .

वास्तविक वृद्धि =जन्म -मृत्यु +अप्रवासी -उत्प्रवासी

प्रश्न 5. जन्म-दर की माप अशोधित क्यों है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: जन्म-दर की माप के अशोधित होने के कारण जन्म-दर ज्ञात करने के तरीके में निम्नलिखित त्रुटियाँ हैं जिस कारण इसे 'अशोधित' कहा जाता है,इस माप में प्रयुक्त 'प्रति हजार जनसंख्या' में बच्चे और बूढ़े भी शामिल हो जाते हैं जबकि वह वर्ग प्रजनन कार्य में सक्रिय नहीं होता।इस माप में सम्बन्धित जनसंख्या की आयु, लिंगानुपात तथा वैवाहिक स्तर को भी ध्यान में नहीं रखा जाता।

प्र. 20 विश्व की जनसंख्या समस्या के समाधान हेतु कोई दो उपाय सुझाइये।

उत्तर 1. प्राकृतिक संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग किया जाए।

2. कोयला, पेट्रोल, बिजली के अधिकतम उपयोग पर नियंत्रण।

प्र. 21 जनसंख्या वितरण और जनसंख्या घनत्व में 2 अन्तर लिखिए –

उत्तर

| क्र. | जनसंख्या वितरण | जनसंख्या घनत्व |
|---|---|---|
| 1. | जनसंख्या वितरण से आशय जनसमूह के स्थानिक वितरण से है। | जनसंख्या घनत्व से आशय जनसंख्या एवं धरातल के अनुपात से है। |
| 2. | जनसंख्या वितरण में स्थानिक वितरण पर अधिक बल दिया जाता है। | जनसंख्या घनत्व में जनसंख्या आकार एवं क्षेत्र के अनुपातिक संबंधों पर बल दिया जाता है। |

प्र. 22 प्रायः जनविहीन क्षेत्र को स्पश्ट कीजिए।

उत्तर विश्व के वे क्षेत्र जहाँ जनसंख्या घनत्व 1 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी.से भी कम पाया जाता है,जनविहीन क्षेत्र कहलाता है। पृथ्वी के स्थल भाग का लगभग 70 प्रतिशत क्षेत्र आवास्य है जिसे इस वर्ग में रखा जाताहै।

प्र. 23 जनसंख्या वृद्धि के दुश्परिणामों के चार बिन्दु लिखें।

उत्तर 1. जनसंख्या वृद्धि के फलस्वरूप खाद्यान्न आपूर्ति व आवास की समस्या उत्पन्न हो रही है।

2. जनसंख्या वृद्धि से लोग मूलभूत सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं।

3. इससे बेरोजगारी व निर्धनता में वृद्धि हो रही है।

4. जनसंख्या वृद्धि से कृशि भूमि क्षेत्र निरन्तर कम होता जा रहा है और वनों का विनाश हो रहा है।

प्र. 24 भारत में जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के तीन उपाय सुझाइए।

उत्तर 1. परिवार नियोजन कार्यक्रम को अपनाकर बच्चों के जन्म को रोका जा सकता है।

2. छोटा परिवार रखने के लिए जन जागृति लाना।

प्र. 25 जनसंख्या वृद्धि के लिए उत्तरदायी घटकों को लिखिए –

उत्तर जनसंख्या वृद्धि के लिए उत्तरदायी मूलभूत घटक :–

1. जन्म दर – जनसंख्या में प्रति हजार व्यक्तियों पर किसी देश में जन्में बच्चों की संख्या को जन्म दर कहते हैं।

2. मृत्यु दर – जनसंख्या में प्रति हजार व्यक्तियों पर किसी देश में मरने वाले लोगों की संख्या को मृत्यु दर कहते हैं।

3. प्रवास– एक स्थान से दूसरे स्थान पर जनसंख्या के स्थानान्तरण को प्रवास कहते हैं।

प्र. 26 जननांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त क्या है?

उत्तर जननांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त – इस सिद्धान्त का प्रयोग किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या का वर्णन एवं भावी जनसंख्या के पूर्वानुमान के लिए किया जाता है। जनसंख्या परिवर्तन का यह सिद्धान्त हमें यह जानकारी देता है कि जैसे ही किसी समाज, ग्रामीण, खेतीहर अशिक्षित अवस्था से उन्नति करते हुए साक्षर, नगरीय और औद्योगिक अवस्था की ओर बढ़ता है। किसी प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर से परिवर्तित होने लगती है।

# अध्याय–3 : विश्व जनसंख्या संघटन

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1 | 1 | 1 | 1 |
| योग | | 1 | | 1 |

**वस्तुनिश्ठ प्रश्न**

प्रश्न1. निम्नलिखित में से किसने संयुक्त अरब अमीरात के लिंग अनुपात को निम्न किया है
(अ) पुरूष कार्यशील जनसंख्या का चयनीत प्रवास (ब) पुरूषों की उच्च जन्म दर
(स) स्त्रियों की निम्न जन्म दर (द) स्त्रियों का उच्च जन्म दर (अ)

प्रश्न2. निम्नलिखित में से कौनसी संख्या जनसंख्या के कार्यशील आयु वर्ग का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) 15 से 65 (ब) 15 से 66
(स) 15 से 64 (द) 15 से 59 (द)

प्रश्न3. निम्नलिखित में से किस देश का लिंग अनुपात विश्व में सर्वाधित हैं?
(अ) जापान (ब) फ्रांस
(स) लैटविया (द) संयुक्त अरब अमीरात (स)

प्रश्न4. किस देश का लिंग अनुपात विश्व में निम्नतम पाया जाता हैं?
(अ) अमेरिका (ब) संयुक्त अरब अमीरात
(स) रूस (द) जापान (ब)

प्रश्न5. विश्व की जनसंख्या का औसत लिंग अनुपात प्रति 100 स्त्रियों पर पुरूषों की संख्या हैं?
(अ) 190 (ब) 98
(स) 102 (द) 80 (स)

प्रश्न 6. निम्नलिखित में से किसने संयुक्त अरब अमीरात के लिंग अनुपात को निम्न किया है
(क) पुरुष कार्यशील जनसंख्या का चयनित प्रवास (ख) पुरुषों की उच्च जन्म दर
(ग) स्त्रियों की निम्न जन्म-दर (घ) स्त्रियों का उच्च उत्प्रवास। (ग)

प्रश्न 7. आयु और लिंग पिरामिड में क्या प्रदर्शित किया जाता है
(a) आयु संरचना (b) लिंग संरचना
(c) आयु और लिंग संरचना (d) लिंग अनुपात (c)

प्रश्न 8. चौड़ा आधार तथा पतला होता शीर्ष आकृति वाला पिरामिड क्या दर्शाता है
(a) स्थिर जनसंख्या (b) विकासशील जनसंख्या
(c) घटती जनसंख्या (d) इनमें से कोई नहीं। (b)

प्रश्न 9. आर्थिक दृष्टि से सर्वाधिक उत्पादक आयु वर्ग कौन-सा है.
(a) बाल वर्ग (b) प्रौढ़ वर्ग
(c) वृद्ध वर्ग (d) इनमें से कोई नहीं। (b)

प्रश्न 10. गैर कृषि कार्यों से संलग्न जनसंख्या को क्या कहा जाता है
(a) आश्रित जनसंख्या (b) नगरीय जनसंख्या
(c) ग्रामीण जनसंख्या (d) सक्रिय जनसंख्या। (b)

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से कौन-सा घटक जनसंख्या के संघटन को प्रदर्शित नहीं करता.-
(a) आयु (b) लिंग
(c) साक्षरता (d) प्रजननशीलता। (d)

प्रश्न 12. कृषि कार्यों में संलग्न जनसंख्या को क्या कहा जाता है
(a) आश्रित जनसंख्या (b) नगरीय जनसंख्या
(c) ग्रामीण जनसंख्या (d) सक्रिय जनसंख्या। (c)

प्रश्न 1. लिंग अनुपात से क्या आशय है?

उत्तर: जनसंख्या में स्त्रियों और पुरुषों की संख्या के बीच के अनुपात को 'लिंग अनुपात' कहते हैं।

प्रश्न 2. साक्षरता से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: साक्षरता का अर्थ-संयुक्त राष्ट्र संघ जनसंख्या आयोग के अनुसार, "साक्षर व्यक्ति वह है जो 15 वर्ष या इससे अधिक आयु का हो और जो किसी भाषा में साधारण सन्देश को पढ़, लिख और समझ सकता हो।"

प्रश्न 3 आयु-लिंग पिरामिड से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: आयु-लिंग पिरामिड एक विशेष प्रकार का रेखाचित्र होता है, जिसकी सहायता से जनसंख्या की आयु तथा लिंग संरचना का अध्ययन किया जाता है। इसकी आकृति पिरामिड से मिलती है।

प्रश्न 4. ग्रामीण जनसंख्या के व्यवसाय बताइए।

उत्तर: ग्रामीण जनसंख्या के प्रमुख व्यवसाय कृषि, मत्स्य, आखेट, एकत्रीकरण, खनन आदि हैं।

प्रश्न 5. नगरीय जनसंख्या के प्रमुख व्यवसाय क्या हैं?

उत्तर: नगरीय जनसंख्या के प्रमुख व्यवसाय उद्योग, व्यापार, परिवहन, सेवाएँ जैसे द्वितीयक एवं तृतीयक व्यवसाय हैं।

प्रश्न 6. ग्रामीण जनसंख्या किसे कहते हैं?

उत्तर: वह जनसंख्या जो गाँवों में निवास करती है और प्राथमिक व्यवसायों में संलग्न है, 'ग्रामीण जनसंख्या' कहलाती है।

प्रश्न 7. नगरीय जनसंख्या किसे कहते हैं?

उत्तर: वह जनसंख्या जो नगरों में निवास करती है और गैर-कृषि कार्यों में संलग्न है, 'नगरीय जनसंख्या कहलाती है।

प्रश्न 8. नगरों में महिलाओं के प्रवास को रोकने वाले कारक बताइए।

उत्तर: नगरों में महिलाओं के प्रवास को रोकने वाले कारक हैं–

नगरों में आवास का अभाव — रहन-सहन की उच्च लागत

रोजगार अवसरों का अभाव, एवं — सुरक्षा की कमी आदि।

प्रश्न 9. साक्षर से क्या आशय है?

उत्तर- संयुक्त राष्ट्र संघ के जनसंख्या आयोग के अनुसार, 15 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग का व्यक्ति यदि एक सरल कथन को समझकर पढ़ तथा लिख सकता है, तो वह 'साक्षर' है।"

प्रश्न1 जनसंख्या संघटन से आप क्या समझते है

उत्तर जनसंख्या की उन सभी विशषताओं से हैं जिनके द्वारा लोगों को एक–दूसरे से अलग किया जाता है जैसे आयु, लिंगानुपात, निवास–स्थान, साक्षरता, जीवन–प्रत्याशा और व्यवसाय आदि।

प्रश्न 2 व्यावसायिक संरचना क्या हैं?

उत्तर– कुल कार्यशील जनसंख्या में विभिन्न व्यवसायों में संलग्न जनसंख्या का अनुपात व्यावसायिक संरचना कहलाती हैं।

प्रश्न:3 जनसंख्या पिरामिड का प्रयोग क्यों किया जाता हैं?

उत्तर– जनसंख्या पिरामिड का प्रयोग जनसंख्या की आयु, लिंग संरचना को दर्शाने के लिए किया जाता है।

प्रश्न4. त्रिभुजाकार आकार का पिरामिड किस प्रकार के देशों का प्रतिरूपी हैं?

उत्तर– विस्तृत आधार वाला त्रिभुजाकार पिरामिड अल्पविकसित देशों का प्रतिरूपी हैं।

प्रश्न5 जनसंख्या सांटन के किन्हीं दो महत्वपूर्ण सूचकों के नाम बताइ,?

उत्तर– 1. लिंग सघटन 2. आयु संरचना

प्रश्न5 विनिर्माण क्या हैं?

उत्तर– विनिर्माण से आशय किसी भी वस्तु के उत्पादन से है।

प्रश्न6 कार्यशील जनसंख्या क्या होती हैं?

उत्तर– 15–59 वर्श की आयु वर्ग के स्त्री व पुरूश कार्यशील जनसंख्या कहलाती हैं।

प्रश्न 7 जनसंख्या सांटन से आप क्या समझते है

उत्तर– जनसंख्या की उन सभी विशषताओं से हैं जिनके द्वारा लोगों को एक–दूसरे से अलग किया जाता है जैसे– आयु, लिंगानुपात, निवास–स्थान, साक्षरता, जीवन–प्रत्याशा और व्यवसाय आदि।

प्रश्न 8 साक्षरता दर से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– साक्षरता दर कुल जनसंख्या का वह प्रतिशत है जिसमें 7 वर्ष या अधिक आयु के लोग दैनिक जीवन में पढ लिखकर एक दुसरे को समझ व समझा सकें।

प्रश्न 9 साक्षरता दर को प्रभावित करने वाले कोई चार कारण लिखिए?

उत्तर– 1. आर्थिक विकास का स्तर 2. नगरीकरण 3. जीवन स्तर

## अध्याय–4 : मानव विकास

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1 | 1 | 1 | 1 |
| ब | 1 | 1 | 1.5 | 1.5 |
| योग | | 2 | | 2.5 |

प्र0 1. मानव विकास की अवधारणा का प्रतिपादन किसके द्वारा किया गया था?
(अ) महात्मा गांधी (ब) जवाहर लाल नेहरू
(स) महबूब–उल–हक (द) मोतीलाल नेहरू (स)

प्र0 2. किस नोबेल पुरूस्कार विजेता ने विकास का मुख्य ध्येय स्वतंत्रता की वृद्धि के रूप में देखां?
(अ) महात्मा गांधी (ब) अमर्त्य सेन
(स) जवाहरलाल नेहरू (द) रविन्द्रनाथ टैगोर (ब)

प्र0 3 .किस उपागम का संबंध अमर्त्य सेन से हैं?
(अ) आय उपागम (ब) कल्याण उपागम
(स) न्यूनतम आवश्यकता उपागम (द) क्षमता उपागम (द)

प्र0 4. मानव विकास के मापन में स्कोर हैं?
(अ) 0 से 4 के मध्य (ब) 0 से 1 के मध्य
(स) 0 से 3 के मध्य (द) 0 से 2 के मध्य (ब)

प्र0 5. यूएनडीपी कब से प्रतिवर्ष मानव विकास प्रतिवेदन प्रकाशित कर रहा हैं?
(अ) 1992 (ब) 1990 (स) 1991 (द) 1999 (ब)

प्र0 6. विश्व का ऐसा एकमात्र देश जिसने सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता को देश की प्रगति का अधिकारिक माप घोषित किया हैं?
(अ) भारत (ब) भूटान (स) नेपाल (द) चीन (ब)

**<u>अतिलघुतरात्मक प्रश्नः–</u>**

प्र0 1. मानव विकास के चार स्तम्भ के नाम बताएं?
उत्तर– 1. समता 2. सतत पोषणीयता 3. उत्पादकता 4. सशक्तीकरण

प्र0 2 सशक्तीकरण का क्या अर्थ हैं?
उत्तर– सशक्तीकरण का अर्थ है– अपने विकल्प चुनने के लिए शक्ति प्राप्त करना।

प्र0 3. मानव विकास के उपागम कौन–कौन से है मुख्य उपागमों के नाम बताएं?
उत्तर– 1. आय उपागम 2. कल्याण उपागम 3. न्यूनतम आवश्यकता उपागम 4. क्षमता उपागम।

प्र0 4. आधारभूत आवश्यकता उपागम के अन्तर्गत 6 न्यूनतम आवश्यकताएं कौन–कौन सी हैं?
उत्तर– आधारभूत आवश्यकता उपागम के अन्तर्गत छः न्यूनतम आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, जलापूर्ति, स्वच्छता और आवास।

प्र0 5. कल्याण उपागम किस तरह के साधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय का तर्क देता हैं?
उत्तर– कल्याणउपागम– यह उपागम शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सुख–साधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय का तर्क देता हैं।

**<u>लघुतरात्मक प्रश्नः–</u>**

प्र0 1. विकास का क्या अर्थ हैं?
उत्तर– विकास का अर्थ गुणात्मक परिवर्तन है जो मूल्य सापेक्ष होता है । इसका अर्थ विकास जब तक नहीं हो सकता जब तक वर्तमान दशाओं में वृद्धि ना हों। विकास उस समय होता है जब सकारात्मक वृद्धि होती

है यथापि सकारात्मक वृद्धि से सदैव विकास नहीं होता  विकास उस समय होता है जब गुणवता में सकारात्मक परिवर्तन होता हैं।

प्र0 2. मानव विकास से संदर्भ में सतत पोषणीय से अभिप्राय है

उत्तर– सतत पोषणीय मानव विकास के लिए आवश्यक हैंकि प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिले। समस्त पर्यावरणीय वितीय एव ंमानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रख कर करना चाहिए।

प्र0 3. समता का आशय हैं?

उत्तर– समता का आशय है कि प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए समान पहुंच की व्यवस्था करना हैं। लोगों को उपलब्ध अवसर लिंग, प्रजाति, आय ओर भारत के संदर्भ में जाति के भेदभाव के विचार के बिना समान होने चाहिएं।

## अध्याय–5 : प्राथमिक व्यवसाय

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1+1 | 2 | 1 | 2 |
| योग | | 2 | | 2 |

प्र. 1 निम्न मे से कौनसा एक प्राथमिक व्यवसाय नही है–
(अ) आखेट (ब) भोजन संग्रह
(स) परिवहन (द) कृषि (स)

प्र. 2 एक्सिमो जनजाति द्वारा निम्न मे से कौनसा व्यवसाय किया जाता है–
(अ) आखेट (ब) खनन
(स) पशुपालन (द) कृषि (अ)

प्र. 3 स्थानांतरित कृषि को मैक्सिको में किस नाम से जाना जाता है–
(अ) मिल्पा (ब) झुमिंग
(स) लादांग (द) इनमे से काई नही (अ)

प्र. 4 अंगुर की कृषि किस कृषि की प्रमुख विशेषता है–
(अ) मिश्रित कृषि (ब) रोपण कृषि
(स) भूमध्य सागरिय कृषि (द) सामुहिक कषि (स)

प्र. 5 निम्न मे से एकल कृषि नही है–
(अ) डेरी कृषि (ब) निर्वान कृषि
(स) रोपण कृषि (द) मिश्रित कृषि (द)

प्र. 6 किस प्रकार की कृषि मे केवल सब्जी कि खेती की जाती है–
(अ) डेरी कृषि (ब) ट्रक कृषि
(स) रोपण कृषि (द) मिश्रित कृषि (ब)

प्र. 7 निम्न मे से कौनसी फसल रोपण कृषि के अन्तगत आती है–
(अ) चाय (ब) कॉफी
(स) केला (द) सभी (द)

प्र. 8 विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि की मुख्य फसल क्या है–
(अ) बाजरा (ब) चावल
(स) मक्का (द) गेह् (द)

प्र. 9 कॉफी के बागानों को फेंजेण्डा किस देश मे कहते है–
(अ) ब्राजील (ब) कनाडा
(स) भारत (द) चीन (अ)

प्र. 10 सहकारी कृषि को सबसे अधिक सफलता किस देश मे मिली –
(अ) ब्राजील (ब) डेनर्माक
(स) स्वीडन (द) नीदरलैण्ड (ब)

प्र. 11 सामुहिक कृषि का प्रारम्भ किस देश से हुआ–
(अ) ब्राजील (ब) डेनर्माक
(स) स्वीडन (द) सोवियत संघ (द)

प्र. 12 किस व्यवसाय मे मनुश्य प्रकृति प्रदत वस्तुओं का सीधा पयोग कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है?

उत्तर प्राथमिक व्यवसाय में।

प्र. 13 आर्थिक क्रियाएं किसे कहते है ?

उत्तर मानव के वो क्रिया कलाप जिनसे आय प्राप्त होती है आर्थिक क्रिया कहलाती हैं ।

प्र. 14 आदिम कालीन मानव अपने जीवन निर्वाह के लिए किस पर निर्भर था ?

उत्तर आखेट व भोजन संग्रह

प्र.15 सामूहिक कृषि को सोवियत सघ में किस नाम से जाना जाता है

उत्तर सामूहिक कृषि को सोवियत सघ में **कोलखहोज** नाम से जाना जाता है

प्र. 16 चलवासी पशुचारण से आप क्या समझत`है ?

उत्तर पशुओं के लिए पानी व चारागाह की उपलब्धता के आधार पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित होते रह कर पशुपालन करना चलवासी पशुचारण कहलाता है।

प्र. 17 ऋतुप्रवास किसे कहते हैं?

उत्तर नये चारागाहों की खोज मेपशुचारक समतल भागों एंव पर्वतीय क्षेत्र मेंलम्बी दुरिया तय करते हुए गर्मियों में मैदानी भागो से पर्वतीय चारागाहों की आर एव शीत ऋतु मे पर्वतीय भागों से मैदानी भागो की और प्रवास करते हैं। इसे ही ऋतुप्रवास कहते है।

प्र. 18 प्राथमिक व्यवसाय किसे कहते हैं? उदाहरण दो।

उत्तर जिन व्यवसायो मे मनुश्य प्रकृति प्रदत संसाधनो भूमि, जल, वनस्पति एवं खनिज प्रदार्थो आदि का सीधा उपयोग करके अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है, उन्हें प्राथमिक व्यवसाय कहतें है।

उदाहरण– 1 आखेट या शिकार 2 भोजन व वनोत्पाद एकत्रिकरण

3 लकडी काटना 4 मछली पकडना

5 पशुपालन 6 कृशि 7 खनन आदि

प्र.19 वर्तमान मे किन क्षेत्र में आखेट का उद्यम किया जाता है?

उत्तर (1) कनाड़ा के टून्ड्रा और टैगा प्रदेशों में एस्किमो जनजाति।

(2) उत्तरी साईबेरिया में सेमोयेड़, तुंग, याकुत, माइत, चकची आदि।

(3) कालाहारी मरूस्थल मेबुशमैन जनजाति।

(4) कांगो बेसिन में पिग्मी जनजाति।

(अ) मलाया में सेमाँग व सकाई जनजाति

प्र. 20 पशचारण व्यवसाय मुख्यतः किन क्षेत्रमें किया जाता है?

उत्तर पशचारण व्यवसाय मुख्यतः उन क्षेत्र मेकिया जाता है, जहां जलवायु उष्ण व शुष्क अथवा शीतोष्ण व शुष्क होती है।

प्र. 21 पशुचारण के मुख्य क्षेत्र कौन–कौन से है?

उत्तर (1) उष्णकटिबन्धीय घास के मैदान – $5^0$ से $30^0$ अक्षांशों के बीच फैले है।

(2) शीतोष्ण कटिबन्धीय घास के मैदान – $30^0$ से $45^0$ अक्षांशों के मध्य।

(3) मरूस्थलीय क्षेत्र – थार मरूस्थल, कालाहारी, अरब मरूस्थल।

(4) पर्वतीय क्षेत्र – विश्व के सभी पर्वतीय क्षेत्र।

प्र. 22 सुमेलित कीजिए–

| | |
|---|---|
| (1) ब्राजील | डाउन्स |
| (2) दक्षिण अफ्रिका | स्टेपीज |
| (3) सूडान | पार्कलैण्ड |
| (4) रूस | सवाना |
| (5) स.रा.अमेरिका | कम्पाज |
| (6) आस्ट्रेलिया | पम्पाज |

उत्तर (1) कम्पाज (2) पार्कलैण्ड (3) सवाना (4) स्टेपीज (5) पम्पाज (6) डाउन्स।

प्र. 23 **लाल कॉलर** श्रमिक कौन से होते हैं।

उत्तर प्राथमिक कार्यकलाप करने वाले लोग उनका कार्य क्षेत्र घर से बाहर होने के कारण लाल कॉलर श्रमिक कहलाते हैं।

प्र. 24 आखेट कौनसी जलवायु प्रदेश के निवासी करते है?

उत्तर आखेट अति शीत एवम् अति गर्म कठोर जलवायु प्रदेश के निवासी करते है।

प्र. 25 कृषि मुख्यतः कितने प्रकार की जाती है?

उत्तर (1) स्थानान्तरित कृषि (2) आदिम स्थायी कृषि (3) जीवन–निर्वाहन कृषि
(4) विस्तृत वाणिज्यिक अनाज कृषि (5)बागाती कृषि (6) मिश्रित कृषि
(7) दुग्ध कृषि (8) ट्रक कृषि (9) फलोद्यान कृषि।

प्र. 26 स्थानान्तरित कृषि किसे कहते है?

उत्तर स्थानान्तरित कृषि में आदिम जनजाति द्वारा वनों को जला कर भूमि को साफ कर उस पर कृषि की जाती है।

प्र. 27 जीवन निर्वाहन कृषि किसे कहते है?

उत्तर भोजन की आवश्यकताओं के साथ–साथ अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली कृषि को जीवन निर्वाहन कृषि कहते है।

प्र. 28 जीवन निर्वाहन कृषि के प्रकार?

उत्तर (1) चावल प्रधान निवाहन कृषि। (2) चावल रहित गहन निर्वाहन कृषि।

प्र. 29 बागाती कृषि की विशेषताए लिखिए।

उत्तर (1) इमसे भारी पूंजी निवेश, उच्च प्रबंध, तकनीकी आधार एव वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है।
(2) यह एक फसली नक कृषि है।

प्र. 30 ट्रक कृषि किसे कहते है?

उत्तर बाजार से कृषि क्षेत्र की दूरी इस बात पर निर्भर करती है कि ट्रक द्वारा रात भर चलने में कितनीदूरी तय होती है।इसलिए इस कृषि का नाम ट्रक कृषि रखा गया है।

प्र. 31 खनन का क्या अर्थ है?

उत्तर खनिजों को भूगर्भ से खोद कर बाहर निकालना खनन कहलाता है।

प्र. 32 खनन कार्य को प्रभावित करने वाले कारक लिखिये।

उत्तर **भौतिक कारक**–जिनमें खनिज निक्षेपों के आकार, श्रेणी एवं उपस्थिति की अवस्था को सम्मिलित करते है।

**आर्थिक कारक**– जिनमें खनिज की माँग, विद्यमान तकनीकी ज्ञान एवं उसका उपयोग, अवसंरचना के विकास के लिए उपलब्ध पूँजी एवं यातायात व श्रम पर होने वाला व्यय आता हैं।

प्र. 33 खनन कितने प्रकार का होता है?

उत्तर 1 धरातलीय 2 भूमिगत खनन अथवा कुपकी खनन

प्र. 34 बागाती कृषि की विशेषताए लिखिए।

उत्तर इसकी विशेषताए निम्न है–

(1) इसमे भारी पूँजी निवेश,उच्चप्रबंध एवं तकनीकी आधार एवं वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है।

(2) इसमे बहुत बड़ी संख्या में श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

प्र. 35 जीवन निर्वाह कृषि क्या है ?।

उत्तर यद्यपि कृषि की शुरूआत जीवन यापन के रूप में हुई थी। लेकिन यह कृषक के लिए रोजगार का प्रमुख साधन बन गई हैं।

प्र.36 वाणिज्य पशुचारण की विशेशताए बताइये?

उत्तर इसकी विशेषताए निम्नलिखित हैं–

(1) यह अधिक व्यवस्थित तथा पूँजी प्रधान व्यवसाय है।

(2) पशुओं के लिए बड़े–बड फार्म बनाये जाते हैं, जिन्हें **एरेंच**' कहतें हैं।

(3) पशु उत्पादों को वैज्ञानिक ढंग से संशोधित एवं डिब्बा बन्द कर विश्व बाजार में निर्यात कर दिया जाता है।

प्र. 37 स्थानान्तरित कृषि की विशेषताएं लिखिएं?

उत्तर स्थानान्तरित कृषि की विशेषताएँ हैं–

(1) इसमें बोय गये खेतों का आकार बहुत ही छोटा होता है।

(2) कृषि पुराने औजारों जैसे लकड़ी, कुदाली, फावड़े आदि से की जाती है।

(3) दो–तीन वर्षों में भूमि में उर्वरता समाप्त होने पर अन्यत्र नये सिरे से खेत तैयार कर खेती की जाती है।

प्र. 38 सहकारी कृषि किसे कहते है?

उत्तर जब कृषकों का एक समूह अपनी कृषि से अधिक लाभ कमाने क लिए स्वेच्छा से एक सहकारी संस्थबनाकर कृषि कार्य संपन्न करे उसे सहकारी कृषि कहते हैं।

प्र. 39 भूमध्यसागरिय कृषि की विशेषताएँ बताइये –

उत्तर भूमध्यसागरीय कृषि अति विशिष्ट प्रकार की कृषि है। खट्टे फलों की आपूर्ति करने में यह क्षेत्र महत्त्वपूर्ण है। अंगूर की कृषि भूमध्यसागरीय क्षेत्र की विशेषता है। इस क्षेत्र के कई देशों में अच्छे किस्म के अंगूरों से उच्च गुणवत्ता वाली मदिरा का उत्पादन किया जाता है। निम्न श्रेणी के अंगूरों को सुखाकर मुनक्का एवं किशमिश बनाई जाती है। अंजीर एवं जैतून भी यहाँ उत्पन्न होता है।

प्र. 40 मित्रित कृषि की विशेषताएँ बताइये कोई2?

उत्तर मित्रित कृषि की विशेषताए निम्नलिखित है–

(1) फसल उत्पादन एवं पशुपालन दोनों को इसमें समान महत्त्व दिया जाता है।

(2) इस कृषि में खेतों का आकार मध्यम होता है।

प्र. 41 चलवासी पशुचारण व व्यापारिक पशुचारण में अंतर लिखिये।

उत्तर

| | **चलवासी पशुचारण** | **व्यापारिक पशुचारण** |
|---|---|---|
| 1. | ये चारे व पानी की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते है। | इस प्रकार का पशुपालन एक निश्चित स्थान पर बाडों में किया जाता है। |
| 2. | पशु प्राकृतिक रूप से पाले जाते है और उनकी विशेष देखभाल नहीं जाती है। | पशुओं को वैज्ञानिक रीति से पाला जाता और उनकी विशेष देखभाल की जाती है। |
| 3. | चलवासी पशुपालन जीवन निर्वाह की एक आर्थिक क्रिया ही है। | यह व्यापार पर आधारित आर्थिक क्रिया है। |
| 4. | यह पुरानी दुनिया तक सीमित है। | यह मुख्यतः नई दुनिया के देशों में प्रचलित है। |

# अध्याय–6 : द्वितीयक क्रियाएँ

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| | 1 | 1 | 4 | 4 |
| योग | | 1 | | 4 |

**लघुत्तरात्मक प्रश्न**

प्र. 1 छोटे पैमाने के उद्योगों की तीन विशेषताओं बताइये।

उत्तर 1. इनमें कुटीर उद्योग से भिन्न निर्माण स्थल घर से बाहर होता हें

2. इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता हें

3. रोजगार के अवसर अधिक प्राप्त होते हैं।

प्र. 2 उत्पाद आधारित उद्योग किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट करें?

उत्तर कुछ उद्योगों के उत्पाद अन्य उद्योगों के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होते हैं जैसे– रोटी (ब्रेड) एवं बिस्कुट, चाय, साबुन, कागज उद्योग आदि। लकड़ी की लुगदी बनाने का उद्योग कागज उद्योग के लिए कच्चा माल प्रदान करता है।

प्र. 3 स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को वर्गीकृत कीजिए।

उत्तर स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को तीन भागों में वर्गीकृत किया जाता है–

**1.** सार्वजनिक क्षेत्र – वे उद्योग जो सरकार के अधीन हो।
**2.** निजो क्षेत्र – वे उद्योग जिनका स्वामित्व व्यक्तिगत निवेशकों के पास होता है।
**3.** संयुक्त क्षेत्र – वे उद्योग जिनको निजी व सरकारी क्षेत्र मिलकर चलाते हैं।

प्र. 4 विश्व के कुछ क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के बावजूद औद्योगिक विकास नहीं हुआ है? कारण बताइए।

उत्तर विश्व के कुछ क्षेत्र जैसे अफ्रीका में प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है परन्तु औद्योगिक प्रगति आशा के अनुरूप नहीं हो पायी है। इसका कारण इन क्षेत्र में आधारभूत अवसंरचनाओं में कमी, राजनैतिक अस्थिरता, आवश्यक तकनीक का अभाव एवं आर्थिक कमजोरी हैं।

प्र. 5 परम्परागत रूप से चल आ रहे बड़े पैमाने वाले औद्योगिक प्रदेशों की किन्हीं तीन विशेषताओं को लिखिए।

उत्तर 1. औद्योगिक इकाई के आसपास का वातावरण आकर्षक नहीं होता है।

2. स्वच्छता एवं सफाई की विशेष व्यवस्था नहीं की जातो।

3. प्रदूषण की समस्या बनी रहती है।

प्र. 6 निम्नलिखित उद्योगा एवं उनके वर्गीकरण का मिलान कीजिए–

| | **उद्योग** | | **वर्गीकरण** |
|---|---|---|---|
| **1.** | माचिस | अ. | रसायन उद्योग |
| **2.** | शक्कर | ब. | पशु आधारित |
| **3.** | सीमेन्ट | स. | खनिज आधारित |
| **4.** | प्लास्टिक | द. | कृषि आधारित |
| **5.** | उनी वस्त्र | य. | वन उद्योग |

प्र. 7 कुटीर एवं लधु उधोगो में अन्तर कीजिए अथवा कुटीर उधोगो की तुलना लधु उधोगो से कीजिए।

| | **कुटीर उधोग** | **लधु उधोग** |
|---|---|---|
| 1. | कुटीर उद्योगो में एक दस्तकार अपने परिवार के सहयोग से अपनी दक्षता के आधार पर घर में ही वस्तुओं का निर्माण करता हे। | लधु उद्योगो में एक दस्तकार छोटी छोटी मशीनों की सहायता से उत्पादन करता हे। |

| | | |
|---|---|---|
| 2 | ये उद्योग स्थानीय मांग को पूरा करते हे। | इस उद्योग में निर्मित उत्पादन बाजार में व्यापारियों के द्वारा बेचे जाते है<br>इन उधोगो में बाहर से कच्चा माल मंगवाकर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता हे। |
| 3 | इन उद्योगोमें स्थानीय कच्चे माल का प्रयोग करके छोटे स्तर पर उत्पादन किया जाता है।ग्रामीण क्षेत्र में रस्सी बनाना सूत का तना चटाई बनाना आदि कुटीर उधोग है। | विकासशील देशों में खिलौने व बर्तन बनाना चमडे का समाना बनाना आदि लधु उधोग है। |

प्र. 8 द्वितीयक व्यवसायों को निर्धारित करने वाले कारकों के नाम बताइये।

उत्तर – द्वितीयक व्यवसायों को निर्धारित करने में प्राकृतिक संसाधनों तथा सांस्कृतिक संसाधनो दोनो का प्रभाव होता है इनको निर्धारित करने वाले प्रमुख कारण है–

1. कच्चा माल
2. शक्ति के संसाधन
3. परिवहन व संचार की सुविधाएं
4. पूंजी
5. बाजार
6. सरकारी नीतियां
7. श्रम तथाप्रधोगिकीय नवाचार।

प्र. 9 द्वितीयक व्यवसायों से संसाधनों की मूल्य वृद्धि किस प्रकार होती है।? स्पश्ट करें।

उत्तर द्वितीयक व्यवसायों के अन्तर्गत प्रकृति द्वारा प्रदान किए गए संसाधनों का प्रत्यक्षः उपयोग नही करके उनको उपयोग करने के योग्य बनाया जाता है। इस इस प्रकार के कार्य से उन्हे मूल्य में वृद्धिहो जाती है, जैसे–लोहा गला कर इस्पात या अन्य मशीनरी सामग्री का निर्माण कपास और ऊन से कपड़े का निर्माण लकड़ी द्वारा फर्निचर कागज बनाना आदि।

प्र. 10 द्वितीयक व्यवसाय क्या है।? इसके कोई दो उदाहरण बताइये।

उत्तर उन सभी क्रियाओं को द्वितीयक व्यवसाय कहते है जिनके अन्तर्गत प्राकृतिक संसाधनों को परिश्कृत करना, उनका रूप बदलना तथा जीवन यापन के लिए अधिक उपयोगी बनाने सम्बन्धी क्रियाएं सम्पन्न होती है द्वितीयक व्यवसाय के दो उदाहरण

1. प्रसंस्करण उधोग
2. विनिर्माण उधोग।

प्र. 11 द्वितीयक व्यवसायो को कितने सूहो में बाटा जा सकता है। नाम लिचिाए।

उत्तर द्वितीयक व्यवसायों को दस समूहो में बाँटा जा सकता है।

1. इंजिनियरिंग उधोग
2. निर्माण उधोग
3. इलेक्ट्रिक उधोग
4. रासायनिक उधाोग
5. शक्ति उधोग
6. वस्त उधोग
7. भोजन व पेय पदार्थ उधोग
8. धातुकर्म उधोग
9. प्लास्टिक उधोग
10. परिवहन व संचार उधोग

प्र. 12 विनिर्माण से आप क्या समझते है?

उत्तर– विनिर्माण से आशय किसी भी वस्तु का उत्पादन है। हस्तशिल्प कार्य से लेकर लोहे व इस्पात को गढ़ना, प्लास्टिक के खिलौने बनाना, कंप्यूटर के अति सूक्ष्म घटकों को जोड़ना एवं अंतरिक्ष यान निर्माण इत्यादि सभी पकार के उत्पादन को निर्माण के अंतर्गत ही माना जाता है। विनिर्माण की सभी प्रक्रियाओं में कुछसामान्य विशेषताएँ होती हैं, जैसे शक्ति का उपयोग, एक ही पक्रार की वस्तओुं का विशाल उत्पादन एव कारखानो में विशिष्ट श्रमिक जो मानक वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। विनिर्माण आधुनिक शक्ति के साधन एवं मशीनरी के द्वारा या पुराने साधनों द्वारा किया जाता है। तृतीय विश्व के अधिकांश देशों में विनिर्माण को अब भी शाब्दिक अर्थो में प्रयोग किया जाता है। इन देशों में सभी विनिर्माताओं का संपूर्ण रूप से चित्रण करना कठिन है।इनमें औद्योगिक क्रियाओं के उन प्रकारों पर अधिक बल दिया जाता है जिसमें उत्पादन के कम जटिल तंत्र को लिया जाता है।

प्र. 13 . उद्योगों का निर्माण एवं विनिर्माण क्या है ?

उत्तर– विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है 'हाथ से बनाना' फिर भी इसमें यंत्रों द्वारा बनाया गया सामान भी सम्मिलित किया जाता है। यह एक परमावश्यक प्रक्रिया है। जिसमे कच्च माल को स्थानीय या दूरस्थ बाजार में बेचने के लिए उँफचे मूल्य वेफ तैयार माल में परिवर्तित कर दिया जाता है। वैचारिक दृष्टिकोण से उद्योग एक निर्माण इकाई होती है जिसकी भौगोलिक स्थिति अलग होती है एवं प्रबंध्तंत्र के अंतर्गत

लेखा–बही एवं रिकार्ड का रखरखाव रखा जाता है। उद्योग एक व्यापक नाम है और इसे विनिर्माण वेफ पर्यायवाची के रूप में भी देखा जाता है। जब कोई इस्पात उद्योग और रसायन उद्योग शब्दावली का प्रयोग करता है तब उसके मस्तिष्क में कारखाने एवं कारखानों में होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं का विचार उत्पन्न होता है। लेकिन कई गाणै क्रियाएँ हैं जो कारखानो में संपन्न नहीं होती जैसे कि पर्यटन उद्योग या मनोरंजन उद्योगइत्यादि। अतः स्पष्टता के लिए 'विनिर्माण उद्योग'शब्दावली का प्रयोग किया जाता है।

प्र. 14 आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताए कौन कौन सी है वर्णन किजिए ?

उत्तर– वर्तमान समय में बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की निम्नलिखित विशेषताएँ हैंः

**कौशल का विशिष्टीकरण/उत्पादन की विधिया** शिल्प तरीके से कारखाने में थोड़ा ही सामान उत्पादित कियाजाता है। जो कि आदेशानुसार बनाया जाता है, अतः इसकी लागत अधिक आती है। जबकि अधिक उत्पादन का संबंध बड़ेपमैाने पर बनाए जान वाले सामान से है जिसमे पत्यक कारीगरनिरंतर एक ही प्रकार का कार्य करता है।

**यंत्रोकरण**

यंत्रीकरण से तात्पर्य है किसी कार्य को पूर्ण करने के मशीनों का प्रयोग करना। स्वचालित ;निर्माण प्रक्रिया के दौरान मानव की सोच को सम्मिलित किए बिना कार्यद्ध यंत्रीकरण की विकसित अवस्था है। पुनर्निवेशन एवं संवृत्त–पाश कंप्यूटर नियंत्राण प्रणाली से युक्त स्वचालित कारखाने जिनमें, मशीनों को 'सोचने' के लिए विकसित किया गया है, पूरे विश्व में नजर आने लगी है।

प्रौद्योगिकीय नवाचार प्रौद्योगिक नवाचार, शोध एवं विकासमान युक्तियों के द्वाराविनिर्माण की गुणवत्ता को नियंत्रित करने, अपशिष्टों केनिस्तारण एवं अदक्षता को समाप्त करने तथा प्रदूषण के विरु(संघर्ष करने का महत्त्वपूर्ण पहलू है।

**एक जटिल प्रोद्यौगिकी यंत्र**

आधनिक निर्माण की विशेषताएँ हैं :

1 अत्यधिक विशिष्टीकरण एवं श्रम विभाजन के द्वारा

2 कम प्रयास एवं अल्प लागत से अध्कि माल का उत्पादन करना

3 अधिक पूँजी

4 बड़े संगठन एवं

5 प्रशासकीय अधिकारी–वर्ग

अनियमित भौगोलिक वितरण आधुनिक निर्माण के मुख्य संकेद्रण कुछ ही स्थानों में सीमित हैं। विश्व के कुल स्थलीय भाग के 10 प्रतिशत से कम भू–भाग पर इनका विस्तार है। यह देश आर्थिक एवं राजनीतिक शक्ति के केन्द्र बन गए हैं। कुल क्षेत्र को आच्छादित करने की दृष्टि से विनिर्माण स्थल, प्रक्रियाओं की अत्यधिक गहनता के कारण बहुत कम स्पष्ट हैं तथा कषि की अपेक्षा बहुत छोटे क्षेत्र में संकेद्रित हैं। उदाहरण के तौर पर अमेरिका के मक्का की पेटी के 2.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में साधरणतया चार बड़े फार्म होते हैं जिनमें, 10–20 श्रमिक कार्य करते हैं जिनसे 50–100 मनुष्यों का भरण–पोषण होता है। परंतु इतने ही क्षेत्र में अनेकों वृहद् समाकलित कारखानों को समाविष्ट किया जा सकता है और हजारों श्रमिकों का रोजागार दिया जा सकता है।

प्र. 15 उद्योगो की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन किजिए?

उत्तर– उद्योग अपनी लागत घटाकर लाभ को बढ़ाते हैं इसलिए उद्योगों की स्थापना उस स्थान पर की जानी चाहिए जहाँ पर उत्पादन लागत कम आए। उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक निम्न हैं।

**बाजार तक अभिगम्यता** – उद्योगों की स्थापना में सबसे प्रमुख कारक उसके द्वारा उत्पादित माल के लिए उपलब्ध बाजार का होना है। बाजार से तात्पर्य उस क्षेत्र में तैयार वस्तुओं की माँग एवं वहाँ के निवासियों में खरीदने की क्षमता क्रय शक्ति है। दूरस्थ क्षेत्र जहाँ कम जनसंख्या निवास करती है छोटे बाजारों से युक्त होते हैं। यूरोप,उत्तरी अमेरिका, जापान एवं आस्ट्रेलिया के क्षेत्र वृहद् वैश्विक बाजार हैं, क्योंकि इन प्रदेशों के लोगों की क्रय क्षमता अधिकहै। दक्षिणी एवं दक्षिणी पूर्वी एशिया के घने बसे प्रदेश भी वृहद् बाजार उपलब्ध कराते हैं। कुछ उद्योगों का व्यापक बाजार होता है, जैसेः वायुयान निर्माण एवं शस्त्र निर्माण उद्योग।

**कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता** – उद्योग के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एवं सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए। भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं वजन घटने वाले पदार्थों (अयस्क) पर आधरित उद्योग कच्चे माल के स्त्रात स्थल के समीप ही स्थित हैं, जैसे इस्पात, चीनी एवं सीमेंट उद्योग। कच्चे माल के स्त्रोतों के समीप स्थापित उद्योगों के लिए पदार्थ की शीघ्र नष्ट शीलता एक अनिवार्य

कारक है। कृषि प्रसंस्करण एवं डेरी उत्पाद क्रमशः कृषि उत्पादन कुछ अथवा दुग्ध आपूर्ति श्रोतों के समीप ही संसाधित किए जाते हैं।

**श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता** – उद्योगों की अवस्थिति में श्रम एक प्रमुख कारक है। बढ़ते हुए यंत्रोकरण, स्वचलन एवं औद्योगिक प्रक्रिया के लचीलेपन नेउद्योगों में श्रमिको पर निभर्रता को कम किया है, फिर भी कुछ प्रकार के उद्योगों में अब भी कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

**शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता** – वे उद्योग जिनमें अधिक शक्ति की आवश्कता होती है वे ऊर्जा के श्रोतों के समीप लगाए जाते हैं, जैसे एल्यूमिनियम उद्योग। प्राचीन समय में कोयला प्रमुख शक्ति का साधन था परआजकल जल विद्युत एवं खनिज तेल भी कई उद्योगों के शक्ति का महत्त्वपूर्ण साध्न है।

**परिवहन एवं संचार की सुविधओं तक अभिगम्यता** – कच्चे माल को कारखाने तक लाने के लिए और परिष्कृत सामग्री को बाजार तक पहुँचने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन सुविधाएँ आद्योगिक विकास के लिए अत्यावश्यक हैं। परिवहन लागत किसी औद्योगिक इकाई की अवस्थिति को निश्चित करने में महत्त्वपूर्ण कारक हैं। पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भागों में अत्यधिक परिवहन तंत्र विकसित होने के कारण सदैव इन क्षेत्र में उद्योगों का संवेंफद्रण हुआ है। आधनिक उद्योग अपृथक्करणीय ढंग से परिवहन तंत्र से जुड़े हैं। परिवहनीयता में सुधार समाकलित आर्थिक विकास और विनिर्माण की प्रादेशिक विशिष्टता को बढ़ाता है। उद्योगों हेतु सूचनाओं के आदान–प्रदान एवं प्रबंधन के लिए संचार की भी महत्त्वपूर्ण आवश्यकता होती है।

**सरकारी नीति** – संतुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार प्रादेशिक नीति अपनाती है जिसके अंतर्गत विशिष्ट क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना कीजाती है।

**समूहन अर्थव्यवस्था तक अभिगम्यता/उद्योगों के मध्य संबंध** – प्रधान उद्योग की समीपता से अन्य अनेक उद्योग लाभान्वित होते हैं। ये लाभ समूहन अर्थव्यवस्था के रूप में परिणत हो जाते हैं। विभिन्न उद्योगों के मध्य अध्याय जाने वाली शृंखला से बचत की प्राप्ति होती है। उपरोक्त सभी कारण सम्मिलित रूप से किसी उद्योग की अवस्थिति का निर्धरण करते है।

प्र. 15 स्वच्छंद उद्योग से आप क्या समझते है ?

**उत्तर–** स्वच्छंद उद्योग व्यापक विविधता वाले स्थानों में स्थित होते हैं। यह किसी विशिष्ट कच्चे मालजिनके भार में कमी हो रही है अथवा नहीं, पर निर्भर नहीं रहते हैं। यह उद्योग संघटक पुरजों पर निर्भर रहते हैं जो कहीं से भी प्राप्त किए जासकते हैं। इसमें उत्पादन कम मात्राा में होता है, एवं श्रमिका की भी कम आवश्यकता होती है। सामान्यतः ये उद्योग प्रदूषण नहीं फलाते।
इनकी स्थापना में महत्त्वपूर्ण कारक सड़कों के जाल द्वारा अभिगम्यता होती है।

प्र. 16 विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण किजिए ?

**उत्तर–** विनिर्माण उद्योगों का वर्गीकरण उनके आकार, कच्चा माल, उत्पाद एवं स्वामित्व के आधार पर किया जाता है

**आकार पर आधारित उद्योग** – किसी उद्योग का आकार उसमें निवेशित पूँजी, कार्यरत श्रमिकों की संख्या एवं उत्पादन की मात्राा पर निर्भर करता है। इसके अनुसार उद्योगों को घरेलू अथवा कुटीर, छोटे व बड़े पैमाने के उद्योगों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

**कुटीर उद्योग** – यह निर्माण की सबसे छोटी इकाई है। इसमें शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं एवं साधरण औजारों द्वारा परिवार के सभी सदस्य मिलकर अपने दैनिक जीवन के उपभोग की वस्तुओं का उत्पादन करते हैं। तैयार माल का या तो वे स्वयं उपभोग करते है या इसे स्थानीय गाँव के बाजार में विक्रय कर देते हैं। कभी ये अपने उत्पादों की अदला–बदली भी करते हैं। पूँजो एवं परिवहन इन उद्योगों को अधिक प्रभावित नहीं करते हैं क्योंकि इनके द्वारा निर्मित वस्तुओं का व्यापारिक महत्त्व कम होता है एवं अधिकतर उपकरण स्थानीय लोगों द्वारा निर्मित होते हैं। इस उद्योग में दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुओं जैसे खाद्य पदार्थ, कपड़ा, चटाइयाँ, बर्तन, औशार, फर्नीचर, जूते एवं लघु मूर्तियाँ उत्पादित की जाती हं इसक अतिरिक्त पत्थर एव मिट्टी के बर्तन एवं ईंट, चमड़े से कई प्रकार का सामान बनाया जाता है। सुनार सोना, चाँदी एवं ताँबे से आभूषण बनाता है। कुछ शिल्प की वस्तुएँ बाँस एवं स्थानोय वन से प्राप्त लकड़ी से बनाई जाती ह।

**छोटे पैमाने के उद्योग** – यह कुटीर उद्यागों स भिन्न ह इसके उत्पादन की तकनीक एवं निर्माण स्थल ;घर से बाहर कारखाना दोनों कुटीर उद्योग से भिन्न होते हैं। इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपयोग होता है एवं अर्द्धकुशल श्रमिक व शक्ति के साध्नों से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। रोजगार के अवसर इस उद्योग में अधिक होते हैं जिससे स्थानीय निवासियों की क्रय शक्ति बढ़ती है।

भारत, चीन, इंडोनेशिया एवं ब्राजील जैसे देशों ने अपनी जनसंख्या को रोशगार उपलब्ध करवाने के लिए इस प्रकार के श्रम–सघन छोटे पैमाने के उद्योग प्रारंभ किए हैं।

**बड़े पैमाने के उद्योग** – बड़े पैमाने के उद्योग के लिए विशाल बाजार, विभिन्न प्रकार का कच्चा माल, शक्ति के साधन, कुशल श्रमिक, विकसित प्रौद्योगिकी, अधिक उत्पादन एवं अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है। पिछले 200 वर्षों में इसका विकास हुआ है। पहले यह उद्योग ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी भाग एवं यूरोप में लगाए गए थे परंतु वर्तमान में इसका विस्तार विश्व के सभ भागों में हो गया है।

**कच्चे माल पर आधारित उद्योग** – कच्चे माल पर आधरित उद्योगों का वर्गीकरण पाँच शीर्षकों के अंतर्गत किया जाता है।

1 कषि आधारित 2 खनिज आधारित 3 रसायन आधारित

4 वन आधारित 5 पशु आधारित

**कषि आधारित** – खेतों से प्राप्त कच्चे माल को विभिन्न प्रक्रियाओं द्वारा तैयार माल में बदलकर विक्रय हेतु ग्रामीण एवं नगरीय बाजारों में भेजा जाता है। प्रमुख कृषि आधारित उद्योग में भोजन तैयार करने वाले उद्योग, शक्कर, अचार, फलों के रस, पेय पदार्थ ;चाय कॉफी, कोको मसाले, तेल एवं वस्त्र, सूती, रेशमी, जूट तथा रबड़ उद्योग आते हैं।

**भोजन प्रसंस्करण** – कृषि से तैयार खाद्य में मलाई का उत्पादन, डिब्बा खाद्य, फलों से खाद्य तैयार करना एवं मिठाइयाँ सम्मिलित की जाती हैं। खाद्यको सुरक्षित रखने की कई विधियाँ प्राचीन काल से चली आ रही है। जैसे उनको सुखाकर, संधन कर या अचार के रूप में तेल या सिरका आदि डालकर। पर इन विधियों का औद्योगिक क्रांति के पूर्व सीमित उपयोग ही होता था।

**खनिज आधरित उद्योग** – इन उद्यागों म खनिजों का कच्चे माल के रूप मं उपयागे किया जाता है। कुछ उद्योग लौह अंश वाले धत्विक खनिजों का उपयोग करते हैं जैस कि लौह इस्पात उद्योग जबकि कुछ उद्योग अलौह धत्विक खनिजों का उपयोग करते हैं जैसे एल्युमिनियम, ताँबा एवं जवाहरात उद्योग। सीमेंट, मिट्टी के बर्तन आदि उद्योगों में अधात्विक खनिजों का प्रयोग होता है।

**रसायन आधारित उद्योग** – इस प्रकार के उद्योगों में प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाले रासायनिक खनिजों का उपयोग होता है जैसे पेट्रो रसायन उद्योग में खनिज तेल का उपयोग होता है। नमक, गंधक एवं पोटाश उद्योगों में भी प्राकृतिक खनिजों को काम में लेते हैं। कुछ रसायनिक उद्योग लकड़ी एवं कोयले से प्राप्त कच्चे माल पर भी निर्भर हैं। रसायन उद्योग के अन्य उदाहरण कृत्रिम रेशे बनाना, प्लास्टिक निर्माण इत्यादि है।

**वनों पर आधरित उद्योग** – वनों से प्राप्त कई मुख्य एवं गौण उपज कच्चे माल के रूप में उद्योगों में प्रयुक्त होती है। फर्नीचर उद्योग के लिए इमारती लकड़ी, कागश उद्योग के लिए लकड़ी, बाँस एवं घास तथा लाख उद्योग के लिए लाख वनों से ही प्राप्त होती है।

**पशु आधरित उद्योग** – चमड़ा एवं ऊन पशुओं से प्राप्त प्रमुख कच्चा माल है। चमड़ा उद्योग के लिए चमड़ा एवं ऊनी वस्त्रा उद्योग के लिए ऊन पशुओं से ही प्राप्त की जाती है। हाथी दाँत उद्योग के लिए दाँत भी हाथी से मिलता ह।

**उत्पादन/उत्पाद आधरित उद्योग** – आपने कुछ मशीनें एवं औजार देखे होंगे जिनके निर्माण में लौह–इस्पात का प्रयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है।

लौह–इस्पात स्वयं में एक उद्योग है। वे उद्योग जिनके उत्पाद को अन्य वस्तुएँ बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में प्रयोग में लाया जाता है उन्हें आधरभूत उद्योग कहते हैं। क्या आप इस कड़ी को पहचान सकते हैं? लौह–इस्पात वस्त्र उद्योग के लिए मशीनें उपभोक्ता के उपयोग हेतु कपड़ा।उपभोक्ता वस्तु उद्योग के ऐसे सामान का उत्पादन करते हैं जो प्रत्यक्ष रूप में उपभोक्ता द्वारा उपभोग कर लिया जाता है। उदाहरण के तौर पर रोटी ब्रेड एवं बिस्कुट, चाय, साबुन, लिखने के लिए कागज, टेलीविजन एवं श्रृंगार सामान इत्यादि का उत्पादन करने वाले उद्योगों को उपभोक्ता माल बनाने वाले अथवा गैर आधरभूत उद्योग कहा जाता है।

**स्वामित्वके आधार पर उद्योग** –

1 सार्वजनिक क्षेत्रके उद्योग सरकारके अधोन होते हैं। भारत में बहुत से उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के अधोन है। समाजवादी देशों में भी अनेक उद्योग सरकारी स्वामित्ववाले होते हैं। मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक दोनों प्रकार के उद्यम पाए जाते हैं।

2 निजी क्षेत्रके उद्योगों का स्वामित्व व्यक्तिगत निवेशकों के पास होता है। ये निजी संगठनों द्वारा संचालित होते हैं।पूँजीवादी देशों में अधि्कतर उद्योग निजी क्षेत्र में है।

3 संयुक्त क्षेत्र के उद्योग का संचालन संयुक्त कंपनी केद्वारा या किसी निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी केसंयुक्त प्रयासों द्वारा किया जाता है।

प्र. 17 जर्मनी का रूहर कोयला क्षेत्र टिप्पणी लिखिये

उत्तर– यह लंबे समय से यूरोप का प्रमुख औद्योगिक पदेश रहा है। कोयला, लोहा एवं इस्पात यहाँ अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार रहा है पर कोयले की माँग में कमी आने के कारण उद्योग संकुचित होने लगा। यहाँ लौह अयस्क समाप्त होने पर भी जलमार्ग से आयातित अयस्क का प्रयोग करके उद्योग कार्यशील रहा है। जर्मनी के इस्पात उत्पादन का 80 प्रतिशत रूहर से प्राप्त होता है। औद्योगिक ढाँचे में परिवर्तन के कारण कुछ क्षेत्र के उत्पादन में गिरावट आई है एवं प्रदूषण व औद्योगिक अपशिष्ट की समस्या भी होने लगी है। अब रूहर के भविष्य की संपन्नता कोयले व इस्पात के बजाय नए उद्योग जैसे ओपेल कार बनाने का विशाल कारखाना, नए रासायनिक संयंत्र, विश्वविद्यालय इत्यादि पर आधारित है। यहाँ खरीददारी के बड़े–बड़े बाजार बन गए हैं जिससे एक **'नया रूहर'** भू–दृश्य विकसित हो रहा है।

प्र. 18 लौह इस्पात उद्योग पर टिप्पणी लिखिए?

उत्तर– लौह–इस्पात उद्योग सभी उद्योगों का आधर है इसलिए इसे आधारभूत उद्योग भी कहा जाता है। यह आधारभूत इसलिए है क्योंकि यह अन्य उद्योगों जैसे कि मशीन और औजार जो आगे उत्पादों के लिए प्रयोग किए जाते हैं को कच्चा माल प्रदान करता ह। इसे भारी उद्याग भी कहत हं क्यांकि इसमें बडी मात्रा में भारी–भरकम कच्चा माल उपयोग में लाया जाता है एवं इसके उत्पाद भी भारी होते हैं। लोहा निकालने के लिए लौह–अयस्क को झोंका भट्टियों में कार्बन ;कोक एवं चूना पत्थर के साथ प्रगलन किया जाता है। पिघला हुआ लौह बाहर निकलकर जब ठंडा हो जाता है तो उसे कच्चा लोहा कहते हैं। इसी कच्चे लोहे में मैंगनीज मिलाकर इस्पात बनाया जाता है। परंपरागत रूप से बड़े इस्पात उद्योग की स्थिति कच्चे माल के श्रोत क समीप ही रही है जहाँ लौह–अयस्क, कोयला, मैंगनीज एवं चूना–पत्थर आसानी से उपलब्ध हो जाता हो या यह ऐसे स्थान पर भी अवस्थित हो सकता है जहाँ कच्चा माल आसानी से पहुँचाया जा सकें जैसे पत्तन के समीप। परंतु छोटे इस्पात कारखाने जिनका निर्माण और प्रचालन कम महँगा है की अवस्थिति के लिए कच्चेमाल की अपेक्षा बाजार का समीप होना अध्कि महत्त्वपूर्ण होता है क्योंकि कच्चे माल के रूप में रद्दी धातू बाजार से उपलब्ध् हो जाती है। परंपरागत रूप से अध्कितर इस्पात का उत्पादन विशाल संघटित संयंत्राों द्वारा ही किया जाता था पर अब छोटे इस्पात संयंत्र जिनमें केवल एक प्रक्रिया–इस्पात निर्माण होता है, अधिक लगने लगे हैं।

**वितरण** : यह एक जटिल उद्याग हैं जिसम अधिक पुँजो की आवश्यकता होती है तथा उत्तरी अमेरिका, यूरोप एवं एशिया के विकसित देशों में इसका केंद्रीकरण है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लौह–इस्पात का उत्पादन करने वाले प्रमुख क्षेत्र, उत्तर अप्लेशियन प्रदश (पिट्सबर्ग) महान झील क्षेत्र शिकागो–गैरी, इरी, क्लीवलैंड, लोरेन, बफैलो तथा एटलांटिक तट ;स्पैरोज पाइंट एवं मोरिसविले हैं। इनके अतिरिक्त इस उद्योग का विस्तार दक्षिणी राज्य अलाबामा में भी हुआ है। पीट्सबर्ग क्षेत्र का महत्त्व अब घट रहा है एवं इस क्षेत्रको 'जंग का कटोरा' के नाम से पुकारा जाता है। यूरोप में ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी, बेल्जियम, लक्शेमबर्ग, नीदरलैंड एवं सोवियत रूस इसके मुख्य उत्पादक हैं। गट ब्रिटेन में बरमिंघम एवं शैपफील्ड, जर्मनी में, लुइसबर्ग, डोरटमुंड, डूसूलडोरफ एवं ऐसेन, प्रफांस में ली क्रीयुसोट एवं सेंट इटीनी, सोवियत रूस में मास्को, सेंट पीट्रसबर्ग, लीपेटस्क एवं तुला, युव्रेफन में क्रिबोइ, रॉग एवं दोनेत्सक प्रमुख इस्पात वेंफद्र हैं। एशिया महाद्वीप में जापान में नागासाकी एवं टोक्यो, योकोहामा, चीन में शंघाई, तियनस्तिन एवं वूहान एवं भारत म जमशेदपुर, कुल्टी–बुरहानपुर, दुर्गापुर, राउरकेला, भिलाई, बोकारो, सलेम, विशाखापटनम एवं भद्रावती प्रमुख केद्र हैं।

प्र. 19 सूती कपड़ा उद्योग पर टीप्पणी लिखिये।

उत्तर– इस उद्यागे में सतूी कपड का निमार्ण हथकरघा, बिजली करघा एवं कारखानों में किया जाता है। हथकरघा क्षेत्र में अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है एवं यह अर्द्धकुशल श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है। पूँजी की आवश्यकता भी इसमें कम होती है। स्वतंत्रता के आंदोलन में महात्मा गांधो ने खादी के उपयोग पर क्यों बल दिया था? इसके अंतर्गत सूत की कताई, बुनाई आदि का कार्य किया जाता है। बिजली करघों सेकपड़ा बनाने में यंत्रों का प्रयोग किया जाता है अतः इसमें श्रमिकों की कम आवश्कता पड़ती है एवं उत्पादन भी अधिक होता है। कारखानों में कपड़ा बनाने के लिए अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है परंतु इसमें अच्छे प्रकार के कपड़े का बहुत अधिक मात्रा में उत्पादन किया जाता है। सूती वस्त्र निर्माण के लिए कच्चे माल के रूप में अच्छी कपास का उत्पादन भारत, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान में किया जाता है। ग्रेट ब्रिटेन, उत्तरी पश्चिमी यूरोप के देश एवं जापान भी आयातित धागे से सूती कपड़े का उत्पादन करते हैं। अकेला यूरोप विश्व का लगभग आधा कपास आयात करता है। वर्तमान में इस उद्योग को कृत्रिम रेशे से प्रतिस्पर्द्धा करनी पड़ रही है। जिसकेकारण

अनेक देशों में इसमें नकारात्मक प्रवृति देखी जा रही है।वैज्ञानिक प्रगति एवं तकनीकी सुधारों से उद्योगों की संरचना में परिवर्तन होता है। उदाहरण के तौर पर द्वितीय विश्व युद्ध से लकर सत्तर क दशक तक जर्मनी ने इस उद्यागे में काफी पगति की पर अब इसके उत्पादन में कमी आ रही है। यह उद्योग उन कम विकसित देशों में स्थानांतरित हो गया है जहाँ श्रम लागत कम है।

प्र. 20 उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की संकल्पना को समझाइए ?

उत्तर– निर्माण क्रियाओं में उच्च प्रौद्योगिकी नवीनतम पीढ़ी है। इसमें उन्नत वैज्ञानिक एवं इंजीनियरिंग उत्पादकों का निर्माण गहन शोध एवं विकास के प्रयोग द्वारा किया जाता है। संपूर्ण श्रमिक शक्ति का अधिकतर भाग व्यावसायिक सफेद कॉलर श्रमिकों का होता है। ये उच्च, दक्ष एवं विशिष्ट व्यावसायिक श्रमिक वास्तविक उत्पादन नीला कॉलर श्रमिकों से संख्या में अधिक होते हैं। उच्च प्रौद्योगिको उद्योग में यंत्र मानव, कंप्यूटर आधारित डिजाइन तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन के इलेक्ट्रोनिक नियंत्रण एवं नए रासायनिक व औषधीय उत्पाद प्रमुख स्थान रखते हैं।

इस भूदृश्य में विशाल भवनों, कारखानों एवं भंडार क्षेत्र के स्थान पर आधुनिक, नीच साफ–सुथरे, बिखरे कायार्लय एवं प्रयोगशालाएँ देखने को मिलती हैं। इस समय जो भी प्रादेशिक व स्थानीय विकास की योजनाएँ बन रही हैं उनमें नियोजित व्यवसाय पार्क का निर्माण किया जा रहा है। वे उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग जो प्रादेशिक संवेंफद्रित हैं, आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते हैं उन्हें प्रौद्योगिक धव़ कहा जाता है। सेन फासिस्को के समीप सिलीकन घाटी एवं सियटल के समीप सिलीकन वन प्रौद्योगिक ध्रुव के अच्छे उदाहरण हैं। क्या भारत में कुछ प्रौद्योगिकी ध्रुव विकसित हो रहे हैं? विश्व अर्थव्यवस्था में निर्माण उद्योग का बड़ा योगदान है। लौह–इस्पात, वस्त्र, मोटर गाड़ी निर्माण, पेट्रो रसायन एवं इलक्ट्रोनिक्स विश्व के प्रमुख निर्माण उद्योग हैं।

# अध्याय–7 : तृतीयक ओर चतुर्थ  क्रियाकलाप

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1 | 1 | 1 | 1 |
| स | 1 | 1 | 3 | 3 |
| योग | | 2 | | 4 |

1. **निम्नलिखित मै से कौनसा एक तृतीयक क्रियाकलाप है?**
   (अ) खेती (ब) बुनाई
   (स) व्यापार (द) आखेत (अ)
2. **निम्नलिखित क्रियाकलापों में से कौन-सा एक द्वितीयक सेक्टर का क्रिया कलाप नहीं है?**
   (अ) स्पात प्रगलन (ब) वस्त्र निर्माण
   (स) मछली पकड़ना (द) टोकरी बुनना (स)
3. **निम्नलिखित में कौनसा एक्सेक्टर दिल्ली मुंबई चेन्नई और कोलकाता में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है?**
   (अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक
   (स) पर्यटन (द) सेवा (द)
4. **वह काम जिन में उच्च परिणाम और स्तर वाले अन्वेषन सम्मिलित होते हैं कहलातेहैं?**
   (अ) प्राथमिक क्रियाकलाप (ब) द्वितीय क्रियाकलाप
   (स) पंचम क्रियाकलाप (द) चतुर्थ क्रियाकलाप (ब)
5. **निम्नलिखित में कौनसा क्रियाकलाप चतुर्थक सेक्टर से संबंधित है?**
   (अ) संगणक विनिर्माण (ब) विश्वविद्यालय अध्ययन
   (स) कागज और कच्ची लुगदी निर्माण (द) पुस्तकों का मुद्रण (स)
6. **निम्नांकित में कौन वैश्विक नगर नहीं है?**
   (अ) न्यूयॉर्क (ब) शंघाई
   (स) टोक्यो (द) लंदन (ब)
8. **खनन किया है।**
   (अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक
   (स) तृतीयक (द) चतुर्थक (अ)
9. **शिक्षा कानून क्रियाकलाप है-**
   (अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक
   (स) तृतीयक (द) चतुर्थक (स)
10. **निम्न मैं से कौनसा एक तृतीयक क्रियाकलाप है?**
    (अ) कृषि (ब) मछलीपकड़ना
    (स) व्यापार (द) आखेट। (स)
11. **निम्न में से कौनसा एक पंचम क्रियाकलाप है?**
    (अ) खेती (ब) आखेट
    (स) बाह्यस्त्रोतन (द) इराक (स)
12. **किस महादेश में सबसे अधिक संख्या में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आते हैं?**

(अ) यूरोप (ब) ऑस्ट्रेलिया

(स) अफ्रीका (द) उत्तरी अमेरिका (अ)

13. **बाह्यस्त्रोतीकरण सहायक है-**

(अ) दक्षता सुधारने में (ब) कीमतों को घटाने में

(स) विकासशील देशों में रोजगार बढ़ाने में (द) इनमें से सभी (द)

14. **निम्नलिखित में से कौन-सा एक चतुर्थ क्रियाकलाप है**?

(अ) विनिर्माण (ब) पुस्तकों का मुद्रण

(स) कागज निर्माण उद्योग (द) विश्वविद्यालयी अध्यापन (द)

15. यूरोपीय संघ का मुख्यालय किस देश में है?

(अ) रूस (ब) बेल्जिम

(स) जर्मनी (द) इटली (ब)

16. निम्न में से किस संघ का मुख्यालय काठमांडू में अवस्थितहै?

(अ) ओपेक (ब) दक्षेस

(स) आसियान (द) इनमेंसेसभी (अ)

17. **मुक्त आकाशनीति लागू की गई** :

(अ) 1992 ई. में (ब) 1972 ई. में

(स) 2011 ई. में (द) 2021 ई. में (अ)

18.. उच्चपरिणाम और स्तर वाले अन्वेषण से सम्बन्धित क्रियाकलापों को कहा जाता है –

(अ) द्वितीयक क्रियाकलाप (ब) पंचम क्रियाकलाप

(स) चतुर्थ क्रियाकलाप (द) इनमें से कोई नहीं (ब)

19. विश्व का सबसे बड़ा तृतीयक क्रियाकलाप कौन-सा है?

(अ) सेवा (ब) पर्यटन

(स) गायन (द) शिक्षण (अ)

20. निम्नलिखित में कौन-सा एक चतुर्थ क्रियाकलाप है?

(अ) विनिर्माण (ब) पुस्तकों का मुद्रण

(स) कागज-निर्माण **उद्योग** (द) विश्वविद्यालयी अध्यापन (द)

21 तृतीयक क्रियाकलाप सम्बधित है –

(अ) सेवा सेक्टर (ब) कृषि से

(स) निर्माण से (द) उपर्युक्त सभी से ( अ )

22 अर्थिक विकास की आरम्भिक अवस्थाओं में लोगों का एक बड़ा अनुपात काम करता था–

(अ) प्राथमिक सेक्टर में (ब) द्वितीयक सेक्टर में

(स) तृतीयक सेक्टर में (द) चतुर्थक सेक्टर मे ( अ )

23 निम्नलिखित में से कौन तृतीयक क्रियाकलाप से सम्बंधित नहीं है –

(अ) अध्यापक (ब) वकील

(स) डॉक्टर (द) परामर्शदाता ( द )

24 चतुर्थक क्रियाकलाप है –

(अ) सूचना का संग्रहण (ब) उत्पादन और प्रकीर्णन

(स) अनुसंधान एवं विकास (द) उपर्युक्त सभी ( द )

25 निम्नलिखित में से कौन बाह्य स्त्रोतन से सम्बंधित उदाहरण है –

(अ) ई. लर्निंग (ब) बौध्दिक सम्पदा

(स) बैकिंग (द) उपर्युक्त सभी ( द )

26 निम्नलिखित से कौनसा सेक्टर दिल्ली,मुम्बई, चेन्नई व कोलकाता में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है –

(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक

(स) पर्यटन (द) सेवा ( द )

27 **"स्वर्ण कॉलर''** कहे जाने वाले क्रियाकलाप कौनसे है –

उत्तर पंचम क्रियाकलाप

28 वह व्यापारिक क्रियाकलाप जो उपभोक्ताओं को वस्तओं के प्रत्यक्ष विक्रय से सम्बंधित होते है क्या कहलाते है ?

उत्तर फुटकर व्यापार

29 विश्व में चिकित्सा पर्यटन क क्षेत्र में तेजी से उभरते हुए दशों के नाम लिखिए?

उत्तर भारत, थाईलैण्ड, सिंगापुर,मलेशिया ।

30 व्यापारिक केन्द्र किसे कहा जाता है ?

उत्तर वे कस्ब और नगर जहाँ व्यापार होता है,व्यापारिक केन्द्र कहलाते है ।

31 तृतीयक क्रियाकलापों के उदाहरण दीजिए ?

उत्तर 1 व्यापार 2 परिवहन 3 संचार 4 सेवाएँ

32 तृतीयक क्रियाकलाप के दो प्रमुख तत्व बताइये?

उत्तर 1 उत्पादन 2 विनिमय

33 व्यापारिक केन्द्रों के प्रकार बताइये?

उत्तर 1 ग्रामीण विपणन केन्द्र 2 नगरीय विपणन केन्द्र

34 समकाल रेखाओं से क्या आशय ह?

उत्तर मानचित्र पर समान समय में पहुचने वाले स्थानों को मिलाने वाली रेखाओं को समकाल रेखाएँ कहते हैं ।

35 परिवहन में नोड का क्या अर्थ है ?

उत्तर दो अथवा दो से अधिक मागो का संधि स्थल, एक उद्‌गम बिन्दु,एक गन्तव्य बिन्दु अथवा मार्ग के सहारे कोई बड़ा कस्बा नोड कहलाता है ।

36 प्रत्येक सड़क जो दो नोडो को जोड़ती है उसे क्या कहते है?

उत्तर योजक

37 डब्बा वाली सेवा क्या है?

उत्तर मुम्बई महानगर में डब्बा वाला सेवा भोजन टिफिन सेवा हैं जो महानगर के 1.75 लाख उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवायी जाती है ।

38 थोक व्यापार का गठन किसके द्वारा होता है।

उत्तर बिचौलिए,सौदागरों एवं पूर्तिकारों द्वारा।

39 परिवहन दूरी के विभिन्न माप बताइये?

उत्तर 1 किलोमीटर दूरी 2 समय दूरी 3 लागत दूरी

40 संचार किसे कहते हैं?

उत्तर संचार सेवाओं में शब्दों और संदशों, तथ्यों और विचारों का प्रेषण सम्मिलित है ।

41 संचार के पुरातन साधन कौनसे है ?

उत्तर तार प्रेषण, मोर्सफूट, टैलेक्स

42 संचार के नवीन साधन कौनसे है

उत्तर मोबाईल, दूरभाष, फेक्स,इन्टरनेट तथा उपग्रह ।

43 रेडियों और दूरदर्शन को जनसंचार माध्यम क्यों कहा जाता है?

उत्तर रेडियों और दूरदर्शन समाचारों,चित्रों व दूरभाष पर बातों को सम्पूर्ण विश्व में फैले हुए श्रोताओं को प्रसारित करते है इस कारण इन्हें जनसंचार माध्यम कहाँ जाता है ।

44 बाह्य स्त्रोतन से आप क्या समझतें है ?

उत्तर दक्षता को सुधारने एवं उत्पादों की किमतो को घटाने के लिए किसी बाह्य एजेंसी को ठेका देना बाह्य स्त्रोतन कहलाता हैं ।

45 पर्यटन को प्रभावित करने वाले कोई दो कारक बताइए?

उत्तर 1 मांग 2 परिवहन

46 चिकित्सा पर्यटन किसे कहते है ?

उत्तर जब चिकित्सा उपचार को अंतराष्ट्रीय पर्यटन गतिविधि से संबध कर दिया जाता है तो इसे सामन्यतः चिकित्सा पर्यटन कहा जाता है ।

47 ऑफशोरिंग/अपतरन किसे कहते है?

उत्तर जब बाह्य स्त्रोतन में कार्य समुद्रपार के स्थानों पर स्थानान्तरित कर दिया जाता है तो इसको ऑफशोरिंग कहते है ।

48 तृतीयक क्रियाकलापों को मुख्य रूप से कितने वर्गो में रखा जा सकता है ?

उत्तर

| | | |
|---|---|---|
| 1 | व्यापार एवं वाणिज्य | – थोक व्यापार , फुटकर व्यापार |
| 2 | परिवहन | – रेल ,सड़क ,जल तथा वायु परिवहन |
| 3 | संचार | – मोबाईल, दूरभाष, उपग्रह,दूरसंचार |

49 पर्यटन आकर्षण के प्रमुख कारक कौन–कौनसे हैं?

उत्तर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | जलवायु | 2 | भू–दृश्य आकर्षण |
| 3 | इतिहास एवं कला | 4 | संस्कृति तथा अर्थव्यवस्था |

50 पर्यटकों को **"घरों में रूकने"** की व्यवस्था को गोवा तथा कर्नाटक में क्या कहते है?

उत्तर गोवा में **हेरिटेज होम्स** कहते हैं तथा कर्नाटक में **मैडिकेर** और **कुग** कहते हैं।

51 चतुर्थक क्रियाकलापों का संक्षेप में विवरण व महत्व बताइये?

उत्तर ज्ञानोन्मुखी सेवा सेक्टर से संबधित क्रियाकलापो में चतुर्थक क्रियाकलाप संबधित है। चतुर्थक क्रियाकलापो में सुचना का संग्रहण, उत्पाद तथा प्रकीर्णन हाता है यह कार्य उच्च स्तरीय विकास, शोध विशिष्टीकृत ज्ञान तकनीक तथा प्रशासनिक क्षमता से संबधित होते है विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं मे 50 प्रतिशत से अधिक कर्मी चतुर्थक क्रियाकलापों में कार्यरत है। म्यूचुअल फण्ड प्रबंधक, परामर्शदाता, सॉफ्टवेयरकर्मी तथा विश्वविद्यालयी शिक्षक के अलावा, चिकित्सालयों, रंगमंचो, लेखाकाया तथा दलाली की फर्मो के कार्यालयों में कार्य करने वाले कर्मी भी इस वर्ग की सेवाओं से संबंधित होते है ।

52 पंचम क्रियाकलाप क्या होते है? संक्षेप में बताइए ।

उत्तर पंचम क्रियाकलापों में वे सेवाएँ सम्मिलित है जो नवीन एवं वर्तमान विचारो की रचना उनके पूर्नगठन व व्याख्या, आँकडों की व्याख्या व प्रयोग तथा नवीन तकनिक क मूल्यांकन से संबधित होती हैं। प्रायः इन सेवाओं से संबधित व्यवसायों में संलग्न लोगो को **स्वर्ण कोलर** कहा जाता है तथा ये व्यवसायिक कार्यकरियों, सरकारी अधिकारियों ,शोध वैज्ञानिकों, वित व विधि परामर्शदाताओं, विशेष तथा उच्च वेतन वाले कुशल व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। विकसित अर्थव्यवस्थाओं की संरचना में इनका महत्व इनकी संख्या से कही अधिक होता है।

53 तृतीयक कियाकलाप से आप क्या समझते है ?

**उत्तर**– तृतीयक क्रियाकलापों में उत्पादन और विनिमय दोनों सम्मिलित होते हैं। उत्पादन में सेवाओं की उपलब्धता शामिल होती है जिनका उपभोग किया जाता है। उत्पादन को परोक्ष रूप से पारिश्रमिक और वेतन के रूप में मापा जाता है। विनिमय वेफ अंतर्गत व्यापार, परिवहन और संचार सुविधाएँ सम्मिलित होती हैं जिनका उपयोग दूरी को निष्प्रभाव करने के लिए किया जाता है। इसलिए तृतीयक क्रियाकलापों में मूर्त वस्तुओं के उत्पादन के बजाय सेवाओं का व्यावसायिक उत्पादन सम्मिलित होता है। वे भौतिक कच्चे माल के प्रक्रमण में प्रत्यक्ष रूप से सम्मिलित नहीं होती। एक नलसाज, बिजली मिस्त्रो, तकनीशियन, धोबी, नाई, दुकानदार, चालक, कोषपाल, अध्यापक, डॉक्टर, वकील और प्रकाशक इत्यादि का काम इनका सामान्य उदाहरण हैं। द्वितीयक और तृतीयक क्रियाकलापों में मुख्य अंतर यह है कि सेवाओं द्वारा उपलब्ध विशेषज्ञता उत्पादन तकनीकों, मशीनरी और पैफक्ट्री प्रक्रियाओं की अपेक्षा कर्मियों की विशिष्टीकृत कुशलताओं, अनुभव और ज्ञान पर अत्यधिक निर्भर करती है

54 ग्रामीण विपणन केंद्र के बारे में बताइये ?

उत्तर– ग्रामीण विपणन वेंफद्र निकटवर्ती बस्तियों का पोषण करते हैं। ये अर्ध–नगरीय केंद्र होते ह। ये अत्यंत अल्पवर्धित प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में सेवा करते हैं। यहाँ व्यक्तिगत और व्यावसायिक सेवाएँ सुविकसित नहीं होतीं। ये स्थानीय संग्रहण और वितरण केंद्र होते हैं। इनमें से अधिकांश केंद्रों में मंडियाँ थोक बाजार और फटकर व्यापार क्षेत्र भी होते हैं। ये स्वयं में नगरीय केंद्र नहीं हैं कितु ग्रामीण लोगों की अधिक माँग वाली वस्तुओं और सेवाओं को उपलब्ध कराने वाले महत्त्वपूर्ण केंद्र हैं।

55 फुटकर या थोक व्यापार क्या है?

उत्तर – **फुटकर व्यापार** – ये वह व्यापारिक क्रियाकलाप हैं जो उपभोक्ताओं को वस्तुओं के प्रत्यक्ष विक्रय से संबंधित हैं। अधिकांश फुटकर व्यापार वेफवल विक्रय से नियत प्रतिष्ठानों और भंडारों में संपन्न होता है। पेफरी, रेहड़ी, ट्रक, द्वार से द्वार, डाक आदेश, दूरभाष, स्वचालित बिक्री मशीनें तथा इंटरनेट फुटकर बिक्री वेफ भंडार रहित उदाहरण हैं।

**थोक व्यापार** – इसका गठन अनेक बिचौलिए सौदागरों और पूर्तिघरों द्वारा होता है न कि फुटकर भंडारों द्वारा। शृंखला भंडारों सहित कुछ बड़े भंडार विनिर्माताओं से सीधी खरीद करते हैं। फिर भी बहुसंख्यक फटकर भंडार बिचौलिए से पूर्ति लेते हैं। थोक विक्रेता प्रायः फटकर भंडारों को उधार देते हैं, यहाँ तक कि फटकर विक्रेता अधिकतर थोक विक्रेता की पूँजी पर ही अपने कार्य का संचालन करते हैं।

56 परिवहन उद्योग से आप क्या समझते है ?

उत्तर– परिवहन एक ऐसी सेवा अथवा सुविधा है जिससे व्यक्तियों, विनिर्मित माल तथा संपत्ति को भौतिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है। यह मनुष्य की गतिशीलता की मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने हेतु निर्मित एक संगठित उद्योग है। आधुनिक समाज वस्तुओं के उत्पादन, वितरण और उपभोग में सहायता देने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन व्यवस्था चाहते हैं। इस जटिल व्यवस्था की प्रत्येक अवस्था में परिवहन द्वारा पदार्थ का मूल्य अत्यध्कि के चयन में समय अथवा लागत वेफ संदर्भ में एक निर्णायक कारक है। मानचित्र पर समान समय में पहुँचने वाले स्थानों को मिलाने वाली समकाल रेखाएँ खींची जाती हैं।

57 संचार सेवाओं से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर – संचार सेवाओं में शब्दों और संदेशों, तथ्यों और विचारों का प्रेषण सम्मिलित है। लेखन के आविष्कार ने संदेशा को सरक्षित किया और सचार को परिवहन के साधनों पर निर्भर करने में सहायता की। ये वास्तव में हाथ, पशुआ, नाव, सडक, रेल तथा वाय द्वारा परिवहित होते थे। यही कारण है कि परिवहन के सभी रूपों को संचार पथ कहा जाता है। जहाँ परिवहन जाल–तंत्र सक्षम होता ह वहाँ संचार का फलाव सरल होता है। मोबाइल दूरभाष और उपग्रहों जैसे कुछ विकासों ने संचार को परिवहन से मुक्त कर दिया है। पुराने तंत्रों के सस्ता होने के कारण संचार क सभी रूपों का साहचर्य पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुआ है। अतः पूरे विश्व मे अभी भी विशाल मात्रा में डाक का निपटारन डाकघरों द्वारा हो रहा है।

58 सेवा क्षेत्र से क्या आशय है ? समझाइए।

उत्तर – सेवाएँ विभिन्न स्तरों पर अध्याय जाती हैं। कुछ सेवाएँ उद्योगों को चलाती हैं, कुछ लोगों को और कुछ उद्योगों और कुछ दानों को, उदाहरणतः परिवहन तंत्र। निम्नस्तरीय सेवाएँ जैस– पंसारी की दुकानें, धोबीघाट उच्चस्तरीय सेवाओं अथवा लेखाकार, परामर्शदाता और काय चिकित्सक जैसी अधिक विशिष्टीकृत सेवाओं की अपेक्षा अधिक सामान्य और विस्तृत हैं। सेवाएँ भुगतान कर सकने वाले व्यक्तिगत उपभोक्ताओं को उपलब्ध होती हैं। माली, धोबी और नाई मुख्य रूप से शारीरिक श्रम करते हैं। अध्यापक, वकील, चिकित्सक, संगीतकार ओर अन्य मानसिक श्रम करते हैं। अनेक सेवाएँ अब नियमित हो गई हैं। महामागा ` एवं सेतुओं का निर्माण और अनरक्षण, अग्निशमन विभागों का अनुरक्षण और शिक्षा की पूर्ति अथवा पर्यवेक्षण और ग्राहक–सेवा महत्त्वपूर्ण सेवाओं में से हैं, जिनका पर्यवेक्षण अथवा निष्पादन प्रायः सरकारों अथवा कंपनियों द्वारा किया जाता है। राज्य और संघ विधान ने परिवहन, दूरसंचार, ऊर्जा और जलापुर्ति जैसी सेवाओं के विपणन के पर्यवेक्षण और नियंत्रण के लिए निगमों की स्थापना की है। स्वास्थ्य की देखभाल, अभियांत्रिकी, विधि और प्रबंधन व्यावसायिक सेवाएँ हैं। मनोरंजनात्मक आर प्रमोद सेवाओं की स्थिति बाजार पर निर्भर करती है। मल्टीप्लेक्स और रेस्तराओं की स्थिति व` केन्दीय व्यापार क्षेत्र (सी.बी.डी.) के अदर अथवा निकट हो सकती है जबकि गोल्फ कोर्स ऐसे स्थान पर बनाया जाएगा जहाँ भूमि की लागत सी.बी.डी. की अपेक्षा कम होगी। दैनिक जीवन में काम को सुविधाजनक बनान के लिए लोगों को व्यक्तिगत सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती है ं। कामगार रोजगार की तलाश मे ं ग्रामीण क्षेत्र से प्रवास करते है और अकुशल होते हैं। व मोची, गृहपाल, खानसामा और माली जैसी घरेलू सेवाओं के लिए नियुक्त किए जाते हैं और इन्हें कम भुगतान किया जाता है। कर्मियों का यह वर्ग असंगठित है। ऐसा एक उदाहरण मुंबई की डब्बावाला सेवा है जो पूर नगर में लगभग 1,75,000 उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराइ जाती है।

59 पर्यटन तथा पर्यटन प्रदश को समझाइये ?

उत्तर – पर्यटन – पर्यटन एक यात्रा है जो व्यापार की बजाय प्रमोद के उद्देश्यों के लिए की जाती है। कुल पंजीकृत रोजगारों तथा कुल राजस्व ;सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत की दृष्टि से यह विश्व का अकेला सबसे बड़ा तृतीयक क्रियाकलाप बन गया है। इनके अतिरिक्त पर्यटकों के आवास, भोजन, परिवहन, मनोरंजन तथा विशेष दुकानों जैसी सेवा उपलब्ध कराने के लिए अनेक स्थानीय व्यक्तियों को

नियुक्त किया जाता है। पर्यटन अवसंरचना उद्योगों, फ़टकर व्यापार तथा शिल्प उद्योगों को पोषित करता है। कुछ प्रदेशों में पर्यटन वस्तुनिष्ठ होता ह क्योंकि अवकाश की अवधि अनुकुल मौसमी दशाओं पर निर्भर करती है, किंतु कई प्रदेश वर्ष पर्यंत पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

**पर्यटक प्रदेश** – भूमध्यसागरीय तट के चारों ओर कोष्ण स्थान तथा भारत का पश्चिमी तट विश्व के लोकप्रिय पर्यटक गंतव्य स्थानों में से हैं। अन्य में शीतकालीन खेल प्रदेश, जो मुख्यतः पर्वतीय क्षेत्र में पाए जाते हैं, मनोहारी दृश्यभूमियाँ तथा यत्र–तत्र फले राष्ट्रीय उद्यान सम्मिलित हैं। स्मारकों, विरासत स्थलों और सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण ऐतिहासिक नगर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

60 पर्यटको को आकषित करने आले कारकों को बताईये।

उत्तर – पर्यटको को आकषित करने आले कारक निम्न है–

**जलवाय** : ठंडे प्रदेशो ं के अधिकांश लोग पुलिन विश्राम के लिए ऊष्ण व धूपदार मौसम की अपेक्षा करते है ं। दक्षिणी युरोप और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों मे पर्यटन के महत्त्व का यह एक मख्य कारण है। अवकाश के शीर्ष मौसम में युरोप के अन्य भागों की अपेक्षा भूमध्यसागरीय जलवायु में लगभग सतत ऊँचा तापमान, धूप की लंबी अवधि और निम्न वर्षा की दशाएँ होती हैं। शीतकालीन अवकाश का आनंद लेने वाले लोगों की विशिष्ट जलवायवी जरूरते ंहोती है, जैसे या तो अपनी गृह–क्षेत्रा की तुलना में ऊँचे तापमान अथवा स्कींग के लिए अनुकुल हिमावरण।

**भू–दृश्य** : कई लोग आकर्षित करने वाले पर्यावरण में अवकाश बिताना पसंद करते हैं, जिसका प्रायः अर्थ होता है पर्वत, झीलें, दर्शनीय समुद्री तट और मनुष्य द्वारा पूर्ण रूप से अपरिवर्तित भू–दृश्य।

**इतिहास एवं कला :** किसी क्षेत्र वेफ इतिहास और कला में संभावित आकर्षण होता है। लोग प्राचीन और सुंदर नगरों, पुरातत्व के स्थानों पर जाते हैं और किलों, महलों और गिरिजाघरों को देखकर आनंद उठाते हैं।

**संस्कृति और अर्थव्यवस्था** : मानव जातीय और स्थानीय रीतियों को पसंद करने वालों को पर्यटन लुभाता है। यदि काई प्रदेश पर्यटकों की जरूरतों को सस्ते दाम में पूरा करता है तो वह अत्यंत लोकप्रिय हो जाता है। 'घरों में रुकना' एक लाभदायक व्यापार बन कर उभरा है जैसे कि गोवा में हेरीटेश होम्स तथा कर्नाटक में मैडीकेरे और कूर्ग।

61 अंकिय विभाजक क्या है ?

उत्तर – सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित विकास से मिलने वाले अवसरों का वितरण पूरे ग्लोब पर असमान रूप से वितरित है। देशों में विस्तृत आर्थिक राजनीतिक और सामाजिक भिन्नताएँ अध्याय जाती हैं। निर्णायक कारक यह है कि कोई देश कितनी शीघ्रता से अपने नागरिका को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तक पहुँच और उसके लाभ उपलब्ध करा सकता है।

## अध्याय–8 : परिवहन एवं संचार

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1 | 1 | 1 | 1 |
| ब | 1 | 1 | 1.5 | 1.5 |
| योग | | 2 | | 2.5 |

प्रश्न 1. पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और तरल अवस्था में अयस्कों जैसे पदार्थों का परिवहन किया जाता हैं।
(अ) रेल परिवहन (ब) सडक परिवहन
(स) अध्यायपलाइन परिवहन (द) वायु परिवहन

प्रश्न 2 उच्च मूल्य वाली, हल्की तथा नाशवान वस्तुओं का वायुमार्गो द्वारा परिवहन सर्वश्रेष्ठ होता है।
(अ) रेल परिवहन द्वारा (ब) सडक परिवहन द्वारा
(स) अध्यायपलाइन परिवहन द्वारा (द) वायु परिवहन द्वारा

प्रश्न 3 कौनसे पशुओं प्रयोग पश्चिमी देशों में भी भारवाही पशुओं के रूप में किया जाता है।
(अ) घोडे का (ब) खच्चर का
(स) रेंडियर का (द) गघो का

प्रश्न 3 कौनसे महामार्ग पश्चिमी तट पर स्थित ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के वैंक्वर स्थान को पूर्वी तट पर स्थित न्यूपफाउंडलैंड प्रांत के सेंटजॉन नगर से जोड़ता है।
(अ) पान–अमेरिकन महामाग (ब) ट्रांस–कनाडियन महामाग
(स) मास्को–ब्लाडीवोस्टक महामार्ग (द) अमेरिकन महामार्ग

प्रश्न 5 कौनसे महाद्वीप विश्व का सघनतम रेल तंत्र पाया जाता है।
(अ) युरोप (ब) उ. अमेरिका
(स) अफ्रीका (द) आस्ट्रेलिया

प्रश्न 6. पारमहाद्वीपीय स्टुवर्ट महामार्ग किनके मध्य से गुजरता है?
(अ) डार्विन और मेलबोर्न (ब) एडमंटन और एंकॉरेज
(स) बैंवूफवर और सेंट जॉन नगर (द) चेगडू और ल्हासा

प्रश्न 7. किस देश में रेलमार्गों के जाल का सघनतम घनत्व पाया जाता है?
(अ) बाजील (ब) कनाडा
(स) संयुक्त राज्य अमेरिका (द) रूस ;

प्रश्न 8 बृहद ट्रंक मार्ग होकर जाता है–
(अ) भूमध्य सागर हिन्द महासागर से होकर (ब) उत्तर अटलांटिक महासागर से होकर
(स) दक्षिण अटलांटिक महासागर से होकर (द) उत्तर प्रशांत महासागर से होकर

प्रश्न 9 'बिग इंच' अध्यायप लाइन वेफ द्वारा परिवहित किया जाता है।
(अ) दूध (ब) जल
(स) तरल पेट्रोलियम गैस (LPG) (द) पैट्रोलियम

प्रश्न 5. पार साइबेरियन रेलमार्ग किन नगरों मध्य से गुजरता है?
(अ) पश्चिम में सेंट पीटर्सबर्ग से पूर्व में मास्को तक
(ब) पश्चिम में सेंट पीटर्सबर्ग से पूर्व में प्रशांत महासागर तट पर स्थित व्लाडिवोस्टक तक
(स) पूर्व में हैलिपैफक्स से पश्चिम में प्रशांत तट पर स्थित वैंकूवर तक
(द) मास्का से प्रशांत महासागर तट पर स्थित व्लाडिवोस्टक तक

प्रश्न 10. पार कैनेडियन रेलमार्ग किन नगरों मध्य से गुजरता है?

(अ) पश्चिम में सेंट पीटर्सबर्ग से पूर्व में मास्को तक

(ब) पश्चिम में सेंट पीटर्सबर्ग से पूर्व में प्रशांत महासागर तट पर स्थित व्लाडिवोस्टक तक

(स) पूर्व में हैलिपैफक्स से पश्चिम में प्रशांत तट पर स्थित वैंकूवर तक

(द) मास्का से प्रशांत महासागर तट पर स्थित व्लाडिवोस्टक तक

प्रश्न 11. पार कैनेडियन रेलमार्ग की लम्बाई है?

(अ) 7050 कि.मी. (ब) 5070 कि.मी.

(स) 6050 कि.मी. (द) 9050 कि.मी.

प्रश्न 12. आस्ट्रेलियाई पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग किन नगरों मध्य से गुजरता है?

(अ) पर्थ से मेलबर्न (ब) पर्थ से कलगुर्ली

(स) पर्थ से सिडनी (द) मेलबर्न से सिडनी

प्रश्न 13 . ओरिएंट एक्सप्रेस रेलमार्ग किस महाद्वीप मे स्थित है–

(अ) युरोप (ब) अफ्रीका

(स) आस्ट्रेलिया (द) उ. अमेरिका

प्रश्न 14. ओरिएंट एक्सप्रेस रेलमार्ग किन नगरों मध्य से गुजरता है?

उत्तर ओरिएंट एक्सप्रेस रेलमार्ग **पेरिस** से स्ट्रैस्बर्ग, म्युनिख, विएना, बुडापेस्ट और बेलग्रेड होते हुए **इस्तांबूल** तक जाता है।

प्रश्न 15 विश्व का व्यस्ततम व्यापारिक जलमार्ग है –

(अ) उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग (ब) उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग

(स) दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग (द) उत्तरी प्रशांत समुद्री मार्ग

प्रश्न 16 वह समुद्री मार्ग जो प्राचीन विश्व के हृदय स्थल कहे जाने वाले क्षेत्र से गुजरता है–

(अ) उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग (ब) उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग

(स) दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग (द) भूमध्यसागर–हिन्दमहासागरीय समुद्री मार्ग

प्रश्न 17 वह समुद्री मार्ग जो पश्चिमी यूरोपीय और पश्चिमी अप्रफीकी देशों को दक्षिण अमेरिका में ब्राजील, अर्जेंटीना और उरुग्वे से मिलाता है।

(अ) उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग (ब) उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग

(स) दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग (द) भूमध्यसागर–हिन्दमहासागरीय समुद्री मार्ग

प्रश्न 18 वह समुद्री मार्ग उत्तरी अमेरिका वेफ पश्चिमी तट पर स्थित पत्तनों को एशिया वेफ पत्तनों से जोड़ता ह–

(अ) उत्तरी प्रशांत समुद्री मार्ग (ब) उत्तमाशा अंतरीप समुद्री मार्ग

(स) दक्षिणी अटलांटिक समुद्रो मार्ग (द) भूमध्यसागर–हिन्दमहासागरीय समुद्री मार्ग

प्रश्न 19. स्वेज नहर किन के मध्य स्थित है–

उत्तर भूमध्य सागर एवं लाल सागर के मध्य

प्रश्न 20 स्वेज नहर की लम्बाई है–

(अ) 150 कि.मी. (ब) 170 कि.मी.

(स) 160 कि.मी. (द) 180 कि.मी.

प्रश्न 21. राइन नदी कर्हा से होकर प्रवाहित होती है?

उत्तर राइन नदी जर्मनी और नीदरलैंड से होकर प्रवाहित होती है।

प्रश्न 22 कौनसा जलमार्ग विश्व का अत्यधिक प्रयोग में लाया जाने वाला आंतरिक जलमार्ग है?

उत्तर राइन नदी जलमार्ग विश्व का अत्यधिक प्रयोग में लाया जाने वाला आंतरिक जलमार्ग है।

प्रश्न 23 डेन्यूब नदी ब्लैक कहॉ से निकलती है?

उत्तर डेन्यूब नदी ब्लैक फॉरेस्ट पर्वत से निकलती है।

प्रश्न 24 वोल्गा जलमार्ग कहॉ है और कितने कि.मी. नौकायान की सुविधा प्रदान करता है ?

उत्तर वोल्गा जलमार्ग रूस में है और यह लगभग 11200 कि.मी. नौकायान की सुविधा प्रदान करता है ?

प्रश्न 25 उत्तरी अमेरिका की वृहद् झीलें सुपीरियर, ह्यूरन, इरी तथा ओंटारियो, कौनसी नहरों के द्वारा जुड़े हुए हैं ?

उत्तर उत्तरी अमेरिका की वृहद् झीलें सुपीरियर, ह्यूरन, इरी तथा ओंटारियो, सू नहर तथा वलैंड नहर के द्वारा जुड़े हुए हैं,

प्रश्न 26 किस देश में रेल घनत्व सर्वाधिक पाया जाता है।

उत्तर बेल्जियम में

प्रश्न 27 इंग्लैंड में स्थित यूरो टनल ग्रुप द्वारा प्रचालित सुरंग मार्ग कौनसे नगरों को जोड़ता है।

उत्तर लंदन को पेरिस

प्रश्न 28 उत्तरी अमेरिका में विश्व का कुल कितना प्रतिशत रेलमार्ग है ं।

उत्तर लगभग 40 प्रतिशत

प्रश्न 29 दक्षिणी अमेरिका के कौनसे प्रदेशों में सघन रेलमार्ग पाया जाता है।

उत्तर अर्जेंटाइना के पंपास तथा ब्राजील के कॉफी उत्पादक प्रदेश। ं,

प्रश्न 30 एशिया का सबसे महत्त्वपूर्ण और विश्व का सर्वाधिक लम्बा 9,322 कि.मी. दोहरे पथ से युक्त विद्युतीकृत पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग कौनसा है।

उत्तर पार–साइबेरियन रेलमाग

प्रश्न 31 पार–साइबेरियन रेलमाग किन नगरों को जोडता है।

उत्तर सेंट पीटर्सबग से प्रशांत महासागर तट पर स्थित व्लाडिवोस्टक को जोडता हैं।

प्रश्न 32 पनामा नहर कौनसे महासागरें से जोड़ती है।

उत्तर पनामा नहर पूर्व में अटलांटिक महासागर को पश्चिम में प्रशांत महासागर से जोड़ती है।

प्रश्न 33 पनामा नहर की लम्बाई कितनी है?

उत्तर पनामा नहर लगभग 72 कि.मी. लंबी हैं।

प्रश्न 34 परिवहन किसे कहते है?

उत्तर – व्यक्तियों और वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक वहन करने की सेवा या सुविध को परिवहन कहते है।

प्रश्न 35– परिवहन जाल क्या होता है?

उत्तर – अनेक स्थान जिन्हें परस्पर मार्गों की श्रेणियों द्वारा जोड़ दिए जाने पर जिस प्रारूप का निर्माण होता है उसे परिवहन जाल कहते हैं।

प्रश्न 36– विश्व परिवहन की प्रमुख विधाएँ कौन कौन सी है?

उत्तर – विश्व परिवहन की प्रमुख विधाए स्थल, जल, वायु और अध्यायपलाइन हैं।

प्रश्न 37– प्रथम सार्वजनिक रेलमार्ग कब और किन स्थानों के मध्य प्रारंभ हुआ?

उत्तर – प्रथम सार्वजनिक रेलमार्ग 1825 में उत्तरी इंग्लैंड के स्टॉकटन और डर्लिंग्टन स्थानों के मध्य प्रारंभ हुआ।

प्रश्न 38– यातायातप्रवाह से क्या तात्पर्य है। इससे यातायात संकुलता की समस्या कैसे होती है?

उत्तर – पिछले कुछ वर्षों में सड़कों पर यातायात में नाटकीय वृद्धि हुई है। जब सड़क तंत्र यातायात की जरूरतों के अनुरूप विकसित न हो पाए तो सड़कों पर संकुलन बड जाता है।नगरों की सड़कों पर दीर्घकालीन संकुलता अध्याय जाती है। यातायात के शीर्ष (उच्च बिदु) और गर्त (निम्न बिदु) सड़कों पर दिन के विशेष समय पर देखे जा सकते हैं, उदाहरण : काम के समय से पहले और बाद में। विश्व के अधिकांश नगर सड़कों पर अध्याय जाने वाली यातायात संकुलता की समस्या का सामना कर रहे है।

प्रश्न 39– सीमावर्ती सडकें किसे कहते हैं इसके कोइ दो लाभ बताईए?

उत्तर – अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के सहारे बनाई गई सड़कों को सीमावर्ती सड़कें कहा जाता है। लाभ –

1. ये सड़कें सुदूर क्षेत्र में रहने वाले लोगों को प्रमुख नगरों से जोड़ने और प्रतिरक्षा प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। .

2. प्रायः सभी देशों में गाँवों एवं सैन्य शिविरों तक वस्तुओं को पहुँचाने के लिए ऐसी सड़कें अध्याय जाती हैं।

प्रश्न 40– अफ्रीका महाद्वीप के कोई चार प्रमुख रेलमार्गो को बताईए?
उत्तर –अफ्रीका महाद्वीप के प्रमुख रेलमार्ग निम्न हैः– (i) बेंगुएला रेलमार्ग जो अंगोला से कटंगा–जांबिया ताँबे की पेटी से होकर जाता है ।

(ii) तंजानिया रेलमार्ग जांबिया ताम्र पेटी से तट पर स्थित दार–ए–सलाम तक जाता है ।

(iii) बोसवाना और जिबाब्वे से होते हुए रेलमार्ग जो स्थलरुद्ध राज्यों को दक्षिण अफ्रीकी रेलतंत्र से जोड़ता है ।

(iv) दक्षिण अफ्रीका गणतंत्र में केपटाउन से प्रेटोरिया तक ब्लू ट्रेन।

प्रश्न 41 पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग से आप क्या समझते है ?

उत्तर पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग पूरे महाद्वीप से गुजरते हुए इसके दोनों छोरों को जोड़ते हैं। इनका निर्माण आर्थिक और राजनीतिक कारणों से विभिन्न दिशाओं में लंबी यात्राओं की सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया था।

प्रश्न 42 पार–साइबेरियन रेलमार्ग के बारे मे बताईए?

उत्तर रूस का यह प्रमुख रेलमार्ग पश्चिम में सेंट पीटर्सबर्ग से पूर्व में प्रशांत महासागर तट पर स्थित व्लाडिवोस्टक तक मास्को, कशान, ट्यूमिन, नोवोसिबिर्स्क, चिता और खबरोवस्क से होता हुआ जाता है । यह एशिया का सबसे महत्त्वपूर्ण और विश्व का सर्वाधिक लम्बा ;9,322 कि.मी. दोहरे पथ से युक्त विद्युतीकृत पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग है।

प्रश्न 43 ओरिएंट एक्सप्रेस रेलमार्ग के बारे मे बताईए ?

उत्तर ओरिएंट एक्सप्रेस रेलमार्ग पेरिस से स्ट्रैस्बर्ग, म्युनिख, विएना, बुडापेस्ट और बेलग्रेड होती हुई इस्तांबूल तक जाती है। इस एक्सप्रेस लाइन द्वारा लंदन से इस्तांबूल तक लगने वाला यात्राा का समय समुद्रीमार्ग से लगने वाले 10 दिनों की तुलना में मात्रा 96 घंटे रह गया है। इस रेलमार्ग द्वारा होने वाले प्रमुख निर्यात पनीर, सुअर का मांस, जई, शराब, फल और मशीनरी हैं।

प्रश्न 44 उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग क्यों महत्वनुर्ण हैं।

उत्तर उत्तरी अटलांटिक समुद्रीमार्ग औद्योगिक दृष्टि से विकसित विश्व के दो प्रदेशों उत्तर–पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी यूरोप को मिलाता है। विश्व का एक चौथाई विदेशी व्यापार इस मार्ग द्वारा परिवहित होता है। इसलिए यह विश्व का व्यस्ततम व्यापारिक जलमार्ग है। दूसरे अर्थों में इसे 'वृहद् ट्रंक मार्ग' कहा जाता है।इस मार्ग दोनों तटों पर पत्तन और पोताश्रय की उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

प्रश्न 45 प्राचीन विश्व के हृदय स्थल कहे जाने वाले क्षेत्र से गुजरने वाला समुद्री मार्ग कौनसा है?

उत्तर प्राचीन विश्व के हृदय स्थल कहे जाने वाले क्षेत्र से गुजरने वाला समुद्री मार्ग भूमध्यसागर – हिन्दमहासागरीय समुद्री माग है?

प्रश्न 46 स्वेज नहर के बारे मे आप क्या जानते है?

उत्तर स्वेज नहर का निर्माण 1869 में मिस्र में उत्तर में पोर्टसईद एवं दक्षिण में स्थित पोर्ट स्वेज स्वेज पत्तन के मध्य भूमध्य सागर एवं लाल सागर को जोड़ने हेतु किया गया। यह यूरोप को हिद महासागर में एक नवीन प्रवेश मार्ग प्रदान करता है तथा लिवरपूल एवं कोलंबो के बीच प्रत्यक्ष समुद्री मार्ग की दूरी को उत्तमाशा अंतरीप मार्ग की तुलना में घटाता है। यह जलबंधकों से रहित समुद्र सतह के बराबर नहर है, जो यह लगभग 160 कि.मी. लंबी तथा 11 से 15 मीटर गहरी है। इस नहर में प्रतिदिन लगभग 100 जलयान आवागमन करते हैं तथा उन्हें इस नहर को पार करने में 10–12 घंटे का समय लगता ह।

प्रश्न 47 पनामा नहर क बारे मे बताते हुए इसके महत्व को समझाइये ।

उत्तर पनामा नहर पूर्व में अटलांटिक महासागर को पश्चिम में प्रशांत महासागर से जोड़ती है। इसका निर्माण पनामा जलडमरूमध्य के आर–पार पनामा नगर एवं कोलोन के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका के द्वारा किया गया, जिसने दोनों ही ओर के 8 कि.मी. क्षेत्र को खरीद कर इसे नहर मंडल का नाम दिया है। नहर लगभग 72 कि.मी. लंबी है जो लगभग 12 कि.मी. लंबी अत्यध्कि गहरी कटान से युक्त है। इस नहर में कुल छः जलबंधक तंत्र हैं तथा जलयान पनामा की खाड़ी में प्रवेश करने से पहले इन जलबंधकों से होकर विभिन्न उँचाई की समुद्री सतह को पार करते हैं। पनामा नहर के द्वारा समुद्री मार्ग से न्यूयार्क एवं सैनप्रफांसिस्को के मध्य लगभग 13,000 कि.मी. की दूरी कम हो गई है। इसी प्रकार पश्चिमी यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी तट उत्तर–पूर्वी और मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका और पूर्वी तथा दक्षिणी–पूर्वी एशिया के मध्य की दूरी भी कम हो गई है। इस नहर का आर्थिक महत्त्व स्वेज नहर की अपेक्षा कम है। फिर भी दक्षिणी अमेरिका की अर्थव्यवस्था में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

प्रश्न 48– विश्व के प्रमुख आन्तरिक जलमार्ग का नाम बताते हुए संक्षेप मे वर्णन किजिए?

उत्तर – निम्नलिखित जलमार्ग विश्व के महत्त्वपूर्ण वाणिज्यिक जलमार्ग हैं–

**1. राइन जलमार्ग** – राइन नदी जर्मनी और नीदरलैंड से होकर प्रवाहित होती है। नीदरलैंड में रोटरर्डम में अपने मुहाने से लेकर स्विटजरलैंड में बेसल तक यह 700 कि.मी. लंबाई में नौकायन योग्य हैं। रूर नदी पूर्व से आकर राइन नदी में मिलती है। यह नदी एक संपन्न कोयला क्षेत्र से होकर प्रवाहित होती है। यह जलमार्ग स्विटजरलैंड, जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम तथा नीदरलैंड के औद्योगिक क्षेत्र को उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग से जोड़ता है।

**2. डेन्यूब जलमार्ग** – यह महत्त्वपूर्ण आंतरिक जलमार्ग पूर्वी यूरोपीय भाग को अपनी सेवाएँ प्रदान करता है। डेन्यूब नदी ब्लैक फॉरेस्ट से निकलकर अनेक देशों से होती हुई पूर्व की ओर बहती है।

**3. वोल्गा जलमार्ग** – रूस में अत्यधिक संख्या में विकसित जलमार्ग पाए जाते हैं। जिनमें से वोल्गा सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। यह 11,200 कि.मीतक नौकायान की सुविध प्रदान करती है तथा कैस्पियन सागर में मिल जाती है। वोल्गा–मास्को नहर इसको मास्को प्रदेश से तथा वोल्गा–डोन नहर काला सागर से जोड़ती है।

**4. वृहद झीलें सेंट लारेंस समुद्रीमार्ग** – उत्तरी अमेरिका की वृहद् झीलें सुपीरियर, ह्यूरन, इरी तथा ओंटारियो, सू नहर तथा वलैंड नहर के द्वारा जुड़े हुए हैं, तथा आंतरिक जलमार्ग की सुविधा प्रदान करते हैं। सेंट लॉरेंस नदी की एश्चुअरी वृहद् झीलों के साथ उत्तरी अमेरिका के उत्तरी भाग में विशिष्ट वाणिज्यिक जलमार्ग का निर्माण करती है।

पश्न 49– विश्व में उत्तरी व दक्षिणी गोलार्द्ध के अंतर–महाद्वीपीय वायुमार्गो के बारे मे तुलना किजिए।

उत्तर –

| **उत्तरी गोलार्द्ध** | **दक्षिणी गोलार्द्ध** |
|---|---|
| उत्तरी गोलार्द्ध में अंतर–महाद्वीपीय वायुमार्गों की एक सुस्पष्ट पूर्व–पश्चिम पट्टी है। पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिमी यूरोप और दक्षिण–पूर्वी एशिया में सघन जनसंख्या, आर्थिक विकास के कारण वायुमार्गों का सघन जाल पाया जाता है। | अफ्रीका, और दक्षिण अमेरिका में वायु सेवाओं का अभाव है। क्योकि यहॉ अपेक्षाकृत विरल जनसंख्या, सीमित स्थलखंड और आर्थिक विकास के कारण सीमित वायुसेवाएँ उपलब्ध हैं। |

पश्न 50– बिग इन्च पाइप लाइन कर्हा स्थित है?

उत्तर – संयुक्त राज्य अमेरिका में।

पश्न 51– पाइप लाइनो के द्वारा किन वस्तुओं का परिवहन किया जाता है?

उत्तर – पाइप लाइनो के द्वारा जल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे तरल एवं गैसीय पदार्थो के परिवहन के लिए व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न 52– उपग्रहों ने मानव जीवन को किस प्रकार से प्रभावित किया है?

उत्तर – उपग्रहों ने मानव जीवन को अनेक प्रकार से प्रभावित किया है। हम हर समय मित्रों को फोन करने के लिए एवं छोटे संदेश प्रेषित करने हेतु सेल फोन का प्रयोग करते हैं। अथवा केबिल दूरदर्शन (टेलीविजन) पर लोकप्रिय कार्यक्रमों को देखने के लिए उपग्रह संचार सवा का उपयोग करते हैं।

प्रश्न 53– भारत मे उपग्रह के विकास के बारे मे बताइए?

उत्तर – उपग्रह विकास के क्षेत्र में भारत ने भी बड़े कदम उठाए हैं। आर्यभट्ट का 19 अप्रैल 1979 को, भास्कर–1 का 1979 में तथा रोहिणी का प्रक्षेपण 1980 में हुआ। 18 जून 1981 को एप्पल (एरियन पैसेंजर पे लोड एक्सपेरीमेंट) का प्रक्षेपण एरियन रॉकेट के द्वारा हुआ। भास्कर, चैलेंजर तथा इंसेट 1–बी ने, लंबी दूरी के संचार दूरदर्शन तथा रेडियो को अत्यधिक प्रभावी बना दिया है। आज उपग्रह माध्यम से मौसम की भविष्यवाणी एक वरदान बन गई है।

प्रश्न 54– साइबर स्पेस–इंटरनेट क्या है ?

उत्तर – साइबर स्पेस विद्युत द्वारा कंप्यूटरीकृत स्पेस का संसार है। यह वर्ल्ड वाइड वेबसाइट जैसे इंटरनेट द्वारा आवृत हैं। सरल शब्दों में यह भेजने वाले और प्राप्त करने वाले के शारीरिक संचलन के बिना कंप्यूटर पर सूचनाओं के प्रेषण और प्राप्ति की विद्युतीय अंकीय दुनिया है। इसे इंटरनेट के नाम से भी जाना जाता है। साइबर स्पेस हर जगह विद्यमान है। साइबर स्पेस लोगों के समकालीन आर्थिक और सामाजिक स्पेस को ई. मेल, ई. वाणिज्य, ई. शिक्षा और ई. प्रशासन के माध्यम से विस्तृत करता है।

## अध्याय–9 : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| ब | 1+1 | 2 | 1.5 | 3 |
| योग | | 2 | | 3 |

प्रश्न 1 – व्यापार से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – व्यापार का तात्पर्य वस्तुओं और सेवाओं के स्वैच्छिक आदान–प्रदान से होता है। व्यापार करने के लिए दो पक्षों का होना आवश्यक है।

प्रश्न 2 – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभिन्न राष्ट्रों के बीच राष्ट्रीय सीमाओं के आर–पार वस्तुओं और सेवाओं के आदान–प्रदान को कहते हैं। राष्ट्रों को व्यापार करने की आवश्यकता उन वस्तुओं को प्राप्त करने के लिए होती है, जिन्हें या तो वे देश स्वयं उत्पादित नहीं कर सकते या जिन्हें वे अन्य स्थान से कम दामों में खरीद सकते हैं।

प्रश्न 3 – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार में संसाधनों की भिन्नता का क्या महत्व है?

उत्तर – विश्व के राष्ट्रीय संसाधन असमान रूप से विपरीत हैं। भौगोलिक संरचना खनिज संसाधन के आधार को निर्धरित करती है और धरातलीय विभिन्नताएँ फसलों व पशुओं की विविधता सुनिश्चित करती हैं। निम्न भूमियों में कृषि–संभाव्यता अधिक होती है। पर्वत पर्यटकों को आकर्षित करते हैं और खनिज संसाधन संपूर्ण विश्व में असमान रूप से वितरित हैं। खनिज संसाधनों की उपलब्धता औद्योगिक विकास का आधार प्रदान करती है। इन विभिन्नताओं के कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढावा मिलता है।

प्रश्न 4 – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार में जनसंख्या कारक का क्या महत्व है?

उत्तर – विभिन्न देशों में जनसंख्या के आकार, वितरण तथा उसकी विविधता व्यापार की गई वस्तुओं के प्रकार और मात्रा को प्रभावित करते हैं। सघन बसाव वाले देशों में आंतरिक व्यापार अधिक होता है जबकि बाह्रय व्यापार कम परिमाण वाला होता ह, क्योंकि कृषीय और औद्योगिक उत्पादों का अधिकांश भाग स्थानीय बाजारों में ही खप जाता है। जनसंख्या का जीवन स्तर बेहतर गुणवत्ता वाले आयातित उत्पादों की माँग को निर्धारित करता है क्योंकि निम्न जीवन स्तर के साथ केवल कुछ लोग ही महँगी आयातित वस्तुएँ खरीद पाने में समर्थ होते हैं।

प्रश्न 5 – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार में परिवहन का क्या महत्व है?

उत्तर – पुराने समय में परिवहन के पर्याप्त और समुचित साधनों का अभाव स्थानीय क्षेत्र में व्यापार को प्रतिबंधित करता था। केवल उच्च मूल्य वाली वस्तुओं, जैसे–रत्न, रेशम तथा मसाले का लंबी दूरियों तक व्यापार किया जाता था। रेल, समुद्री तथा वायु परिवहन के विस्तार और प्रशीतन तथा परिरक्षण के बेहतर साधनों के कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढावा मिला है।

प्रश्न 6 – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वेफ महत्त्वपूर्ण पक्ष कौन कौन से है?

उत्तर – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के तीन बहुत महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं।

1 व्यापार परिमाण,

2 व्यापार संयोजन और

3 व्यापार की दिशा

प्रश्न 7 – व्यापार परिमाण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर व्यापार की गई वस्तुओं का वास्तविक तौल परिमाण कहलाता है। हालाँकि व्यापारिक सेवाओं को तौल में नहीं मापा जा सकता। इसलिए व्यापार को गई वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मूल्य को व्यापार केपरिमाण के रूप में जाना जाता है।

प्रश्न 8 मुक्त व्यापार की स्थिति से क्या तात्पर्य है?

उत्तर – व्यापार हेतु अर्थव्यवस्थाओं को खोलने का कार्य मुक्त व्यापार अथवा व्यापार उदारीकरण के रूप में जाना जाता है। यह कार्य व्यापारिक अवरोधा जैसे सीमा शुल्क को घटाकर किया जाता है। घरेलू उत्पादों एवं

सेवाओं से प्रतिस्पर्धा करने के लिए व्यापार उदारीकरण सभी स्थाना से वस्तुओं और सेवाओं के लिए अनुमति प्रदान करता है।

प्रश्न 9– व्यापार संतुलन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – व्यापार संतुलन, एक देश के द्वारा अन्य देशों को आयात एवं इसी प्रकार निर्यात की गई वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्रा का प्रलेखन करता है। यदि आयात का मूल्य, देश के निर्यात मूल्य की अपेक्षा अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन ऋणात्मक अथवा प्रतिकूल है। और यदि निर्यात का मूल्य, आयात के मूल्य की तुलना में अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन धनात्मक अथवा अनुकूल है। एक देश की आर्थिकी के लिए व्यापार संतुलन एवं भुगतान संतुलन के गंभीर निहितार्थ होते हैं। एक ऋणात्मक संतुलन का अर्थ हागा कि देश वस्तुओं के क्रय पर उससे अधिक व्यय करता है जितना कि अपने सामानों के विक्रय से अर्जित करता है। यह अंतिम रूप में वित्तीय संचय की समाप्ति को अभिप्रेरित करता है।

प्रश्न 10– भारत मे कौनसे मेले लोग अपनी वस्तुओं का आदान–प्रदान करते हैं और पह मेला कब और कहॉ लगता है?

उत्तर – हर वर्ष जनवरी में फसल कटाई की ऋतु के बाद गुवाहाटी से 35 कि.मीदूर जागीरॅाड में जॉन बील मेला लगता है और संभवतः यह भारत क एकमात्रा मेला है, इस मेले के दौरान एक बड़े बाजार की व्यवस्था की जाती है और विभिन्न जनजातियों तथा समुदायो के लोग अपनी वस्तुओं का आदान–प्रदान करते हैं

प्रश्न 11– अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख आधार क्या है?

उत्तर – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रमुख आधार निम्नलिखित है – 1. राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता :

2. जनसंख्या आधार – सांस्कृतिक कारक और जनसंख्या का आकार

3. राष्ट्र की आर्थिक विकास की प्रावस्था

4. विदेशी निवेश की सीमा

5. परिवहन ।

प्रश्न 1 – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को दो प्रकारों को बताइये। या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को दो प्रकारो की तुलना किजिये।

उत्तर – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है –

1. **द्विपार्श्विक व्यापार** : द्विपार्श्विक व्यापार दो देशो ं के द्वारा एक दूसरे के साथ किया जाता है। आपस में निर्दिष्ट वस्तुओं का व्यापार करने के लिए वे सहमति करते हैं। उदाहरणार्थ देश 'क' कुछ कच्चे पदार्थ के व्यापार के लिए इस समझौते के साथ सहमत हो सकता है कि देश 'ख' कुछ अन्य निर्दिष्ट सामग्री खरीदेगा अथवा स्थिति इसके विपरीत भी हो सकती है।

2. **बहु पार्श्विक व्यापार** : जैसा कि शब्द से स्पष्ट होता है कि बहु पार्श्विक व्यापार बहुत से व्यापारिक देशों के साथ किया जाता है। वही देश अन्य अनेक देशों के साथ व्यापार कर सकता है। देश कुछ व्यापारिक साझेदारों को 'सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र' (MFN) की स्थिति प्रदान कर सकता है ।

प्रश्न 13 –वस्तुओं के डप करने से आप क्या समझते हैं?

उत्तर – लागत की दृष्टि से नहीं वरन् भिन्न–भिन्न कारणों से अलग–अलग कीमत की किसी वस्तु को दो देशों में विक्रय करने की प्रथा डंप करना कहलाती है।

प्रश्न 14 –विश्व व्याापार संघटन के प्रमुख कार्य कौन कौन से है?

उत्तर – विश्व व्याापार संघटन के प्रमुख कार्य निम्नलिखित है– 1. राष्ट्रों के मध्य वैश्विक नियमों का व्यवहार करता है। यह विश्वव्यापी व्यापार तंत्र के लिए नियमों को नियत करता है। 2. इसके सदस्य देशों के मध्य विवादों का निपटारा करता है। 3. विश्व व्यापार संगठन दूरसंचार और बैंकिग जैसी सेवाओं तथा अन्य विषयों जैसे बौद्धिक संपदा के व्यापार को भी अपने कार्यों में सम्मिलित करता है।

प्रश्न 15 –विश्व व्यापार संघटन का मुख्यालय कहॉ है ?

उत्तर – विश्व व्याापार संघटन का मुख्यालय जेनेवा स्विजरलैण्ड में स्थित है ?

प्रश्न 16 –प्रमुख प्रादेशिक व्यापार समूहो के नाम बताइये।

उत्तर – प्रमुख प्रादेशिक व्यापार समूह निम्नलिखित है–

1. ASEAN आसियान
2. सी.आई.एस.रूस से अलगहुए देशो का समुह
3. ई.यू. युरोपिय युनियन
4. ओपेक आर्गेनाइजेशन ऑफ पैट्रोलियम एक्सपोट्रिग कंट्रीज
5. लैटिन अमेरिकन इंटिग्रेशन एसोसिएशन (LAIA)
6. (NAFTA) नार्थ अमेरिकन फ्री ट्रेड युनियन
7. साफ्टा साउथ एशियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

प्रश्न 17– पत्तन को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार क्यो कहा जाता है?

उत्तर – पत्तनों के द्वारा जहाजी माल तथा यात्री विश्व के एक भाग से दूसरे भाग को जाते हैं। इसलिये पत्तन को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार कहॉ जाता है।

प्रश्न 18– निपटाए गये नौभार के अनुसार पत्तनों के प्रकार कौन कौन से है? या औद्योगिक पत्तन और वाणिज्यिक पत्तन मे अन्तर बताइये ।

1. **औद्योगिक पत्तन** : ये पत्तन थोक नौभार के लिए विशेषीकृत होते हैं जैसे–अनाज, चीनी, अयस्क, तेल, रसायन और इसी प्रकार के पदार्थ।
2. .**वाणिज्यिक पत्तन** : ये पत्तन सामान्य नौभार संवेष्टित उत्पादों तथा विनिर्मित वस्तुओं का निपटान करते हैं। ये पत्तन यात्री–यातायात का भी प्रबंध करते हैं।

प्रश्न 19– अवस्थिति अनुसार पत्तनो के प्रकार कौन कौन से है? या अंतर्देशोय पत्तन और बाह्य पत्तन मे अन्तर या तुलना किजिये।

1. अंतर्देशीय पत्तन : ये पत्तन समुद्री तट से दूर अवस्थित होते हैं। ये समुद्र से एक नदी अथवा नहर द्वारा जुड़े होते हैं। ऐसे पत्तन चौरस तल वाले जहाज या बजरे द्वारा ही गम्य होते हैं। उदाहरणस्वरूप–मानचेस्टर एक नहर से जुड़ा है। राइन के अनेक पत्तन हैं जैसे–मैनहीम तथा ड्यूसबर्ग और कोलकाता हुगली नदी, जो गंगा नदी की एक शाखा है, पर स्थित है।
2. बाह्य पत्तन : ये गहरे जल के पत्तन हैं जो वास्तविक पत्तन से दूर बने होते हैं। ये उन जहाजों, जो अपने बड़े आकार के कारण उन तक पहुँचन में अक्षम हैं, का ग्रहण करके पैतृक पत्तनों को सेवाएँ प्रदान करते हैं। उदाहरणस्वरूप एथेंस तथा यूनान में इसके बाह्य पत्तन पिरेइअस एक उच्चकोटि का संयोजन है।

प्रश्न 20– विशिष्टीकृत कार्यकलापों अनुसार पत्तनों के प्रकार कौन कौन से है ?

या किन्ही दो प्रकार के पत्तनों में तुलना सम्बन्धित प्रश्न।

उत्तर – विशिष्टीकृत कार्यकलापों अनुसार पत्तनों के निम्न प्रकार है–

1. **तैल पत्तन** : ये पत्तन तेल के प्रक्रमण और नौ–परिवहन का कार्य करते हैं। इनमें से कुछ टैंकर पत्तन हैं तथा कुछ तेल शोधन पत्तन हैं। वेनेजुएला में माराकाइबो, ट्यूनिशिया में एस्सखीरा, लेबनान में त्रिपोली टैंकर पत्तन हैं। पर्शिया की खाड़ी पर अबादान एक तेलशोधन पत्तन है।
2. **मार्ग पत्तन** : ये ऐसे पत्तन हैं, जो मूल रूप से मुख्य समुद्री मार्गों पर विश्राम के कन्द्र रूप में विकसित हुए, जहाँ पर जहाज पुन : ईंधन भरने, जल भरने तथा खाद्य सामग्री लेने के लिए लंगर डाला करते थे। बाद में, वे वाणिज्यिक पत्तनों में विकसित हो गए। अदन, होनोलूलू तथा सिगापुर
3. **पैकेट स्टेशन** : इन्हें फेरी–पत्तन के नाम से भी जाना जाता है। य पैकेट स्टेशन विशेष रूप से छोटी दूरियों को तय करते हुए जलीय क्षेत्र के आर–पार डाक तथा यात्रियों के परिवहन से जुड़े होते हैं। ये स्टेशन जोड़ों में इस प्रकार अवस्थित होते हैं कि वे जलीय क्षेत्र के आर पार एक दूसरे के सामने होते हैं। उदाहरणस्वरूप–इंग्लिश चैनल के आरपार इंग्लैंड में डोवर तथा प्रफांस में कैलाइस।
4. **आंत्रपो पत्तन** : ये वे एकत्रण केंद्र हैं, जहाँ विभिन्न देशों से निर्यात हेतु वस्तुएँ लाई जाती हैं। सिंगापुर एशिया के लिए एक आंत्रपो पत्तन है, रोटरडम यूरोप के लिए और कोपेनहेगेन बाल्टिक क्षेत्र के लिए आंत्रपो पत्तन हैं।
5. **नौ सेना पत्तन** : ये केवल सामाजिक महत्त्व के पत्तन हैं। ये पत्तन युद्धक जहाजों को सेवाएँ देते हैं तथा उनके लिए मरम्मत कार्यशालाएँ चलाते हैं। कोच्चि तथा कारवाड़ भारत में ऐसे पत्तनों के उदाहरण हैं

## अध्याय–10 : मानव बस्ती

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1 | 1 | 1 | 1 |
| ब | 1 | 1 | 1.5 | 1.5 |
| योग | | 2 | | 2.5 |

1. निम्न में से किस प्रकार की बस्तियाँ सडक, नदी या नहर के किनारे होतीहैं–
   (अ) वृत्ताकार (ब) रेखीय
   (स) चौकपट्टी (द) वर्गाकार (ब)
2. निम्न में से कोनसी एक आर्थिक क्रिया ग्रामीण बस्तियों की मुख्य आर्थिक क्रियाहैं–
   (अ) प्राथमिक (ब) तृतीयक
   (स) द्वितीयक (द) चतुथ (अ)
3. निम्न में से किस प्रदेश में प्रलेखित प्राचीनतम नगरीय बस्ती रही हैं–
   (अ) आहड (ब) सिंधुघाटी
   (स) नील घाटी (द) मेसोपोटामिया (ब)
4. वर्ष 2006 के प्रारंभ में भारत में कितन मिलियन सीटी थे–
   (अ) 40 (ब) 41 (स) 42 (द) 43 (अ)
5. विकासशील देशों की जनसंख्या के सामाजिक ढांचे के विकास एवं आवश्यकताओं की पूर्ति में कौनसे प्रकार के संसाधन सहायक हैं–
   (अ) वित्तीय (ब) मानवीय
   (स) प्राकृतिक (द) सामाजिक (द)
6. निम्न में स ग्रामीण बस्तियों का प्रतिरूप हैं–
   (अ) रैखिकप्रतिरूप (ब) वृताकारप्रतिरूप
   (स) ताराप्रतिरूप (द) उपर्युक्तसभी (द)
7. ग्रामीण बस्ती में रहने वाले लोगो का व्यवसाय है–
   (अ) कृषि (ब) पशुपालन
   (स) मछली पकडना (द) उपर्युक्त सभी (द)
8. निम्न में से कोनसी एक समस्या प्रायः ग्रामीण बस्तियों में नहीं पायी जाती हैं–
   (अ) कच्ची सडक (ब) स्वास्थ्य सुविधा
   (स) प्रदूषण (द) इनमें से कोई नहीं (स)
9. 1982 में विश्व में करीब कितने नगर 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाल थे–
   (अ) 175 (ब) 141 (स) 242 (द) 143 (अ)
10. 'सन्नगर' शब्दावली का पयोग 1915 म किस ने किया–
   (अ) लेविसमम फोर्ड (ब) पैट्रिकगिडिज
   (स) कोपेन (द) हेरिहेस (अ)

**लघुतरात्मक–**

प्रश्न 1. आप बस्ती को कैसे परिभाषित करेंगे?

उत्तर– मानव आवासों के संगठित समूह को बस्ती कहा जाताहै। बस्तियों में होन वाले मानवीय व आर्थिक क्रियाकलापों के आधार पर इन्हें ग्रामीण तथा नगरीय बस्तियों में वर्गीकृत किया जाता हैं।

प्रश्न 2. बस्तियों के वर्गीकरण के क्या आधार हैं?

उत्तर– बस्तियों का वर्गीकरण ग्रामीण व नगरीय आधार पर किया जाता हैं।कोई बस्ती ग्रामीण है या नगरीय इसक लिए विभिन्न मापदण्ड अपनाए जाते हैं, जैसे–जनसंख्या का आकार, जनसंख्या का घनत्व, तथा वहाँ होने वाले आर्थिक क्रिया–कलाप इत्यादि।

प्रश्न 3. मानव भूगोल में मानव बस्तियों के अध्ययन का औचित्य क्या है?

उत्तर– मानव भूगोल में अध्ययन का मुख्य केन्द्र मानव व मानवीय क्रिया–कलाप होते हैं। आवास मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकता हैं। बस्ती एकांकी आवास से लेकर ग्राम, पुरवे, कस्बे, नगर, शहर अथवा मेगासिटीकिसी भी रूप मे हा सकते हैं। मानवबस्तियों के अध्ययन से मानव के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक व राजनीतिक विकास का पता चलता हैं और यही मानव भूगोल की विषय वस्तु होती है।

प्रश्न 4 ग्रामीण बस्ती किसे कहते है?

उत्तर– ऐसी बस्तियाँ जिनमें जनसंख्या घनत्व बहुत ही कम होता है साथ ही वहाँ के निवासी प्राथमिक क्रिया–कलापों द्वारा जीविकोपार्जन करते हैं।

प्रश्न 5 नगरीय बस्ती से आप क्या समझते है?

उत्तर–, एसीबस्तियाँ जहाँ जनसंख्या व घनत्व अपेक्षाकृत अधिक होता है और वहाँ के अधिकतर निवासी द्वितीयक, तृतीयक व चतुर्थ श्रेणी के क्रिया–कलापों में संलग्न रहकर अपनी जीविका का उपार्जन करते हैं।

प्रश्न 6 विकासशील देशों में नगरीय बस्तियों की समस्याए लिखिए।

उत्तर– (1) अनियोजित बसावट (2) अधिक जनसंख्या घनत्व से स्लम बस्तियों का विस्तार (3) सामाजिक बुराइयों व अपराध की अधिकता (4) लिंगानुपात असंतुलन (5) पर्यावरणप्रदूषण

प्रश्न 7 **'मेगालोपोलिस'** से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– 'मेगालोपोलिस' एक यूनानी शब्द से बना है जिसका अर्थ है– 'विशालनगर'।
जिसका प्रयोग 1957 में **मेंजीनगोटमेन** ने किया।

प्रश्न 8 **मगासिटी** किसे कहते है?

उत्तर– जिन नगरों की जनसंख्या मुख्य नगर व उपनगरों को मिलाकर एक करोड से अधिक हो, मेगासिटी कहलाती हैं।

प्रश्न 9 **सन्नगर** किसे कहते है?

उत्तर– एसे नगरीय क्षेत्र जो मूलतः दो नगरों या शहरों के मिल जाने से एक विशालनगर बन जाता है। एसा शहर ही सन्नगर कहलाता हैं। जैसे–ग्रेटरलंदन, मेनचेस्टर, शिकागो, टोकियो आदि।

प्रश्न 10 **'अदिसअबाबा'** पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– अदिस अबाबा अफ्रिकी दशइथोपिया की राजधानी है जिसकी स्थापना 1878 में हुई थी। अदिसअबाबा का शाब्दिक अर्थ है– 'नवीनपुष्प' होता है।

प्र. 24 ग्रामीण अधिवासों की मुख्य समस्याए कौनसी है?

उत्तर
1. आवागमन के साधनों का अभाव।
2. स्वच्छ पेयजल का अभाव।
3. विद्युत आपूर्ति का अभाव।
4. रोजगार के अवसर नहीं होना।
5. सूचना तकनीक एवं दुरभाश सुविधाओं का अभाव।

प्र. 28 सन्नगर शब्द का प्रयोग सर्व प्रथम कब व किसने किया?

उत्तर 1915 में, पैट्रिक गिडिज नें।

प्र. 29 भारत में सन्नगर के उदाहरण कौनसे नगर है?

उत्तर ग्वालियर, लश्कर–मुरार, दिल्ली–गुडगांव, दिल्ली–नोएडा

प्र. 30 वृहत नगर/विश्व नगरी किसे कहते है?

उत्तर वे नगर जिनकी जनसंख्या 50 लाख से अधिक हो

प्र. 31 मेगालोपोलिश/विश्व नगर शब्द का प्रयोग सर्व प्रथम कब व किसने किया?

उत्तर सन् 1857 में, जीन गोटमेन ने

प्र. 32 मेगालोपोलिश/वृहत नगर के उदाहरण कौनसे नगर है?

उत्तर ग्रेटर लंदन, टोकियो, पेरिस, न्युयार्क, मास्को, कोलकाता, मुम्बई, दिल्ली, चेन्नई।

प्र. 33 एशिया की सबसे बडी गंदी बस्ती कौनसी है?

उत्तर मुम्बई की धारावी कच्ची बस्ती।

प्र. 34 गंदी बस्तीयों का प्रादुर्भाव क्यों हुआ?

उत्तर नगरो में जनसंख्या तथा घनत्व में वृद्वि होने से आवासीय भवनों की कमी उत्पन्न हो गयी जिसने गंदी बस्तीयों के प्रादुर्भाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्र. 35 भारत में नगरोय बस्ती को परिभाशित किजियें ?

उत्तर जनसंख्या पांच हजार और जनसंख्या घनत्व चार सौ व्यक्ति प्रति वर्ग किमी हो तथा 75 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या गैर कृशि कार्यो में संलग्न हो।

प्र 36 नगरिय बस्तियों की समस्याए लिखिये?

उत्तर

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | अत्यधिक जनसंख्या घनत्व | 2 | नगरो का बढता आकार |
| 3 | गंदी बस्तियों का प्रादुर्भाव | 4 | पर्यावरण प्रदुशण |
| 5 | उपभोक्ता वस्तुओं का उच्च मूल्य | 6 | खाद्यपदार्थो में मिलावट |
| 7 | अपराधो का बढता स्तर | 8 | तीव्र सामाजिक, अर्थिक विशमता |

प्र. 39 ग्रामीण अधिवास के आयताकार व नाभिय प्रतिरूपो चित्र बनाईये?

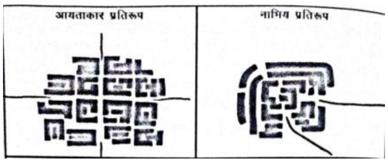


प्र. 40 ग्रामीण अधिवास के वृत्ताकार व तीर प्रतिरूप का चित्र बनाईये?

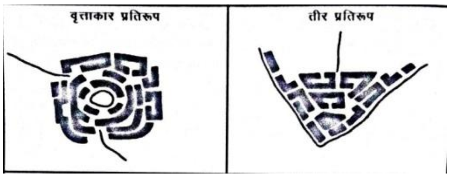


प्र. 41 ग्रामीण अधिवास के अर्धवृत्ताकार व तारा प्रतिरूप का चित्र बनाईये?

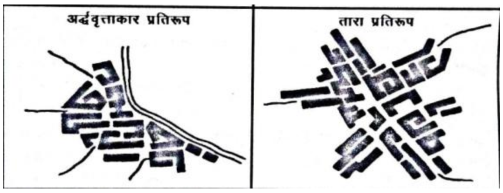


प्र. 42 ग्रामिण अधिवास के रेखीय प्रतिरूप व अरीय प्रतिरूप का चित्र बनाईये?

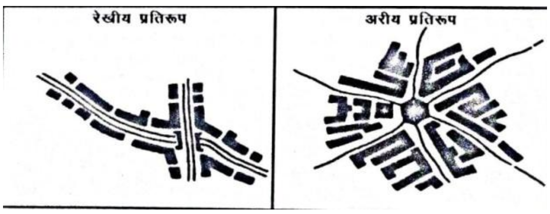


प्र. 43 सघन या गुच्छित ग्रामीण बस्ती की विशशताए लिखिये। (कोई 6)

उत्तर सघन या गुच्छित ग्रामीण बस्ती को विशशताए निम्न लिखित है–

(1) अधिवास प्रायः खेतों के मध्य किसी ऊँचे एवं बाढ़ से सुरक्षित स्थानों पर बसे होते हैं।

(2) सभी आवास पास–पास बने होते हैं।

(3) सभी आवास एक स्थान पर संकेन्द्रित होते हैं एवं बाहरी आक्रमणों का मिलकर मुकाबला करते हैं।

(4) सामाजिक प्रगाढ़ता होने से एक–दूसरे के सुख– दुख में सहभागी होते हैं।

(5) इनमें आवासों की संख्सा 40–50 से लेकर सैंकड़ों तक हो सकती है।

(6) इनकी जनसंख्या उपलब्ध संसाधनों के आधार पर 500 से 1000 या अधिक हो सकती

प्र. 43 नगरीय अधिवासों के प्रकारों के बारें में वर्णन कीजिए।

उत्तर नगरीय अधिवास अपने आकार, उपलब्ध सुविधाओं एवं सम्पादित किये जाने वाले कार्यों एवं जनसख्या के आधार कई नामों से जाने जाते हैं। जो निम्नानुसार है–

(1) **नगर** : एक लाख से अधिक किन्तु दस लाख से कम जनसंख्या वाले अधिवास नगर कहलाते है। इनमें 50 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या गैर प्राथमिक कार्यों में संलग्न होती है। जैसे भारत में राजस्थान का बीकानेर नगर।

(2) **महानगर**: दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले अधिवासों को महानगर कहा जाता है। ये औद्योगिक, व्यापारिक, प्रशासनिक एवं शैक्षिक गतिविधियों के केन्द्र होते हैं। जैसे भारत में जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर। इन्हें मेट्रोसिटी भी कहते हैं।

(3) **सन्नगर** : 1915 में पैट्रिक गिडिज ने इस शब्दावली का प्रयोग किया था। यह विशाल विकसित नगरीय क्षेत्र होते हैं, जो अलग–अलग नगरों या शहरों के आवास से मिलकर विशाल नगरीय क्षेत्र में बदल जात हैं। ग्रेटर लंदन, टोकियो, शिकागो आदि इसके उदाहरण है। भारत में ग्वालियर, लश्कर–मुरार, दिल्ली–गुडगांव, दिल्ली–नोएडा, सन्नगर के उदाहरण है।

(4) **वृहत नगर** : अंग्रेजी में इसे मेगालोपोलिस कहते हैं, जिसका अर्थ विशाल नगर होता है। इसकाप्रयोग सन् 1857 में जीन गोटमेन ने किया था। ये अत्यन्त बड़े नगर होते हैं, जिनकी जनसंख्या 50 लाख से अधिक होती है। इन नगरों को विश्व नगरी भी कहते हैं। जैसे ग्रेटर लंदन, टोकियो, पेरिस, न्यूयार्क, मास्को, बिजिंग, कोलकात्ता, मुम्बई, दिल्ली, चैन्नई आदि।

प्र. 44 नगरीय अधिवासों की समस्यों को बताइये

(1) अत्यधिक जनसंख्या घनत्व एवं नगरों का बढता आकार

(2) गन्दी बस्तियों का प्रादुर्भाव

(3) पर्यावरण प्रदूषण

(4) उपभोक्ता वस्तुओं का उच्च मूल्य

(5) खाद्य पदार्थों में मिलावट

(6) अपराधों का बढ़ता स्तर

(7) तीव्र सामाजिक–आर्थिक विषमता एवं सामाजिक असहयोग

(8) स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं की कमी

# अध्याय–1 : जनसंख्या: वितरण,घनत्व,वृद्धि एवं संघटन

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| ब | 1 | 1 | 1.5 | 1.5 |
| योग | | 1 | | 1.5 |

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग** 30 **शब्दों में दें.**

1) भारत के अत्यन्त उष्ण एवं शुष्क तथा अत्यन्त शीत व आर्द्र प्रदेशों में जनसंख्या का घनत्व निम्न है। इस कथन के दृष्टिकोण से जनसंख्या के वितरण में जलवायु की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: जनसंख्या के वितरण पर जलवायु का गहरा प्रभाव पड़ता है। राजस्थान के अत्यन्त उष्ण व शुष्क प्रदेश , जम्मू कश्मीर,उत्तराखण्ड, सिक्किम ,असम, अरुणाचल प्रदेश के अन्तर्गत शीत तथा मेघालय के अत्यन्त आर्द्र प्रदेशों में जलवायु के अनुकूल न होने के कारण जनसंख्या का घनत्व निम्न है।

2) भारत के किन राज्यों में विशाल ग्रामीण जनसंख्या हैइतनी विशाल ग्रामीण जनसंख्या के लिए उत्तरदायी एक कारण को लिखिए।

उत्तर: भारत के उत्तर प्रदेश ,बिहार ,आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र,म ध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल ,राजस्थान आदि राज्यों में विशाल ग्रामीण जनसंख्या है,क्योंकि इन राज्यों में उपजाऊ मिट्टी,अनुकूल जलवायु तथा सिंचाई की सुविधा के कारण कृषि व्यवसाय को ठोस आधार प्राप्त है।

3) भारत के कुछ राज्यों में अन्य राज्यों की अपेक्षा श्रम-सहभागिता ऊँची क्यों है।

उत्तर: भारत के कुछ राज्यों में सहभागिता-दर अपेक्षाकृत ऊँची है,क्योंकि निर्वाह अथवा लगभग निर्वाह की आर्थिक क्रियाओं के निष्पादन के लिए अनेक कामगारों की आवश्यकता होती है।

4) “कृषि सेक्टर में भारतीय श्रमिकों का सर्वाधिक अंश संलग्न है।” स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: सन् 2011की जनगणना के अनुसार कुल श्रमजीवी जनसंख्या का लगभग 54.6 प्रतिशत कृषक और कृषि मजदूर हैं,अत: कृषि सेक्टर में भारतीय श्रमिकों का सर्वाधिक अंश संलग्न है। इसका कारण यह है कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मूल आधार है।

5) भारत में नियमित रूप से हर 10वर्ष के बाद जनगणना कब से की जा रही है

उत्तर: भारत में नियमित रूप से हर 10वर्ष के बाद जनगणना सन् 1881से की जा रही है।

6) जनसंख्या को प्रभावित करने वाले भौतिक कारक बताइए।

उत्तर: जनसंख्या को प्रभावित करने वाले भौतिक कारक हैं-उच्चावच,जलवायु,मृदा तथा खनिज संसाधन आदि।

7) जनसंख्या का घनत्व क्या है

उत्तर: जनसंख्या का घनत्व वह माप है जो किसी क्षेत्र की जनसंख्या व वहाँ के क्षेत्रफल के बीच आनुपातिक सम्बन्ध को व्यक्त करता है।

8) जनसंख्या घनत्व ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।

उत्तर:

$$\text{जनसंख्या का अंकगणितीय घनत्व} = \frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल क्षेत्रफल}}$$

9) कायिक घनत्व ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।

उत्तर:

$$\text{कायिक घनत्व} = \frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{निवल कृषित क्षेत्र}}$$

10) कृषीय घनत्व ज्ञात करने का सूत्र लिखिए।
उत्तर:

$$\text{कृषीय घनत्व} = \frac{\text{कुल कृषि जनसंख्या}}{\text{निवल कृषित क्षेत्र}}$$

11) जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि से क्या आशय है
उत्तर: यदि समय के दो बिन्दुओं के बीच जनसंख्या में वृद्धि होती है,तो इसे 'जनसंख्या की धनात्मक वृद्धिश कहते हैं।

12) जनसंख्या की ऋणात्मक वृद्धि से क्या आशय है
उत्तर: यदि समय के दो बिन्दुओं के बीच जनसंख्या में कमी होती है,तो इसे 'जनसंख्या की ऋणात्मक . वृद्धिश कहते हैं।

13) जनसंख्या की वृद्धि दर से क्या आशय है
उत्तर: दो समय बिन्दुओं के मध्य जनसंख्या में होने वाले शुद्ध परिवर्तन को 'जनसंख्या की वृद्धि दरश कहते हैं।

14) जनसंख्या वृद्धि के प्रकार बताइए।
उत्तर: जनसंख्या वृद्धि के दो प्रकार हैं

1. धनात्मक वृद्धि एवं
2. ऋणात्मक वृद्धि।

15) किशोर जनसंख्या से जुड़ी प्रमुख समस्याएँ क्या हैं
उत्तर: किशोर जनसंख्या से जुड़ी प्रमुख समस्याएँ हैं

1. विवाह की निम्न आयु
2. निरक्षरता
3. स्कूली शिक्षा का बीच में छूट जाना
4. सन्तुलित भोजन न मिलना
5. शारीरिक व मानसिक अपंगता
6. मदिरापान व धूम्रपान आदि।

16) जनसंख्या संघटन क्या है
उत्तर: जनसंख्या संघटन,जनसंख्या भूगोल में अध्ययन का एक सुस्पष्ट क्षेत्र है जिसमें आयु व लिंग का विश्लेषण,निवास का स्थान,मानव जातीय लक्षण,जनजातियाँ,भाषा,धर्म,वैवाहिक स्थिति,साक्षरता और शिक्षा,न्यावसायिक विशेषताएँ आदि का अध्ययन किया जाता है।

17) निवास स्थान के आधार पर जनसंख्या कितने वर्गों में संयोजित होती है
उत्तर: निवास स्थान के आधार पर जनसंख्या दो वर्गों में संयोजित होती है

17) किशोर जनसंख्या किसे कहते हैं?
उत्तर: भारत में 10से 19वर्ष का आयु वर्ग किशोर जनसंख्या कहलाता है।

18) नगरीकरण से क्या आशय है?
उत्तर: ग्रामीण जनसंख्या से नगरीय जनसंख्या में समाज के बदलने की प्रक्रिया को 'नगरीकरणश कहते हैं।

प्रश्न 1– भारत में आर्थिक कारक किस प्रकार जनसंख्या वितरण के प्रतिरूप को निर्धारित करते हैंउदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: आर्थिक कारकों में द्वितीयक तथा तृतीयक आर्थिक क्रियाएँ शामिल होती हैं। तकनीकी ज्ञान भी आर्थिककारकों का एक प्रमुख अंग हैय इसलिए जहाँ भी इस प्रकार की क्रियाओं पर विकास निर्भर होता है वहाँ अधिक जनसंख्या निवास करती है। औद्योगिक क्षेत्र और नगरीय क्षेत्र इसी कारण अधिक घने बसे होते हैं।जैसे—मुम्बई,कोलकाता,दिल्ली आदि,लेकिन जहाँ कृषि जैसी प्राथमिक क्रियाएँ अधिक पायी जाती हैं और उत्पादन अधिक मात्रा में होता है,वे क्षेत्र भी अधिक घने बसे होते हैंय जैसे—पश्चिमी उत्तर प्रदेश ,हरियाणा ,पंजाब आदि।

प्रश्न 2– जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारक को समझाइए।
उत्तर: जनांकिकीय कारक - जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले जनांकिकीय कारक तीन हैंप्रजनन दर,मृत्यु-दर और प्रवास। प्रजनन दर अधिक और मृत्यु-दर कम होने पर जनसंख्या की वृद्धि होती है। आप्रवासन महानगरों व औद्योगिक क्षेत्रों में विशाल जनसंख्या के संकेन्द्रण का मुख्य कारक है।

प्रश्न 3– जनसंख्या घनत्व और जनसंख्या वितरण के अध्ययन के महत्त्व को समझाइए।

उत्तर: भारत एक विकासशील देश है जो जनांकिकी संक्रमण के विस्फोटक दौर से गुजर रहा है। देश में नई आर्थिकनीति के लागू होने के कारण रोजगार के अवसरों में क्षेत्रीय पुनर्वितरण की प्रवृत्ति चल रही है,इस कारण जनसंख्या का घनत्व और वितरण प्रारूप भी गुणात्मक ढंग से परिवर्तित हो रहा है,अत: देश केयोजनाबद्ध विकास के लिए जनसंख्या के वितरण और घनत्व का समुचित अध्ययन आवश्यक है।

प्रश्न 4–जनसंख्या की धनात्मक एवं ऋणात्मक वृद्धि को समझाइए।

उत्तर: धनात्मक वृद्धि - धनात्मक वृद्धि तब होती है जब दो समय बिन्दुओं के बीच जन्म-दर,मृत्यु-दर से अधिक हो या किसी अन्य देश से लोग आकर बस जाएँ।

ऋणात्मक वृद्धि - यदि दो समय बिन्दुओं के बीच जनसंख्या कम हो जाए तो ऋणात्मक वृद्धि कहते हैं। यह तब होती है जब जन्म-दर,मृत्यु-दर से कम हो या लोग विदेश में जा बसें।

प्रश्न 5– जनसंख्या वृद्धि के घटक बताइए।

उत्तर: जनसंख्या वृद्धि के दो घटक निम्नलिखित हैं

1– प्राकृतिक वृद्धि - दो समय बिन्दुओं में जन्म-दर और मृत्यु-दर के अन्तर से बढ़ने वाली जनसंख्या को उसक्षेत्र की प्राकृतिक वृद्धि कहते हैं।

प्राकृतिक वृद्धि = जन्म - मृत्यु

2– अभिप्रेरित वृद्धि - जनसंख्या वृद्धि के अभिप्रेरित घटकों जैसे प्रवास को किसी दिए गए क्षेत्र में लोगों के अन्तर्वर्ती और बहिर्वर्ती संचालन की प्रबलता द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है।

प्रश्न 6– 1901 से 1921 की अवधि को भारत की जनसंख्या की वृद्धि की स्थिर प्रावस्था क्यों कहा जाता है स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: 1901 से 1921 की अवधि को भारत की जनसंख्या की वृद्धि की स्थिर प्रावस्था कहे जाने के कारण निम्नलिखित हैं

1. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएँ निम्न-स्तरीय थीं।
2. प्रथम विश्वयुद्ध में हजारों भारतीय काम आए।
3. लगातार हो रही फसलों की खराबी से भी अनेक लोग भुखमरी का शिकार हो गए।
4. निरक्षरता भी उच्च जन्म-दरों व मृत्यु-दरों के लिए उत्तरदायी थी।

प्रश्न 7– 1921से 1951के दशकों को भारत में जनसंख्या की स्थिर वृद्धि की अवधि के रूप में क्यों जाना जाता हैस्पष्ट कीजिए।

उत्तर: 1921से 1951के दशकों को भारत में जनसंख्या की स्थिर वृद्धि की अवधि के रूप में जाना जाने के कारण निम्नलिखित हैं

1. इस अवधि में चिकित्सा विज्ञान में हुई उन्नति से अनेक महामारियों पर काफी हद तक काबू पा लिया गया।
2. परिवहन के साधनों के विकास ने अकाल-ग्रस्त क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुँचाने का कार्य आसान कर दिया।
3. कृषीय अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ।
4. जनसंख्या की वृद्धि दर 1941में 1.42से घटकर सन् 1951में 1.33प्रतिशत रह गई।

प्रश्न 8. आर्थिक दृष्टि से भारत की जनसंख्या को कितने वर्गों में बाँटा जाता है

उत्तर: आर्थिक दृष्टि से भारत की जनसंख्या को तीन वर्गों या स्तरों में बाँटा जाता है

1. मुख्य श्रमिक - वह व्यक्ति है जो एक वर्ष में कम-से-कम 183 दिन कार्य करता है। देश की जनसंख्या में 30.5प्रतिशत मुख्य श्रमिक हैं।
2. सीमान्त श्रमिक - वह व्यक्ति है,जो एक वर्ष में 183 दिनों से कम कार्य करता है। देश की जनसंख्या में 8.7प्रतिशत लोग सीमान्त श्रमिक हैं।
3. अश्रमिक - अश्रमिक या गैर-कामगार वह व्यक्ति है जो वर्ष-भर अपनी आजीविका के लिए कोई कार्य नहीं करता।

प्रश्न 9. स्त्रियों की निम्न सहभागिता के प्रमुख कारणों को समझाइए।

उत्तर: स्त्रियों की निम्न सहभागिता के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं

1. संयुक्त परिवार का दायित्व और समय की कमी
2. स्त्रियों में शिक्षा का निम्न स्तर,

3. बारम्बार शिशु जन्म

4. बढ़ती जनसंख्या के कारण रोजगार के सीमित अवसर

5. महिलाओं को घर से बाहर न निकलने देने व उनकी कमाई न खाने जैसे रूढ़िवादी विचार।

प्रश्न 10. भारत के उत्तर-पूर्वी और उत्तरी राज्यों में ग्रामीण जनसंख्या का कृषि पर दबाव अधिक क्यों है

उत्तर: उत्तरी तथा उत्तर-पूर्वी भारत में कृषि पर जनसंख्या का अधिक दबाव है। इसके निम्नलिखित कारण हैं

1. भारत के उत्तरी तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों में ग्रामीण जनसंख्या आज भी लगभग 80प्रतिशत है।
2. इन राज्यों में कृषि योग्य उपजाऊ भूमि है तथा पर्याप्त जलापूर्ति के कारण कृषि सम्भव है।
3. इन राज्यों में कृषि पर निरन्तर दबाव बढ़ता जा रहा है क्योंकि कृषि के अतिरिक्त इन भागों में रोजगार के अवसरकम हैं।

## अध्याय–2 : प्रवास प्रकार, कारण और परिणाम

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| ब | 1 | 1 | 1.5 | 1.5 |
| योग | | 1 | | 1.5 |

प्रश्न भारत की जनगणना मे प्रवास के आकडो की गणना के बारे मे आप क्या जानते है ?

उत्तर भारत में स्वतन्त्रता से पहले ही 1881 की जनगणना मे सर्वप्रथम प्रवासियों के सम्बन्ध में आकड़े एकत्रित किये गये थे । लेकिन स्वतन्त्रता के बाद सर्व प्रथम 1961 की जनगणना में प्रवास के सम्बन्ध मे संशोधन किया गया। जिसमे यदि व्यक्ति अन्य स्थान पर जन्मा है तो जन्म के स्थान की अवधी सम्बन्धित प्रश्न जनगणना मे जोडा गया। इसके बाद 1971 की जनगणना में गणना के स्थान पर रूकने की अवधी को भी इसमें जोडा गया। और 1981 मे प्रवास के कारणों को भी जनगणना में जोडा गया। यानि कोई व्यक्ति किसी अन्य स्थान पर रह रहा है तो उसका कारण क्या है।

प्रश्न वर्तमान समय मे प्रवास की गणना कितने आधारों पर की जाती है और कौन कौन से ?

उत्तर वर्तमान समय मे प्रवास की गणना दो आधारों पर की जाती है–

1 जन्म स्थान के आधार पर 2 निवास स्थान के आधार पर

प्रश्न प्रादेशिक आधार पर प्रवास को कितने भागो में बाट सकते है?

उत्तर प्रादेशिक आधार पर प्रवास को दो भागो में बाट सकते है ।
1 अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास 2 अन्तर्देशीय प्रवास

अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास के अन्तर्गत लोगो का प्रवास विभिन्न देशों में एक देश से दुसरे देश में होता है। जबकि अन्तर्देशीय प्रवास के अन्तर्गत प्रवास एक ही देश मे गॉवो से नगरो या विभिन्न राज्यो मे होता है। अन्तर्देशीय प्रवास को भी हम दो भागों में बांट सकते है।

1. अन्तर्राज्यीय 2. स्थानीय प्रवास

प्रश्न प्रवास के प्रमुख भेद कौन कौन से है।

उत्तर प्रवास के 2 प्रमुख भेद है 1 उत्प्रवास 2 आप्रवास
जिस स्थान से प्रवास होता है उसे हम उत्प्रवास कहते है। अर्थात जिस स्थान को लोग छोडकर चले जाते है उस स्थान को उत्प्रवास कहते है।
इसी प्रकार जिस स्थान पर लोग आकर बसते है उसे आप्रवास कहा जाता है।

प्रश्न प्रवास के कारणों को समझाइये

उत्तर प्रवास के कारणों को व्यवस्थित समझने के लिये इन्हे हम दो भागों में विभाजित करेगें।
1 प्रतिकर्ष कारक– वे कारक जो लोगो को अपने निवास स्थान या उदगम स्थान को छोडकर अन्य स्थान पर चले जाने के लिए उत्तरदायी हाते है। वे सभी कारक प्रतिकर्ष कारक के अन्तर्गत आते है। इन कारकों मे युद्ध, असुरक्षा़, सुनामी, महामारी, राजनैतिक अस्थिरता आदि प्रमुख है।

अपकर्ष कारको के अन्तर्गत वे कारक आते है जो स्थान लागो अपने यहाँ बसने के लिए आकर्षित करते है। इन कारको मे प्रमुख कारक है जैसे – बेहत्तर रोजगार के अवसर, बेहत्तर शिक्षा, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं, राजनैतिक स्थिरता , सुरक्षा, शान्ति, आदि ऐसे कारक है जो लोगो को अपनी ओर आर्कषित करते है।

प्रश्न भारत मे सर्वाधिक पुरूष और स्त्री प्रवास का कारण बताइए?

उत्तर भारत मे सर्वाधिक पुरूष प्रवास का कारण व्यवसाय,काम, या रोजगार है। जबकि स्त्रियों के प्रवास का मुख्य कारण विवाह है। विवाह के बाद स्त्रियां मायके से बाहर जाती है।

प्रश्न मेघालय में स्त्रियों के प्रवास का मुख्य कारण विवाह नही है क्यों?

उत्तर मेघालय में स्त्रियों के प्रवास का मुख्य कारण विवाह नही है। क्योंकि वहाँ विवाह के उपरान्त पुरूष को महिला के घर में रहना पड़ता है। वहाँ गारो खासी जयन्ति आदि जनजातियो मे इस प्रकार की परम्परा है। तो वहॉ पर शादी के बाद पुरूषो का प्रवास होता है।

प्रश्न प्रवास के प्रमुख आर्थिक परिणाम बताइये?

उत्तर जो लोग उद्‌गम स्थान से बाहर जाते है। वो वहाँ से अपने उद्‌गम स्थान की ओर अपने परिश्रम से प्राप्त धनराशि को भेजते है। जिसे हुंडी कहा जाता है। यह राशि उद्‌गम प्रदेश के लिए मुख्य लाभ हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों द्वारा भेजी गई हुंडियाँ विदेशी विनिमय के प्रमुख स्रोत में से एक हैं। पंजाब, केरल और तमिलनाडु अपने अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों से महत्त्वपूर्ण राशि प्राप्त करते हैं।

प्रश्न हुंडियों का प्रयोग मुख्यतः कहॉ किया जाता है?

उत्तर हुंडियों का प्रयोग मुख्यतः भोजन, ऋणों की अदायगी, उपचार, विवाह, बच्चों की शिक्षा, गृह–निर्माण इत्यादि के लिए किया जाता है।

प्रश्न भारतीय प्रसार से हुए प्रवास की तरंगों के बारे में बताइये?

भारतीय प्रसार को हम प्रवास की 3 तरंगों मे बांट सकते है।

1. प्रवास की पहली तरग उपनिवेश काल के दौरान युरोपीय देशो को रोपण कृषि में काम करने के लिये बहुत अधिक मजदुरों की आवश्यकता होती थी। तो इसकी पुर्ति के लिये युरोपीय देशों ने उस समय भारत और अन्य उपनिवेशिक देशो से, मोजांबिक, अंगोला व अन्य देशो मे करारबद्ध लाखो मजदुरों का रोपण कृषि के लिये प्रवास किया। ऐसे सभी प्रवास गिरमिट एक्ट नामक समयबद्ध अनुबंध के तहत आते थे। इन मजदुरो की स्थिति दासो के समान थी। इस काल मे भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश, बंगाल आदि स्थानो से बडी संख्या मे प्रवास हुआ ।
2. प्रवास की दुसरी तरग औद्यौगिक क्रांति के समय हुई। इस समय उद्योगो मे काम करने के लिये कुशल , अर्धकुशल और सैकडो अकुशल श्रमिको का प्रवास उनकी मांग के अनुसार विभिन्न देशो मे हुआ। जहाँ इनमे से कई लोग स्थाई रूप से वही बस गये।
3. प्रवासियों की तीसरी तरंग वर्ष 1960 के बाद भारत से बड़ी संख्या में पश्चिम एशियाई देशों में तेल उत्पादन में श्रमिकों की मांग के कारण अर्द्धकुशल व कुशल श्रमिकों का प्रवास हुआ। इसके अलावा कुछ उद्यमियों, भंडार मालिकों, व्यावसायियों का भी पश्चिमी देशों की ओर प्रवास हुआ। वर्ष 1980 के बाद भारत से डॉक्टरों, सॉफ्टवेयर, अभियंताओं, प्रबंधन एवं वित्तीय विशेषज्ञों तथा संचार माध्यमों से जुड़ें व्यक्तियों का संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड जैसे देशों में प्रवास हुआ।

प्रश्न जनगणना में प्रवास की गणना सम्बन्धित कौन से प्रश्न पूछे जाते है ं?•

उत्तर जनगणना में प्रवास की गणना सम्बन्धित निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाते है ं : •

क्या व्यक्ति इसी गाँव अथवा शहर में पैदा हुआ है? यदि नहीं, तब जन्म के स्थान की स्थिति, ग्रामीण या नगरिय। जिले का नाम और राज्य का नाम। और यदि वह भारत से बाहर का है तो उस देश का नाम जहाँ उसका जन्म हुआ। उसकी सूचना प्राप्त की जाती है।

## अध्याय–4 : मानव विकास

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1 | 1 | 1 | 1 |
| योग | | 1 | | 1 |

प्र0 1. किस मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार, 'प्रगामी लोकतंत्रीकरण और बढ़ता लोक सशक्तीकरण मानव विकास की न्यूनतम दशाएं हैं?

(अ) 1991 (ब) 1993

(स) 1995 (द) 1999 (ब)

प्र0 2. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रथम मानव विकास रिपोर्ट का प्रकाशन कब किया?

(अ) 1991 (ब) 1993

(स) 1995 (द) 1990 (द)

प्र0 3. यू.एन.डी.पी. मानव विकास रिपोर्ट 2017 में भारत का कौनसा स्थान दिया गया?

(अ) 125 (ब) 133

(स) 136 (द) 130 (द)

प्र0 4. भारत में वर्ष 2011–12 में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का कितना प्रतिशत अनुमानित किया गया था?

(अ) 27.9 प्रतिशत (ब) 21.9 प्रतिशत

(स) 26.3 प्रतिशत (द) 23.3 प्रतिशत (ब)

प्र0 5. जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार भारत में कुल साक्षरता दर हैं।

(अ) 73.4 प्रतिशत (ब)74.04 प्रतिशत

(स) 69.66 प्रतिशत (द)77 प्रतिशत (ब)

प्र0 6. मानव विकास सूचकांक में भारत के निम्नलिखित राज्यों में किस एक की कोटि उच्चतम हैं?

(अ) आंध्रप्रदेश (ब) राजस्थान

(स) पंजाब (द) केरल (द)

प्र0 7. 1974 में प्रकाशित 'स्माइल इज ब्यूटीफुल' पुस्तक के लेखक हैं?

(अ) जवाहरलाल नेहरू (ब) श्माकर

(स) ब्रुंडलैंड (द) माल्थस (ब)

प्र0 8 भारत सरकार ने देश को प्रदूषण रहित बनाने के विचार से स्वच्छ भारत अभियान चलाया है जिसका उद्देश्य क्या है?

(अ) स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य देश को खुले में शौच से मुक्ति और नगर निगम के शत–प्रतिशत ठोस कचरे का वैज्ञानिक तरीवेफ से उचित प्रबंध्न, घरों में शौचालय, सामुदायिक शौचालय, सार्वजनिक शौचालय का निर्माण है।

(ब) ग्रामीण भारत में घरों से होने वाले प्रदूषण को कम करने वेफ लिए सा्फ ईंधन के तौर पर एल. पी.जी. को सुलभ करना।

(स) जल से होने वाले रोगों की रोकथाम के लिए प्रत्येक घर मे पीने लायक जल की व्यवस्था करना।

(द) उपयुक्त सभी। (द)

<u>अतिलघुतरात्मक प्रश्नः–</u>

प्र0 1. 1993 की मानव विकास रिपोर्ट में प्रमुख मुद्दे क्या थे?

उत्तर– लोगों की प्रतिभागिता और उनकी सुरक्षा

प्र0 2. जनगणना वर्ष 2011 के अनुसार भारत की महिला साक्षरता दर हैं?

उत्तर– 65.46 प्रतिशत

प्र0 3. स्वच्छ जीवन का सूचक क्या हैं?

उत्तर– रोग और पीड़ा से मुक्त जीवन और यथोचित दीर्घ आयु ही स्वच्छ जीवन का सूचक हैं।

प्र0 4. भारत में किस राज्य की जनसंख्या का उच्चतम अनुपात गरीबी रेखा के नीचे हैं?

उत्तर– भारत में छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश, मणिपुर, ओडिशा तथा दादर एवं नगर हवेली में उनकी 30 प्रतिशत से अधिक नीचे जा रही है।

प्र0 5. वर्ष 2011–12 में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र और शहरी क्षेत्र में कितना हैं?

उत्तर– वर्ष 2011–12 में गरीबी रेखाा से नीचे रहने वाले लोगों का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र 25.7 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र में 13.7 प्रतिशत हैं।

प्र0 6. UNDPपुरा नाम बताइए?

उत्तर– युनाइटेड नेशन डवलपमेंट प्रोग्राम (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम)

प्र0 7. मानव विकास क्या हैं?

उत्तर– मानव विकास, स्वस्थ भौतिक र्प्यावरण से लेकर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता तक सभी प्रकार के मानव विकल्पों को सम्मिलित करते हुए लोगों के विकल्पों में विस्तार और उनके शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तथा सशक्तीकरण के अवसरों में वृद्धि की प्रक्रिया हैं।

# अध्याय–4 : मानव बस्ती

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| ब | 1 | 1 | 1.5 | 1.5 |
| योग | | 1 | | 1.5 |

1. मानव अधिवास से अभिप्राय है? या मानव निवास की मूलभूत ईकाई है –
   (क) कच्चे मकान (झोपड़ी) से (ख) पक्के मकान से
   (ग) आलीशान बंगला (कोठी) से (घ) उपरोक्त सभी (घ)
2. मानव अधिवास का रूप नहीं है?
   (क) मकान (ख) नगर (ग) गांव (घ) गलियां (द)
3. निम्न में से कौनसा नगर नदी तट पर अवस्थित नही हैं ?
   (क) आगरा (ख) पटना (ग) भोपाल (घ) कोलकत्ता (स)
4. भारत की जनगणना के अनुसार निम्न में से कौनसी एक विशेषता नगर की परिभाषा का अंग नही है ?
   (क) जन संख्या धनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.
   (ख) नगर पालिका, निगम का होना ।
   (ग) 75 प्रतिशत से अधिक जन संख्या का प्राथमिक खण्ड में संलग्न होना।
   (घ) जन संख्या आकार 5000 व्यक्तियों स अधिक (ग)
5. निम्नलिखित में से नगरों का कौनसा वर्ग अपने पदानुक्रम के अनुसार क्रमबद्ध है ?
   (क) वृहत मुम्बई, बेगलूरू, कोलकाता, चैन्नई
   (ख) कोलकाता, वृहत मुम्बई, चैन्नई, बेगलूरू
   (ग) दिल्ली, वृहत मुम्बई, चैन्नई, कोलकाता
   (घ) वृहत मुम्बई, कोलकाता, दिल्ली, चैन्नई (ग)
6. मानव बस्ती किसे कहते हैं ?

उत्तर किसी भी प्रकार और आकार के घरों के समूह को मानव बस्ती कहते हैं ।

7. मानव अधिवास उत्पत्ति के आधार पर कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तर दो प्रकार (1) अस्थायी आवास (2) स्थायी आवास

8. अस्थायी आवास बनाने वाली भारतीय जनजाति हैं?

उत्तर नागा जनजाति (पूर्वोत्तर भारत)

9. स्थायी अधिवासो का विकास कब हुआ?

उत्तर स्थायी अधिवासो का विकास स्थायी कृषि के साथ हुआ।

10. गांव किसे कहते हैं?

उत्तर विरल रूप से अवस्थित छोटी बस्तियां जो कृषि अथवा अन्य प्राथमिक क्रियाकलापों में विशिष्टता प्राप्त कर लेती हैं।

11. नगरीय बस्तियां किसे कहते हैं?

उत्तर सघन एवं बडे अधिवास, द्वितीयक और तृतीयक क्रियाकलापों में विशेषीकृत होते है, उन्हे नगरीय बस्तियां कहते हैं ।

12. ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रकारो हेतु उत्तरदायी कारक कौनसे हैं ?
   (1) भू–भाग का भौतिक लक्षण (2) सांस्कृतिक और मानवजनित कारक
   (3) सुरक्षा संबंधी कारक ।
13. भारत की ग्रामीण बस्तियों के मुख्य रूप से कितने प्रारूप हैं ?

उत्तर चार प्रारूप ।

(1) गुच्छित या संकुलित बस्तियां (2) अर्द्ध गुच्छित अथवा विखण्डित ।
(3) पल्लीकृत (4) परिशिप्त अथवा एकाकी बस्तियां

14. गुच्छित बस्तियां भारत में कहां मिलती हैं ?

उत्तर गुच्छित बस्तियां मध्य भारत के बुंदेलखण्ड एवं नागालैण्ड में मिलती है।

15. अर्द्ध गुच्छित बस्तियों का प्रारूप कब विकसित होता हैं ?

उत्तर अर्द्ध गुच्छित बस्तियां किसी बडे संहत गांव के संपृथकन अथवा विखण्डन से विकसित होती हैं ।

16. अर्द्ध गुच्छित बस्तियां कहा पायी जाती हैं ?

उत्तर अर्द्ध गुच्छित बस्तियां गुजरात के मैदान और राजस्थान के कुछ भागो में व्यापक रूप से पायी जाती है।

17. पल्ली बस्तियां किसे कहते हैं ?

उत्तर जब बस्ती भौतिक रूप सक एक दूसरे से पृथक अनेक ईकाईयों में बंट जाती है, किन्तु उन सबका नाम एक रहता है ।

18. पल्ली बस्तियों को स्थानीय स्तर पर किन–किन नामो से जाना जाता हैं ?

उत्तर पल्ली बस्तियों को स्थानीय स्तर पर पान्ना, पाडा, पाली, नगला, ढाणी, मझरा, फला आदि के नाम से जाना जाता है।

19. पल्ली बस्तियां मुख्य रूप से कहां पायी जाती हैं ?

उत्तर पल्ली बस्तियां मुख्य रूप से मध्य और निम्न गंगा के मैदान, छत्तीसगढ और हिमालय की निचली घाटियों में बहुतायत में पाये जाते है।

20. परिक्षिप्त बस्तियों का प्रारूप बताईयें ?

उत्तर परिक्षिप्त बस्तियां (एकाकी बस्ती) सुदूर जंगलो में एकाकी झोपडियों की पल्ली अथवा छोटी पहाडियों की ढालो पर खेतो एवं चरागहो के रूप में मिलती है।

21. परिक्षिप्त बस्तियां कहां पायी जाती हैं ?

उत्तर परिक्षिप्त (एकाकी) बस्तियां भारत के मेघालय, उत्तराखण्ड, हिमालय प्रदेश और केरल के अनेक भागो में पायी जाती है।

22. परिक्षिप्त (एकाकी) बस्तियां किस कारण बनती हैं ?

उत्तर परिक्षिप्त बस्तियां प्रायः भू–भाग और निवास योग्य क्षेत्र के भूमि संसाधन की अत्यधिक विखण्डित प्रकृति के कारण होता हैं ।

23. **गैरिसन नगर** क्या होते हैं?

उत्तर गैरिसन नगर सैनिक छावनी को कहते हैं।

24. भारत के सबसे प्राचीन नगरो के नाम लिखियें?

उत्तर वाराणसी, प्रयाग (इलाहाबाद) पाटलिपुत्र (पटना) मदुरई आदि 2000 वर्ष प्राचीन नगर है।

25. भारत की नगरीय जनसंख्या कितनी है एवं कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत है?

उत्तर भारत की नगरीय जनसंख्या 37.71 करोड एवं 31.16 प्रतिशत (2011) है।

26. भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार नगरो की संख्या कितनी हैं?

उत्तर भारत में कुल नगरो की संख्या 6,171 है।

27. जन संख्या के आधार पर नगरो का वर्गीकरण कीजिये ।

उत्तर

| **जनसंख्या** | **नाम** |
|---|---|
| 100,000 से अधिक | नगर |
| 10 लाख से 50 लाख तक | महानगर |
| 50 लाख से अधिक | मेगानगर |

28. महानगर तथा मेगानगर क्या हैं ?

उत्तर महानगर तथा मेगानगर एक नगरीय संकुल है।

29. नगरीय संकुल में किसका समावेश होना हैं ?

उत्तर (1) एक नगर और उसका संलग्न नगरीय बहिर्बद्ध।
(2) दो अथवा अधिक संस्पर्शी नगर ।

(3) एक अथवा अधिक संलग्न नगरो के बहिर्बद्ध से युक्त एवं संस्पर्शी प्रसार ।

30 प्रशासनिक नगर किसे कहते हैं?

उत्तर उच्चतर क्रम में प्रशासनिक मुख्यालयों (राजधानी) वाले शहरो को प्रशासनिक नगर कहते है। जैसे चण्डीगढ, नई दिल्ली, जयपुर, भोपाल आदि ।

31. परिवहन नगर किसे कहते हैं ?

उत्तर आंतरिक परिवहन की धूरियां जैसे मुगलयसराय, इटारसी कटनी एवं आयात–निर्यात के केन्द्र को पत्तन नगर जैसे मुम्बई, कांडला, कोलकात्ता आदि ।

32. प्रकार्यात्मक क्षेत्र के आधार पर नगरो का वर्गीकरण कीजिये ।

(1) प्रशासनिक नगर (2) औद्योगिक नगर

(3) खनन् नगर (4) परिवहन नगर

(अ) पतन नगर (6) पर्यटन नगर (7) शैक्षिक नगर

33. **स्मार्ट सिटी**मिशन का क्या उद्देश्य हैं ?

उत्तर स्मार्ट सिटी मिशन शहरो को आधार भूत सुविधा, साफ तथा सतत पर्यावरण और अपने नागरिको को बेहतर जीवन प्रदान कराना है। इस योजना में सतत तथा समग्र विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

34. निम्न को सुमेलित कीजिये –

(1) प्रशासनिक नगर – भिलाई

(2) औद्योगिक नगर – चण्डीगढ

(3) शैक्षिक नगर – शिमला

(4) पर्यटन नगर – रूडकी

उत्तर (1) प्रशासनिक नगर – चण्डीगढ

(2) औद्योगिक नगर – भिलाई

(3) शैक्षिक नगर – रूडकी

(4) पर्यटन नगर – शिमला

35 ग्रामीण अधिवासो के मुख्य प्रकार कौनसे है?

उत्तर 1 सघन / गुच्छित / पुंजित / संहत / सकेंन्द्रित / संकुलित अधिवास

2 प्रकीर्ण / एकाकी अधिवास

3 मिश्रित अधिवास / अर्धसघन / अर्धकेन्द्रिय अधिवास

4 पल्ली / पुराना अधिवास

36 गंगा–सतलज के मैदान, मालवा के पठार में किस प्रकार के अधिवास पाये जाते है?

उत्तर सघन अधिवास

37 प्रकीर्ण अधिवास कि प्रमुख विशेशता कौनसी है?

उत्तर अधिवास छितरे हुए तथा बिखरे हुए होते है

38 दक्षिणी राजस्थान के उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, प्रतापगढ तथा मरूस्थलीय प्रदेश में किस प्रकार केअधिवास पाये जाते है?

उत्तर प्रकीर्ण या एकाकी अधिवास।

39 ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में कोई दो आधारभूत अंतर बताइये ?

उत्तर ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में आधारभूत अंतर निम्नलिखित हैं।

| ग्रामीण बस्तियाँ | नगरीय बस्तियाँ |
|---|---|
| ग्रामीण बस्तियाँ अपने जीवन का पोषण अथवा आधारभूत आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति भूमि आधारित प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं से करती हैं | नगरीय बस्तियाँ एक ओर कच्चे माल के निर्माण और तैयार माल के विनिर्माण तथा दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की सेवाओं पर निर्भर करती हैं। |
| ग्रामीण लोग कम गतिशील होते हैं और इसलिए उनमें सामाजिक सबंध घनिष्ठ | नगरीय कुछ में जीवन का ढंग जटिल और तीव्र होता है और सामाजिक संबंध औपचारिक |

| | |
|---|---|
| होते हैं। | होते हैं। |

40 भारत की ग्रामीण बस्तियों के प्रकारों का नाम बताते हुए किसी एक का वर्णन किजिये ?

उत्तर भारत की ग्रामीण बस्तियों को चार प्रकारों में रखा जा सकता है

1. गुच्छित, संकफलित अथवा आवकेंद्रित
2. अर्ध–गुच्छित अथवा विखंडित
3. पल्लीकृत और
4. परिक्षिप्त अथवा एकाकी

**गुच्छित बस्तिया-** गुच्छित ग्रामीण बस्ती घरों का एक संहत अथवा संकुलित रूप से निर्मित क्षेत्र होता है। इसे प्रकार के गाँव में रहन–सहन का सामान्य क्षेत्र स्पष्ट और चारों ओर फेले खेतों, खलिहानों और चरागाहों से पृथक होता है। संकुलित निर्मित क्षेत्र और इसकी मध्यवर्ती गलियाँ कुछ जाने–पहचाने प्रारूप अथवा ज्यामितीय आकृतियाँ प्रस्तुत करते हैं जैसे कि आयताकार, अरीय, रैखिक इत्यादि। ऐसी बस्तियाँ प्रायः उपजाऊ जलोढ़ मैदानों और उत्तर–पूर्वी राज्यों में अध्याय जाती है। कई बार लोग सुरक्षा अथवा प्रतिरक्षा कारणों से संहत गाँवों में रहते हैं, जैसे कि मध्य भारत के बुंदेलखंड प्रदेश और नागालैंड में। राजस्थान में जल के अभाव में उपलब्ध जल संसाधनों के अधिकतम उपयोग ने संहत बस्तियों को अनिवार्य बना दिया है।

**अर्ध–गुच्छित बस्तिया**–अर्ध–गुच्छित अथवा विखंडित बस्तियाँ परिक्षिप्त बस्ती के किसी सीमित क्षेत्र में गुच्छित होने की प्रवृत्ति का परिणाम है। अधिकतर ऐसा प्रारूप किसी बड़े संहत गाँव के संपृथकन अथवा विखंडन के परिणाम स्वरूप भी उत्पन्न हो सकता है। ऐसी स्थिति में ग्रामीण समाज के एक अथवा अधिक वर्ग स्वेच्छा से अथवा बलपूर्वक मुख्य गुच्छ अथवा गाँव से थोड़ी दूरी पर रहने लगते हैं।

**पल्ली बस्तियाँ** –कई बार बस्ती भौतिक रूप से एक–दूसरे से पृथक अनेक इकाइयों में बँट जाती है विंफतु उन सबका नाम एक रहता है। इन इकाइयों को देश के विभिन्न भागों में स्थानीय स्तर पर पान्ना, पाड़ा, पाली, नगला, ढाँणी इत्यादि कहा जाता है। किसी विशाल गाँव का ऐसा खंडीभवन प्रायः सामाजिक एवं मानव जातीय कारकों द्वारा अभिप्रेरित होता है। ऐसे गाँव मध्य और निम्न गंगा के मैदान, छत्तीसगढ़ और हिमालय की निचली घाटियों में

**परिक्षिप्त बस्तियाँ** –भारत में परिक्षिप्त अथवा एकाकी बस्ती प्रारूप सुदूर जंगलों में एकाकी झोंपड़ियों अथवा कुछ झोंपड़ियों की पल्ली अथवा छोटी पहाड़ियों की ढालों पर खेतों अथवा चरागाहों के रूप में दिखाई पड़ता है। विकास के आधार पर भारतीय नगरों को इस प्रकार वर्गीवृफत किया जा सकता है

41 भारतीय नगरों को वर्गीकृत किजिये ? (किसी भी प्रकार के नगरों के दो उदाहरण सम्बन्धित प्रश्न)

उत्तर भारतीय नगरों को मोटे तौर पर निम्नलिखित प्रकार से वर्गीकृत किया जाता है –

**प्रशासन शहर और नगर** –उच्चतर व्रफम के प्रशासनिक मुख्यालयों वाले शहरों को प्रशासन नगर कहते हैं, जैसे कि चंडीगढ़, नई दिल्ली, भोपाल, शिलांग,गुवाहाटी, इंपफाल, श्रीनगर, गांधी नगर, जयुपर, चेन्नई इत्यादि।

**औद्योगिक नगर** –मुंबई, सेलम, कोयंबटूर, मोदीनगर, जमशेदपुर, हुगली, भिलाई इत्यादि के विकास का प्रमुख अभिप्रेरक बल उद्योगों का विकास रहा है।

**परिवहन नगर** –ये पत्तन नगर जो मुख्यतः आयात और निर्यात कार्यों में संलग्न रहते हैं, जैसे कांडला, कोच्चि, कोझीकोड, विशाखापट्नम इत्यादि अथवा आंतरिक परिवहन की धुरियाँ जैसे धुलिया, मुगलसराय, इटारसी, कटनी इत्यादि हो सकते हैं।

**वाणिज्यिक नगर** –व्यापार और वाणिज्य में विशिष्टता प्राप्त शहरों और नगरों को इस वर्ग में रखा जाता है। कोलकाता, सहारनपुर, सतना इत्यादि कुछ उदाहरण हैं।

**खनन नगर** –ये नगर खनिज समृ( कुछ में विकसित हुए हैं जैसे रानीगंज, झरिया, डिगबोई, अंकलेश्वर, सिंगरौली इत्यादि।

**गैरिसन (छावनी) नगर** –इन नगरों का उदय गैरिसन नगरों के रूप में हुआ है, जैसे अंबाला, जालंधर, महू, बबीना, उध्मपुर इत्यादि।

**धार्मिक और सांस्वृफतिक नगर** –वाराणसी, मथुरा, अमृतसर, मदुरै, पुरी, अजमेर, पुष्कर, तिरुपति, कुरुक्षेत्र, हरिद्वार, उज्जैन अपने धार्मिक/सांस्वृफतिक महत्त्व केकारण प्रसिद्ध हुए।

**शैक्षिक नगर** –मुख्य परिसर नगरों में से कफछ नगर शिक्षा वेंफद्रों के रूप में विकसित हुए जैसे रुड़की, वाराणसी, अलीगढ़, पिलानी,इलाहाबाद।

**पर्यटन नगर** –नैनीताल, मसूरी, शिमला, पचमढ़ी, जोधपुर, जैसलमेर, माउंट आबू कुछ पर्यटन गंतव्य स्थान हैं। नगर अपने प्रकार्यों में स्थिर नहीं है उनके गतिशील स्वभाव के कारण प्रकार्यों में परिवर्तन हो जाता है।

42 स्मार्ट सिटी मिशन से आप क्या समझते है ?

उत्तर स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य शहरों को बढ़ावा देना है जो आधरभूत सुविधा, तथा सतत पर्यावरण और अपने नागरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करते हैं। स्मार्ट शहरों की एक विशेषता आधरभूत सुविधओं और सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधनों को लागू करना है। जिससे क्षेत्र को प्राकृतिक आपदाओं के कम जोखिम वाले क्षेत्र के रूप में बनाया जा साथ ही साथ कम संसाधनों का उपयोग तथा सस्ती सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सवेंफ। इस योजना में सतत तथा समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य एक ऐसे सघन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना है जो एक मॉडल के रूप में अन्य बढ़ते हुए शहरों के लिए लाइट हाउस का काम करे।

## अध्याय 5 भूसंसाधन तथा कृषि

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| | 1 | 1 | 4 | 4 |
| योग | | 1 | | 4 |

प्रश्न1 शस्य गहनता से आप क्या समझते हैं

उत्तर: शस्यगहनता -शस्य गहनता सकल फसल गत क्षेत्र तथा शुद्ध बोए गए क्षेत्र का अनुपात होता है। इसे प्रतिशत में व्यक्त किया जाताहै।

$$\text{शस्य गहनता} = \frac{\text{सकल बोया गया क्षेत्र}}{\text{निवल बोया गया क्षेत्र}} \times 100$$

प्रश्न3 आर्द्र कृषि की विशेषताओं को समझाइए।

उत्तर: आर्द्र कृषि की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं

1. आर्द्र कृषि का अभिप्राय सिंचित कृषि से है।
2. यह कृषि 150 से 200 सेमी वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाती है।
3. इस कृषि में ऐसी फसलें उत्पन्न की जाती हैं जिनके लिए अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है जैसे-चावल, चाय, रबड़ आदि।
4. यह कृषि असम, केरल आदि राज्यों में की जातीहै।

प्रश्न4 शुष्क कृषि की विशेषताओं को समझाइए।

उत्तर: शुष्क कृषि की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं

1. शुष्क कृषि 50 से 75 सेमी की वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाती है।
2. इन क्षेत्रों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव होता है।
3. इन क्षेत्रों में ऐसी फसलें बोई जाती हैं जिन्हें कम पानी की आवश्यकता होतीहै।
4. भूमि में नमी बनाए रखने के लिए कृषक अनेक विधियाँ अपनाते हैं।
5. राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों में शुष्क कृषि मुख्य रूप से की जाती है।

प्रश्न6 पश्चिम बंगाल में चावल की फसलों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: पश्चिम बंगाल में चावल की प्रमुख तीन फसलें निम्नलिखित हैं

1. औस – यह मई-जून में बोई जाती है व सितम्बर-अक्टूबर में काटी जाती है।
2. अमन -जून – जुलाई में बोई जाती है व नवम्बर-दिसम्बर में काटी जाती है। यहाँ का 85 प्रतिशत चावल अमन से प्राप्त होता है।
3. बोरो – यह कम उपजाऊ व दलदली भूमि पर नवम्बर-दिसम्बर में बोई जाती है व मार्च-अप्रैल में काटी जाती है।

प्रश्न8 भारत में कृषि उत्पादकता अभी भी कम क्यों है

उत्तर: भारत में कृषि उत्पादकता कम होने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं

1. मानसूनी वर्षा – भारत एक मानसून देश है।मानसून वर्षा की अनियमितता व अनिश्चितता कृषि उत्पादकता कम होने का प्रमुख कारण है।
2. आर्थिक कारक – भारतीय कृषक गरीब हैं,अत :अच्छे बीज, उर्वरक, प्रौद्योगि की आदि का उपयोग नहीं कर पाते हैं।
3. जनसंख्या – जनसंख्या के बढ़ते दबाव के कारण खेतों का छोटा तथा बिखरा होना भी कृषि की निम्न उत्पादकता का कारण है।

4. प्रौद्योगिक कारक – भारत में आज भी परम्परागत तरीकों से कृषि की जाती है। उन्नत प्रौद्योगिकी के अभाव में यहाँ कृषि उत्पादकता कम है।

प्रश्न9 भारत में साझा सम्पत्ति की विशेषताओं काउल्लेखकीजिए।

उत्तर: भारत में साझा सम्पत्ति की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं

1. साझा सम्पत्ति सब की होती है और इसका स्वामित्व राज्य सरकार का होता है।

2. यह भूमि सामुदायिक उपयोग के लिए होती है।

3. सामुदायिक वन, चरागाह, ग्रामीण जलीय क्षेत्र, चौपाल तथा अन्य सार्वजनिक स्थान साझा सम्पत्ति संसाधनों के उदाहरण हैं।

4. इन भूमियों का ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीन छोटे किसानों तथा अन्य आर्थिक दृष्टि से कमजोर तबके के लोगों के गुजर-बसर में विशेष महत्त्व है।

प्रश्न10 भारत में भू-निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी कारकों को समझाइए।

उत्तर: भारत में भू-निम्नीकरण के लिएउत्तरदायी कारक निम्नलिखित हैं

1. जलाक्रान्त (जलभराव) सिंचाई के निम्न क्षेत्रों में जल भराव हो जाता है जिससे भूमि का उपयोग नहीं किया जा सकता।

2. निक्षालन – अत्यधिक वर्षा के कारण भूमि पर निक्षालन की स्थिति बन जाती है जिससे भूमि उपयोग में नहीं लाई जा सकती।

3. मृदा अपरदन – मृदा अपरदन में कृषि योग्य भूमि की मृदा पवन तथा जल द्वारा बह जाती है और भूमि अनुपयोगी हो जाती है।

4. रासायनिक पदार्थों का प्रयोग – कृषि में प्रयोग में लाए गए रासायनिक पदार्थ तथा अन्य तत्त्व भूमि निम्नीकरण में सहायक हैं।

प्रश्न11 खाद्यान्न व खाद्य फसलों में अन्तर कीजिए।

उत्तर: खाद्यान्न – जिन अनाजों का उपयोग भोजन के लिए किया जाता है उन्हें खाद्यान्न कहते हैं। गेहूँ, चावल, ज्वार, बाजरा आदि को खाद्यान्न कहते हैं।

खाद्य फसलें – खाद्य फसलों में वे फसलें शामिल हैं जिनसे खाने के लिए अनेक प्रकार की सामग्री मिलती हैं। अनाज, दालें, तिलहन तथा सब्जियाँ आदि खाद्य फसलें हैं।

प्रश्न12 गन्ने का उत्पादक क्षेत्र उत्तरी भारत में संकेन्द्रित क्यों है

उत्तर: गन्ने के उत्पादक क्षेत्र के उत्तरी भारत में संकेन्द्रित होने के कारण-मुख्य रूप से भारत में गन्ना $8^0$ से $32^0$ उत्तरी अक्षांशों के मध्य बोया जाता है। यद्यपि दक्षिण भारत में तापमान की दशाएँ गन्ने की कृषि के लिए अत्यन्त उपयुक्त है तथा पिनमी के कारण यहाँ की फसल सामान्य नहीं होती। केरल के तटीय मैदान जलवायु की दृष्टि से गन्ने की कृषि के लिए श्रेष्ठ हैं। इसी तरह कृष्णा और गोदावरी नदियों के डेल्टा प्रदेश सिंचाई की सुविधाओं और उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी के कारण गन्ने के लिए बहुत उपयुक्त हैं, लेकिन यहाँ प्राय : चक्रवात आते रहते हैं जिससे गन्ने की फसल को हानि होती है। गन्ने की कृषि में दक्षिणीभारत की तुलना में उत्तरी भारत में लागत कम आती है। यही कारण है कि गन्ने के उत्पादक क्षेत्र उत्तरी भारत में संकेन्द्रित हैं।

प्रश्न13 बंजर भूमि तथा कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर: बंजर भूमि – यह अनुपजाऊ भूमि है, जो कृषि योग्य नहीं है। ऐसी भूमि पहाड़ों, मरुस्थलों, खड्ड आदि में होती है।

कृषि योग्य व्यर्थ भूमि – इस वर्ग में उस भूमि को शामिल किया जाता है, जिस पर पिछले पाँच वर्षों अथवा इससे अधिक समय तक कृषि नहीं की गई है।आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग से इसे कृषि योग्य बनाया जा सकता है।

प्रश्न14 निवल बोया गया क्षेत्र तथा सकल बोया गया क्षेत्र में अन्तर बताएँ।

उत्तर: निवल बोया गया क्षेत्र – वर्ष में फसलगत क्षेत्र को निवल बोया गया शुद्ध क्षेत्र कहतेहैं। सकल बोया गया क्षेत्र – निवल बोया गया क्षेत्र तथा एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र का योग सकल बोया गया क्षेत्र होता है।

प्रश्न15 भारत जैसे देश में गहन कृषि नीति अपनाने की आवश्यकता क्यों है

उत्तर: जनसंख्या वृद्धि के कारण अधिक अन्न उत्पादन करने के लिए फसल गहनता में वृद्धि की विधि आवश्यक है। इस विधि के द्वारा भूमि की कम मात्रा में एक वर्ष में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

प्रश्न16 शुष्क कृषि तथा आर्द्र कृषि में क्या अन्तर है

उत्तर: सामान्यतः 75 सेमी से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में शुष्क कृषि तथा इससे अधिक वर्षा वाले प्रदेशों में आर्द्र कृषि की जाती है।

<u>निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें.</u>

प्रश्न1 भारत में भू-संसाधनों की विभिन्न प्रकार की पर्यावरणीय समस्याएँ कौन-सी हैं उनका निदान कैसे किया जाए

उत्तर: कृषि भूमि पर बढ़ते दबाव के कारण कई तरह की पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं। ये समस्याएँ हैं.

1 अनियमित मानसून पर निर्भरता – देश के कृषि क्षेत्र के केवल एक-तिहाई भाग को सिंचाई सुविधा प्राप्त है। दो-तिहाई कृषि क्षेत्र फसलों के उत्पादन के लिए सीधे-सीधे वर्षा पर निर्भर करता है। देश के अधिकांश भागों में वर्षा मानसून पवनों से होती है। यह मानूसनी वर्षा भी अनियमित व अनिश्चित होती है जिससे सिंचाई के लिए उपलब्ध नहरों के जल की आपूर्ति प्रभावित होती है।

समस्या का निदान – देश में सिंचाई सुविधाओं के विकास पर जोर दिया जाना चाहिए।

2 बाढ़ तथा सूखा – सूखा व बाढ़ भारतीय कृषि के लिए जुड़वाँ संकट बने हुए हैं। कम वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में सूखा तो आम बात है ही, लेकिन यहाँ कभी-कभी बाढ़ भी आ जाती है। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में जहाँ कृषि निम्न अवस्था में होती है, वहीं दूसरी तरफ बाढ़ कृषि अवसंरचना को नष्ट प्राय कर देती है और करोड़ों रुपये की फसलें भी बहा ले जाती है।

प्रश्न2 भारत में स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात्कृषि विकास की महत्त्वपूर्ण नीतियों का वर्णन करें।

उत्तर: स्वतन्त्रता प्राप्ति के तुरन्त बाद सरकार ने खाद्यान्नों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए। इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित तीन रणनीतियाँ अपनाई गईं

1. व्यापारिक फसलों के स्थान पर खाद्यान्नों की कृषि को प्रोत्साहन देना।
2. कृषि गहनता को बढ़ाना।
3. कृषि योग्य बंजर तथा परती भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करना।

प्रश्न 3 भारत में चावल के उत्पादन क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: चावल, भारत की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है। यह मानूसनी प्रदेशों की फसल है। यहीं इसके पनपने की आदर्श दशाएँ पायी जाती हैं। चावल भारत में लगभग तीन-चौथाई मनुष्यों का भोज्य पदार्थ है। भारत में चावल के प्रमुख उत्पादन क्षेत्र इस प्रकार हैं.

1 पश्चिम बंगाल – यह भारत का प्रमुख चावल उत्पादन करने वाला राज्य है। यहाँ बाढ़ के कारण भूमि अधिक उपजाऊ होने से खाद देने की कम आवश्यकता होती है, लेकिन कभी-कभी फसल को बाढ़ से हानि भी होती है। यहाँ के मुख्य उत्पादक जिले कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, बांकुड़ा, मिदनापुर, दिनाजपुर, बर्द्धमान और दार्जिलिंग हैं। यहाँ चावल की तीन फसलें पैदा की जाती हैं।

2 असम – यहाँ पर चावल की कृषि ब्रह्मपुत्र और सुबनसिरी नदी की घाटियों में तथा पहाड़ी ढालों पर सर्वत्र की जाती है। यहाँ चावल की तीन फसलें पैदा की जाती हैं। गोलपाड़ा, नवगाँव, कामरूप, धरांग, शिवसागर, लखीमपुर आदि प्रमुख उत्पादक जिले हैं।

3 बिहार – यहाँ पर वर्ष में चावल की दो फसलें पैदा की जाती हैं। गया, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और पूर्णिया आदि प्रमुख उत्पादक जिले हैं।

4 उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड – उत्तर प्रदेश में पीलीभीत, सहारनपुर, देवरिया, गोंडा, बहराइच, बस्ती, रायबरेली, बलिया, लखनऊ और गोरखपुर मुख्य उत्पादक जिले हैं।

उत्तराखण्ड में हिमालय की तराई में देहरादून में चावल की खेती अत्यधिक होती है। देहरादून का बासमती चावल स्वाद एवं सुगन्ध की दृष्टि से सर्वत्र प्रसिद्ध है।

5 महाराष्ट्र – यहाँ अधिकांश चावल पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढाल और समुद्र तटीय भागों में थाना, कोलाबा, रत्नागिरि, कनारा तथा कोंकण तट पर पैदा किया जाता है।

6 तमिलनाडु – यहाँ देश के कुल उत्पादन का 5.10 प्रतिशत चावल प्राप्त होता है। यहाँ चावल की दो फसलें पैदा की जाती हैं। यहाँ के मुख्य उत्पादक तिरुचिरापल्ली, रामनाथपुरम, थंजावूर, चिंगलपुर, उत्तरी और दक्षिणी अर्काट, मदुरै, सेलम, कोयम्बटूर और नीलगिरि जिले हैं।

7 आन्ध्र प्रदेश – यहाँ से देश का 1236 प्रतिशत चावल प्राप्त होता है। यहाँ भी दो फसलें प्राप्त की जाती हैं। प्रमुख उत्पादक जिले विशाखापत्तनम, कृष्णा, गुण्टूर, श्रीकाकुलम, नेल्लौर, चित्तूर, कडुप्पा, कुर्नूल, अनन्तपुर, पूर्वी और पश्चिमी गोदावरी हैं।

8 अन्य – भारत में चावल उत्पादन के प्रमुख अन्य राज्य कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, राजस्थान, ओडिशा आदि हैं।

प्रश्न 4 भारत में गेहूँ के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: भारत में चावल के बाद गेहूँ दूसरा प्रमुख अनाज है। भारत, विश्व का 12 प्रतिशत गेहूँ उत्पादन करता है। इसे रबी की ऋतुओं में बोया जाता है।

भारत में गेहूँ के प्रमुख उत्पादन क्षेत्र इस प्रकार हैं.

1 उत्तर प्रदेश – दक्षिण की पहाड़ी और पठारी भूमि को छोड़कर उत्तर प्रदेश में सर्वत्र गेहूँ की कृषि होती है। गेहूँ में अधिकांश क्षेत्रफल गंगा, यमुना, घाघरा नदियों के बीच के क्षेत्रफल में पाया जाता है। मेरठ, बुलन्दशहर, आगरा, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, इटावा, फर्रुखाबाद, बदायूँ, कानपुर, फतेहपुर आदि जिलों की लगभग एक-तिहाई कृषि योग्य भूमि पर केवल गेहूँ की कृषि होती है।

2 पंजाब – यहाँ अमृतसर, लुधियाना, गुरुदासपुर, पटियाला, संगरूर, भटिण्डा, जालन्धर तथा फिरोजपुर मुख्य गेहूँ उत्पादक जिले हैं जहाँ नहरों की सहायता से सिंचाई की समुचित व्यवस्था है।

3 हरियाणा – रोहतक, अम्बाला, करनाल, जींद, हिसार तथा गुरुग्राम में गेहूँ की कृषि सिंचाई द्वारा की जाती है।

4 मध्य प्रदेश – यहाँ के मैदानी क्षेत्रों में तापी, नर्मदा, लबा, गंजल, हिरण आदि नदियों की घाटियों और मालवा पठार की काली मिट्टी के क्षेत्रों में सिंचाई द्वारा गेहूँ पैदा किया जाता है। होशंगाबाद, टीकमगढ़, इन्दौर, सागर, सिहोर, मण्डला, गुना, विदिशा, भिण्ड, रायसेन, छतरपुर, ग्वालियर, नीमच, उज्जैन, भोपाल, देवास, रीवा और जबलपुर मुख्य उत्पादक जिले हैं।

5 अन्य – भारत में अन्य प्रमुख गेहूँ उत्पादक राज्य गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, बिहार, राजस्थान एवं जम्मू-कश्मीर आदि हैं।

प्रश्न 6 भारत में भू-निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी कारकों को समझाइए।

उत्तर: भारत में भू-निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी कारक निम्नलिखित हैं

- जलाक्रान्ति) जल भराव – (सिंचाई के निम्न क्षेत्रों में जल भराव हो जाता है जिससे भूमि का उपयोग नहीं किया जा सकता।
- निक्षालन – अत्यधिक वर्षा के कारण भूमि पर निक्षालन की स्थिति बन जाती है जिससे भूमि उपयोग में नहीं लाई जा सकती।
- मृदाअपरदन – मृदाअपरदन में कृषि योग्य भूमि की मृदा पवन तथा जल द्वारा बह जाती है और भूमि अनुपयोगी हो जाती है।
- रासायनिक पदार्थों का प्रयोग – कृषि में प्रयोग में लाए गए रासायनिक पदार्थ तथा अन्य तत्त्व भूमि निम्नीकरण में सहायक हैं।

प्रश्न 7 भूराजस्व अभिलेख द्वारा अपनाया गया भू–उपयोग वर्गीकरण प्रस्तुत करते हुए वर्णन किजिए?

उत्तर भूराजस्व अभिलेख द्वारा अपनाया गया भू–उपयोग वर्गीकरण निम्न प्रकार हैμ

(i) वनों के अधीन क्षेत्र (Forest) : यह जानना आवश्यक है कि वर्गीकृत वन क्षेत्रा तथा वनों के अंतर्गत वास्तविक क्षेत्र दोनों पृथक हैं। सरकार द्वारा वर्गीकृत वन क्षेत्रा का सीमांकन इस प्रकार किया जहाँ वन विकसित हो सकते हैं। भूराजस्व अभिलेखों में इसी परिभाषा को सतत अपनाया गया है। इस प्रकार इस संवर्ग के क्षेत्रफल में वृद्धि दर्ज हो सकती है परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि वहाँ वास्तविक रूप से वन पाए जाएँगे।

(ii) बंजर व व्यर्थ–भूमि (Barren and wastelands) : वह भूमि जो प्रचलित प्रौद्योगिकी की मदद से कृषि योग्य नहीं बनाई जा सकती, जैसेμ बंजर पहाड़ी भूभाग, मरुस्थल, आदि को कृषि अयोग्य व्यर्थ–भूमि में वर्गीकृत किया गया है

(iii) गैर कृषि–कार्यों में प्रयुक्त भूमि (Land put to Non-agricultural uses) : इस संवर्ग में बस्तियाँ ;ग्रामीण व शहरी अवसंरचना ;सड़कें, नहरें आदि उद्योगों, दुकानों आदि हेतु भू–उपयोग सम्मिलित हैं। द्वितीयक व तृतीयक कार्यकलापों में वृद्धि से इस संवर्ग के भ्–उपयोग में वृद्धि होती है।

(iv) स्थायी चरागाह क्षेत्रा (Permanent pastures) : इस प्रकार की अधिकतर भूमि पर ग्राम पंचायत या सरकार का स्वामित्व होता है। इस भूमि का केवल एक छोटा भाग निजी स्वामित्व में होता है। ग्राम पंचायत के स्वामित्व वाली भूमि को 'साझा संपत्ति संसाधन' कहा जाता है।

(v) विविध तरु–फसलों व उपवनों के अंतर्गत क्षेत्र (Area under miscellaneous tree crops and groves) : ;(जो बोए गए निवल क्षेत्रा में सम्मिलित नहीं है)μ इस संवर्ग में वह भूमि सम्मिलित है जिस पर उद्यान व फलदार वृक्ष हैं। इस प्रकार की अधिकतर भूमि व्यक्तियों के निजी स्वामित्व में है।

(vi) कृषि योग्य व्यर्थ भूमि (Culturable waste land) : वह भूमि जो पिछले पाँच वर्षों तक या अधिक समय तक परती या कृषिरहित है, इस संवर्ग में सम्मिलित की जाती है। भूमि उद्धार तकनीक द्वारा इसे सुधार कर कृषि योग्य बनाया जा सकता है।

(vii) वर्तमान परती भूमि (Current fallow) : वह भूमि जो एक कृषि वर्ष या उससे कम समय तक कृषिरहित रहती है, वर्तमान परती भूमि कहलाती है। भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु भूमि का परती रखना एक सांस्कृतिक चलन है। इस विधि से भूमि की क्षीण उर्वरकता या पौष्टिकता प्राकतिक रूप से वापस आ जाती है।

(viii) पुरातन परती भूमि (Fallow other than current fallow) : यह भी कृषि योग्य भूमि है जो एक वर्ष से अधिक लेकिन पाँच वर्षों से कम समय तक कृषिरहित रहती है। अगर कोई भूभाग पाँच वर्ष से अधिक समय तक कृषि रहित रहता है तो इसे कृषि योग्य व्यर्थ भूमि संवर्ग में सम्मिलित कर दिया जाता है।

(ix) निवल बोया क्षेत्र (Net area sown) : वह भूमि जिस पर फसलें उगाई व काटी जाती हैं, वह निवल बोया गया क्षेत्र कहलाता है।

प्रश्न 8 भू–उपयोग को प्रभावित करने वाले अर्थव्यवस्था के तीन परिवर्तन कौन कौन से है?

उत्तर भू–उपयोग को प्रभावित करने वाले अर्थव्यवस्था के तीन परिवर्तन निम्न प्रकार से हैंμ

(i) अर्थव्यवस्था का आकार ;जिसे उत्पादित वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य के संदर्भ में समझा जाता है, समय के साथ के साथ बढ़ता हैय जो बढ़ती जनसंख्या, बदलते आय–स्तर, उपलब्ध प्रोद्योगिकी व इसी से मिलते–जुलते कारकों पर निर्भर है। परिणामस्वरूप समय के साथ भूमि पर दबाव बढ़ता है तथा सीमांत भूमि को भी प्रयोग में लाया जाता है।

(ii) दूसरा, समय के साथ अर्थव्यवस्था की संरचना में भी बदलाव होता है। दूसरे शब्दों में, द्वितीयक व तृतीयक सेक्टरा में, प्राथमिक सेक्टर की अपेक्षा अधिक तीव्रता से वृद्धि होती है। इस प्रकार के परिवर्तन भारत जैसे विकासशील देश में एक सामान्य बात है। इस प्रकिया में धीरे–धीरे कृषि भूमि गैर–कृषि संबंधित कार्यों में प्रयुक्त होती है। आप पाएँगे कि इस प्रकार के परिवर्तन शहरों के चारों तरफ अधिक तीव्र हैं जहाँ कृषि भूमि को इमारतों के लिए उपयोग किया जा रहा है।

(iii) तीसरा, यद्यपि समय के साथ, कृषि क्रियाकलापों का तीसरा, यद्यपि समय के साथ, कृषि क्रियाकलापों का अर्थव्यवस्था में योगदान कम होता जाता है, भूमि पर कृषि क्रियाकलापों का दबाव कम नही होता कृषि भूमि पर बढ़ते दबाव के कारण हैं–

(अ) प्रायः विकासशील देशों में कृषि पर निर्भर व्यक्तियों का अनुपात अपेक्षाकृत धीरे–धीरे घटता है जबकि कृषि का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान तीव्रता से कम होता ळें

(ब) वह जनसंख्या जो कृषि सेक्टर पर निर्भर होती है । प्रतिदिन बढ़ती ही जाती है।

प्रश्न 9 वन क्षेत्रों, गैर–कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि, वर्तमान परती भूमि निवल बोया क्षेत्र आदि के अनुपात में वृद्धि हुई है। इस वृद्धि के क्या कारण हो सकते हैं :

उत्तर वन क्षेत्रों, गैर–कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि, वर्तमान परती भूमि निवल बोया क्षेत्र आदि के अनुपात में वृद्धि हुई है। इस वृद्धि के निम्न कारण हो सकते हैं :

(i) गैर–कृषि कार्यों में प्रयुक्त क्षेत्रा में वृद्धि दर अधिकतम है। इसका कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की बदलती संरचना है, जिसकी निर्भरता औद्योगिक व सेवा सेक्टरों तथा अवसंरचना संबंधी विस्तार पर उत्तरोत्तर ब वृद्धि हुई हैं। अतः गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि का प्रसार कृषि योग्य परंतु व्यर्थ भूमि तथा कृषि भूमि की हानि पर हुआ है।

(ii) जैसा कि पहले वर्णन किया गया है कि देश में वन क्षेत्र में वृद्धि सीमांकन के कारण हुई न कि देश में वास्तविक वन आच्छादित क्षेत्र के कारण।

(iii) वर्तमान परती भूमि में वृद्धि को दो कारणों से समझा जा सकता हैμ वर्तमान परती क्षेत्र में समयानुसार काफी उतार–चढ़ाव की प्रवृत्ति रही है, जो वर्षा की अनियमितता तथा फसल चक्र पर निर्भर है।

(iv) कृषि हेतु कृषि योग्य व्यर्थ भूमि के उपयोग के कारण निवल बोए गए क्षेत्र में वृद्धि एक वर्तमान घटना है। इससे पहले निवल बोए गए क्षेत्र में धीमी गति से हास दर्ज किया जाता रहा। ऐसे संकेत हैं कि निवल बोए गए क्षेत्र में न्यूनता का कारण गैर कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि के अनुपात में वृद्धि थी

## अध्याय–6 : जल संसाधन

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1+1 | 2 | 1 | 2 |
| योग | | 2 | | 2 |

प्रश्न 1 भविश्य में मानव समाज किन परिवर्तनों का साक्षी होगा?

उत्तर भविश्य म मानव समाज जनांकिकीय परिवर्तन, जनसंख्या स्थानांतरण, प्रौद्योगिकी उन्नति, पर्यावरणीय निम्नीकरण एवं जल अभाव आदि परिवर्तनों का साक्षी होगा।

प्रश्न 2 जल अभाव निकट भविश्य में बड़ी चुनौती बनकर उभरने की सभावना क्यों व्यक्त की जा रही है?

उत्तर जल निरंतर बढ़ती माँग,अतिउपयोग व प्रदूशण व घटती आपूर्ति के कारण जल अभाव निकट भविश्य में बड़ी चुनौती बनकर उभरने की संभावना है।

प्रश्न 3 जल संसाधन क्या है?

उत्तर धरातल के उपर व भूगर्भ के आंतरिक भागों में पाए जाने वाले समस्त जल भण्डारों को जल संसाधन कहते हैं।

पश्न 4 पृथ्वी के धरातल का कितने प्रतिशत भाग जल से आच्छादित है?

उत्तर 71 प्रतिशत भाग

प्रश्न 5 पृथ्वी के धरातल पर कुल जल का कितने प्रतिशत भाग अलवणीय जल है?

उत्तर 3 प्रतिशत

प्रश्न 6 भारत विश्व के धरातलीय क्षेत्रफल का लगभग कितना प्रतिशत है?

उत्तर 2.45 प्रतिशत

प्रश्न 7 भारत में विश्व के जलसंसाधन का कितना प्रतिशत जल संसाधन उपलब्ध है?

उत्तर 4 प्रतिशत

प्रश्न 8 विश्व जनसंख्या की कितनी प्रतिशत जनसंख्या भारत में अध्याय जाती है?

उत्तर 16 प्रतिशत

प्रश्न 9 देश में एक वर्श में वर्शण से कुल कितना जल प्राप्त होता है?

उत्तर 4000 घन कि.मी.

प्रश्न 10 भारत में धरातलीय और पुनः पूर्तियोग्य भौमजल से कितना जल उपलब्ध है?

उत्तर 1869 घन कि.मी.

प्रश्न 11 देश में कुल उपयोगी जल संसाधन कितना है?

उत्तर 1122 घन कि.मी.

प्रश्न 12 धरातलीय जल के मुख्य स्त्रोत कौनसे हैं?

उत्तर नदियाँ, झोलें, तलैया, तालाब

प्रश्न 13 देश में कुल नदियों एवं उन सहायक नदियों जिनकी लंबाई 1.6 किमी से अधिक है की संख्या कितनी है?

उत्तर 10,360

प्रश्न 14 भारत में सभी नदी बेसिनों का औसत वार्शिक प्रवाह कितना है?

उत्तर 1869 घन किमी

प्रश्न 15 धरातलीय जल का कितना भाग उपयोग किया जा सकता हैं?

उत्तर 32 प्रतिशत भाग 690 घन किमी

प्रश्न 16 भारत में किन नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र बहुत बड़े हैं?

उत्तर गंगा, ब्रह्मपुत्र, सिंधु

प्रश्न 17 भारत में किन नदियों के जलग्रहण क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र के एक तिहाई भाग पर विस्तृत हैं?

उत्तर भारत में गंगा, ब्रह्मपुत्र, और बराक नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र देश के एक तिहाई भाग पर विस्तृत है जिनमें देश के कुल जल संसाधन का 60 प्रतिशत जल मिलता है?

प्रश्न 18 दक्षिणी भारतीय किन नदियों के वार्शिक जल प्रवाह का अधिकांश भाग को उपयोग में लिया जाता है?

उत्तर गोदावरी, कृश्णा, कावेरी

प्रश्न 19 देश में कुल पुनः पूर्तियोग्य भौमजल संसाधन कितना हैं ?

उत्तर 432 घन किमी

प्रश्न 20 भौमजल उपयोग के आधार पर कितनी श्रेणियाँ है व इनमें कौनसे राज्य सम्मिलित है

उत्तर
(1) बहुत अधिक उपयोग वाले राज्यपंजाब, हरियाणा, राजस्थान, तमिलनाडु।
(2) मध्यम उपयोग वाले राज्यगुजरात, उ0प्रदेश, बिहार, त्रिपुरा, महाराश्ट्र।
(3) बहुत कम उपयोग वाले राज्य छतीसगढ़, ओडीशा, केरल।

प्रश्न 21 लैगून किसे कहते है?

उत्तर जब किसो सागरीय तट की ओर निकले दो शेर्श भागों को या खाड़ी के अग्र सिरों को कोई रोधिका इस तरह जोडती है कि तट तथा रोधिका के मध्य सागरीय जल आवागमन लगभग बंद हो जाता है तो ऐसी आकृति को लैगून कहते हैं।

प्रश्न 22 पश्चजल किसे कहते हैं ?

उत्तर जल को उसके मार्ग में बाँध बनाकर अवरूद्ध किया जाना तथा बाँध के पीछे से एकत्रित जल को पश्चजल कहते हैं ?

प्रश्न 23 भारत में लैगून व पश्चजल कहाँ पाए जाते हैं?

उत्तर केरल, उड़ीसा व पश्चिमी बगाल में मुख्य रूप से लैगून व पश्च जल पाए जाते हैं।

प्रश्न 24 लैगून व पश्चजल के उपयोग लिखिए

उत्तर यद्यपि इनका जल खारा होता है पर इनका उपयोग मछली पालन, चावल की कुछ निश्चित किस्मों एवं नारियल की सिंचाई में किया जाता है।

प्रश्न 25 भारत की प्रमुख बहुउद्देशीय नदी ाटी परियोंजनाओं के नाम लिखों

उत्तर भाखडा नाँगल, हीराकुण्ड ,दामोदर घाटी, नागार्जुन सागर तथा इंदिरा गांधी नहर परियोजना है।

प्रश्न 26 धरातलीय एवं भौम जल का सबसे अधिक उपयोग किस क्षेत्र में होता है।

उत्तर धरातलीय जल का 89 प्रतिशत व भौमजल का 92 प्रतिशत कृशि क्षेत्र में उपयोग होता है।

प्रश्न 27 भारत में औद्योगिक क्षेत्र में धरातलीय एवं भौमजल कितना प्रतिशत उपयोग होता है?

उत्तर औद्योगिक क्षेत्र में धरातलीय जल का 2 प्रतिशत एवं भौम जल का 5 प्रतिशत भाग उपयोग होता है।

प्रश्न 28 भविश्य में विकास के साथ किन क्षेत्र में जल का उपयोग बढ़ने की संभावना है?

उत्तर औद्योगिक व घरेलू

प्रश्न 29 सिंचाई व्यवस्था का सबसे बडा लाभ क्या है?

उत्तर बहुफसलीकरण

प्रश्न 30 सिंचाई से क्या तात्पर्य है?

उत्तर वर्शा की कमी या अभाव के कारण शुश्क मौसम में खेतों में कृत्रिम ढंग से जल आपूर्ति की क्रिया सिंचाई कहलाती है।

प्रश्न 31 भारत मे सिंचाई की आवश्यकता क्यों है ?

उत्तर
(1) देश में वर्शा के स्थानिक व सामयिक परिवर्तिता के कारण।
(2) अधिकांश भाग वर्शा विहीन व सूखा ग्रस्त होने से (इनमें उत्तर पश्चिमी भाग व दक्कन का पठार प्रमुख ह।
(3) अधिकाश भागों में शीत व ग्रीश्म मे शुश्कता होने से।
(4) पर्याप्त वर्शा वालें क्षेत्र जैसे पश्चिमी बंगाल, बिहार में भी मानसून में अवर्शा एवं वर्शा की असफलता से सूखा जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है।
(5) चावल, जूट,गन्ना हेतू अत्यधिक जल की आवश्यकता सिंचाई को आवश्यक बना देती है।

(6) बहुफसलीकरण हेतू सिंचाई आवश्यक है।

(7) सिंचित भूमि की कृशि उत्पादकता असिंचित की तुलना में अधिक होना।

(8) अधिक उपज देने वाली फसल किस्मों हेतू सिंचाई आवश्यक होना ।

प्रश्न 32 हरित क्रांति किन राज्यों में अधिक सफल हुई और क्यों?

**उत्तर** पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अधिक सफल हुई क्यों कि इन प्रदेशों का सिंचाई तंत्र अधिक विकसित हैं पंजाब ,हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुल बोए गए क्षेत्र का 85 प्रतिशत भाग सिंचाई के अन्तर्गत आता है। कुल सिंचित क्षेत्र का 76.1 प्रतिशत भाग पंजाब में व 51.3 प्रतिशत भाग हरियाणा में कूओं व नलकूपों द्वारा सिचित है।

प्रश्न 33 भौमजल संसाधनों के अधिक उपयोग से क्या समस्या उत्पन्न हो रही है?

उत्तर (1) जल स्तर नीचा हो गया है

(2) राजस्थान महाराश्ट्र में भूमिगतजल में फ्लोराइड की मात्रा बढ़ गई है।

(3) पश्चिमी बंगाल व बिहार में आर्सेनिक (संखिया) के संकेद्रण में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 34 गहन सिंचाई से क्या हानि है?

उत्तर गहन सिंचाई से पंजाब,हरियाणा व उत्तर प्रदेशमे मृदा की लवणता में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 35 संभावित जल समस्या क्या है?

उत्तर जनसंख्या बढते रहने से प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता प्रतिदिन कम होती जा रही है व उपलब्ध जल संसाधन कृशि, औद्योगिक व घरेलू निस्सरणों से प्रदूशित होते जा रहे है इससें उपयोगी जल संसाधनों की मात्रा सीमित होती जा रही है यही जल समस्या है।

प्रश्न 36 देश की दो सबसे अधिक प्रदूशित नदियां कौनसी है?

उत्तर गंगा और यमुना

प्रश्न 37 सी.पी.सी.बी. का पूरा नाम बताइये?

उत्तर सेन्ट्रल पोल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड (केन्द्रीय प्रदूशण नियंत्रण बोर्ड)

प्रश्न 38 एस.पी.सी.बी. का पूरा नाम बताइये

उत्तर स्टेट पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (राज्य प्रदूशण नियंत्रण बोर्ड)

प्रश्न 39 नदियों क प्रदूशण का मुख्य स्त्रोत क्या है?

उत्तर जैव और जीवाणविक संदुशण

प्रश्न 40 यमुना नदी सबसे अधिक प्रदूशित कहाँ है?

उत्तर दिल्ली से इटावा के बीच

प्रश्न 41 देश के प्रमुख शहरों में स्थित प्रदूशित नदियों के नाम बताइये?

उत्तर
1. अहमदाबाद में साबरमती
2. लखनऊ में गोमती
3. मदुरई में काली,अडयार, कूअम, वैगई
4. हैदराबाद में मूसी
5. कानपूर व वाराणसी में गंगा।

प्रश्न 42 भौमजल प्रदूशण का प्रमुख कारण क्या है ?

उत्तर भारी विशेली धातुए, फ्लोराइड व नाइट्रेट

प्रश्न 43 जल प्रदूशण नियत्रंण हेतू भारत में प्रमुख कानून कौनसे है ?

उत्तर
1 जल अधिनियम 1974प्रदूशण निवारण व नियत्रंण
2 पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम 1986
3 जल उपकर अधिनियम 1977

प्रश्न 44 जल प्रदूशण को रोकने हेतू बनाए गए कानून किस प्रकार अपने उद्देश्य में असफल रहे है?

उत्तर जल प्रदूशण से सम्बन्धित कानून 1974,1977 व 1986 के बावजूद 1997 में प्रदूशण फैलाने वाले 251 उद्योग नदियों व झीलों के किनारे स्थापित कर दिए गए।

प्रश्न 45 जल प्रदूशण के प्रभावों को किस प्रकार समिति किया जाना चाहिए?

उत्तर जनजागरूकता द्वारा कृशि, रिलू व औद्योगिक विसर्जन से प्राप्त प्रदूशकों को जल में विसर्जित होने से रोककर सिमित किया जा सकता है।

प्रश्न 46 जल का पुनः उपयोग क्या है ?

उत्तर स्नान व बर्तन धोने का पानी व वाहनों को धोने का पानी बागवानी में उपयोग करना, शोधित अपशिश्ट जल का उद्योगों में शीतलन व अग्निशमन में उपयोग करना पुनः उपयोग के उदाहरण है।

प्रश्न 47 जल संभर प्रबधन क्या है ?

उत्तर जल संभर प्रबधन का तात्पर्य धरातल और भौम जल संसाधनों के दक्ष प्रबन्धन से है इसके अंन्तर्गत बहते जल को रोकना ओर विभिन्न विधियों जैसे अतः स्त्रवण तालाब पुनर्भरण, कुओं के द्वारा भौमजल का संचयन और पुनर्भरण शामिल है।

प्रश्न 48 हरियाली योजना क्या है ?

उत्तर यह केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित जल संभर विकास परियोजना है जिसका उद्देश्य ग्रामीण जनसंख्या को पीने ,सिंचाई, मतस्य पालन और वनरोपण के लिए जल सरंक्षण के लिए योग्य बनाना है परियोजना लोगो के सहयोग से ग्राम पंचायतों द्वारा निश्पादित की जा रही है।

प्रश्न 49 नीरू मीरू क्या है ?

उत्तर नीरू मीरू (जल और आप) कार्यक्रम आंध्र पदेश सरकार द्वारा चलाया गया कार्यक्रम है जिसमें भौम जलस्तर को ऊँचा उठाने पर कार्य किया जाता है।

प्रश्न 50 अरवारी पानी संसद क्या है ?

उत्तर अलवर राजस्थान में जनसहयोग से विभिन्न जल संग्रहण संचना, जैसे अतः स्त्रवण तालाब (जोहड़) की खुदाई की गई व रोक बाँध बनाए गए।

प्रश्न 51 तमिलनाडु सरकार ने जल संभर प्रबन्ध हेतू क्या प्रयास किए।

उत्तर किसी भी इमारत का निर्माण बिना जल संभर सरंचना बनाए नही किया जा सकता है ऐसा कानून बनाया गया है।

प्रश्न 52 वर्शाजल संग्रहण क्या है ?

उत्तर विभिन्न उपयोगों के लिए जल को रोकने व एकत्र करने की विधि वर्शा जल संग्रहण कहलाती है इसका उपयोग भूमिगत जलभृतों के पुनर्भरण के लिए किया जाता है जिसके द्वारा पानी की प्रत्येक बूंद को संरक्षित करने के लिए वर्शा जल को कुओं और गढढ़ों में एकत्रित किया जाता है।

प्रश्न 53 वर्शा जल संग्रहण के क्या लाभ है ?

उत्तर
1. पानी की उपलब्धता को बढाता है।
2. भूमिगत जलस्तर को नीचा होने से रोकता है।
3. फ्लोराइड व नाइट्रेट जैसे प्रदूशकों को कम करके अवमिश्रण भूमिगत जल की गुणवत्ता बढ़ाता है।
4. मृदा जल की गुणवता बढाता है।
5. यदि इसे जलभृतों के पुनर्भरण के लिए उपयोग किया जाता है तो तटीय क्षेत्र में लवणीय जल के प्रवेश को रोकता है।

प्रश्न 54 कुण्ड अथवा टाँका क्या है?

उत्तर राजस्थान में वर्शाजल संग्रहण का ढाँचा है जिसमें भूमिगत ढकी हुई टंकी का निर्माण, घर अथवा गांव में एकत्रित वर्शाजल संग्रहण के लिए किया जाता है।

प्रश्न 55 रालेगन सिद्धि गांव किसके लिए प्रसिद्ध है ?

उत्तर समाजसेवी अन्ना हजारे एवं उनके द्वारा किए गए जल संभर प्रबन्धन के प्रयासों के लिए

प्रश्न 56 भारतीय राश्ट्रीय जलनीति कब बनाई गई व नीति के अनुसार जल आवंटन की प्राथमिकता किस क्रम में रहेगी।

उत्तर राश्ट्रीय जल नीति 2002 में लागु हुई जिमें जल आवंटन की प्राथमिकता निम्नलिखित क्रम में निर्दिश्ट को गई 1. पेयजल 2. सिंचाई 3.जलशक्ति 4. नौकायन 5. उद्योग 6. अन्य उपयोग

प्रश्न 57 राश्ट्रोय जलनीति ने 2002 की मुख्य विशेषताए क्या है।

उत्तर

1. बहुउदेशीय परियोजना में पीने का जल घटक में सम्मिलित करना चाहिए।
2. पेयजल संपूर्ण मानवजाति और प्राणियों को उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।
3. भौमजल के शोशण को सीमित व नियमित करने के उपाय करने चाहिए।
4. स्तह व भौमजल दोनो की गुण्वक्ता के लिए नियमित जांच होनी चाहिए व गुणवक्ता को सुधारने के लिए चरणबद्ध कार्यक्रम शुरू करना चाहिए ।
5. जल के सभी विविध प्रयोगों में कार्यक्षतमा सुधारनी चाहिए।
6. दुलर्भ संसाधनों के रूप में जल के लिए जागरूकता विकसित करनी चाहिए।
7. शिक्षा विनिमय उपक्रमणों, प्रेरकों और अनुक्रमणों द्वारा सरंक्षण चेतना बढ़ानी चाहिए।

प्रश्न 58 जल क्रांति अभियान कब प्रारम्भ किया गया व इसका क्या उद्देश्य है?

उत्तर जल कांति अभियान 201516 में प्रारम्भ हुआ व इसका उद्देश्य प्रतिव्यक्ति जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है।

प्रश्न 59 जल क्रांति अभियान के अन्तर्गत कौनकौनसी गतिविधियों प्रस्तावित की गई है ?

उत्तर

1. जल ग्राम बनाने के लिए देश के 672 जिलों में से प्रत्येक जिले में एक ग्राम जिसमें जल की कमी है चुनना।
2. भारत के विभिन्न भागों में 1000 हेक्टेयर मॉडल कमांड क्षेत्र की पहचान की गई।
3. प्रदूषण को कम करने के लिए
   (1.) भूमितल जल सरंक्षण और कृत्रिम पूर्भरण
   (2.) भूमिगत जल प्रदूषण को कम करना।
4. देश के चयनित क्षेत्र में आर्सेनिक मुक्त कुओं का निर्माण
5. लोगो में जागरूकता फैलाने के लिए जनसंचार माध्यम जैसे रेडियो, टी.वी., प्रिन्ट मीडिया, पोस्टर प्रतिस्पर्धा, निबध प्रतिस्पर्धा माध्यम है।
6. जलसुरक्षा द्वारा खाद्य सुरक्षा और आजीविका प्रदान करना।

## अध्याय– 7: खनिज तथा ऊर्जा संसाधन

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| ब | 1 | 1 | 1.5 | 1.5 |
| योग | | 1 | | 1.5 |

**वस्तुनिश्ठ प्रश्न**

प्रश्न 1. धात्विक खनिज नहीं हैं?
(अ) लोहा (ब) मैंगनीज
(स) ताँबा (द) कोयला (द)

प्रश्न 2. अधात्विक खनिज नहीं हैं?
(अ) कोयला (ब) लोहा
(स) ग्रेफाइट (द) चूना पत्थर (ब)

प्रश्न 3. कोयला लगभग कितना प्रतिशत भाग दामोदर, सोम, महानदी और गोदावरी नदियों की घाटियों में पाया जाता हैं?
(अ) 97% (ब) 80% (स) 70% (द) 67% (अ)

प्रश्न 4. देश में मेग्नीज का अग्रणी उत्पादक राज्य हैं?
(अ) छत्तीसगढ़ (ब) उड़ीसा
(स) कर्नाटक (द) झारखण्ड (ब)

प्रश्न 5. अधात्विक खनिज हैं?
(अ) अभ्रक (ब) चूना पत्थर
(स) डोलोमाइट (द) उपर्युक्त सभी (द)

प्रश्न 6. बॉक्साइड का प्रयोग किसके विनिर्माण में किया जाता हैं?
(अ) लोहा (ब) सोना
(स) चादी (द) एल्युमिनियम (द)

प्रश्न 7. ऊर्जा के पराम्परागत स्त्रोत हैं?
(अ) कोयला (ब) पेट्रोलियम
(स) प्राकृतिक (द) उपर्युक्त सभी (द)

प्रश्न 8. गैस ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की स्थापना कब की गई?
(अ) 1980 (ब) 1984
(स) 1986 (द) 1988 (ब)

प्रश्न 9. परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना कब की गई?
(अ) 1956 (ब) 1940
(स) 1948 (द) 1960 (स)

प्रश्न 10. भारत में सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र कौनसा हैं?
(अ) रानीगंज (ब) झरिया
(स) बोकारो (द) गिरिडीह (ब)

प्रश्न 11. भूतापीय ऊर्जा संयंत्र भारत में मनीकरण नामक स्थान पर अधिकृत किया जा चुका हैं? यह निम्न मेंसे किस राज्य में स्थित हैं?
(अ) जम्मू कश्मीर (ब) हिमाचल प्रदेश
(स) उत्तर प्रदश (द) राजस्थान (ब)

प्रश्न 12. डिगबोई नहारकटिया तथा मोरान महत्वपूर्ण तेल उत्पादक क्षेत्र कौनसे राज्य में हैं?

(अ) उत्तर प्रदेश (ब) असम

(स) राजस्थान (द) हिमाचल प्रदेश (ब)

प्रश्न 13. अंकलेश्वर, कालोल, मेहसाणा, नवागाम, कोसांबा तथा लुनेज महत्वपूर्ण तेल उत्पादक क्षेत्र कौनसे राज्य में हैं?

(अ) उत्तर प्रदेश (ब) गुजरात

(स) राजस्थान (द) हिमाचल प्रदेश (ब)

प्रश्न 14. .भारत में किस क्षेत्र में ज्वारीय ऊर्जा विकसित करने की व्यापक संभावनाएं हैं?

(अ) प्रायद्वीपीय पठार (ब) मैदान

(स) हिमाचल पर्वतीय प्रदेश (द) तटो के साथ (द)

**<u>अतिलघुतरात्मक प्रश्न</u>**

प्रश्न 1. लौह धात्विक खनिज के उदाहरण लिखिए?

उत्तर— लोहा, मैंगनीज एवं क्रोमाइट

प्रश्न 2. अलौह धात्विक खनिज के कोई दो उदाहरण लिखिए?

उत्तर— ताँबा, बॉक्साइट

प्रश्न 3. रासायनिक भौतिक गुणधर्मों के आधार पर खनिजों को प्रमुखतः कितनी श्रेणियों में बाँटा गया हैं? उनके नाम लिखिए।

उत्तर— दो श्रेणियों में बाँटा गया हैं—

(अ) धात्विक (ब) अधात्विक

प्रश्न 4. भारत में अधिकांश धात्विक खनिज किस क्षेत्र में पाए जाते हैं?

उत्तर— प्रायद्विपीय पठारी क्षेत्र की प्राचीन क्रिश्टलीय शेल

प्रश्न 5. हमारे देश में लौह अयस्क के मुख्यतः कौनसे प्रकार पाये जाते हैं?

उत्तर— हेमेटाइट, मैग्नेटाइट

प्रश्न 6. ताँबा के निक्षेप मुख्यतः पाए जाते हैं?

उत्तर— झारखण्ड के सिंहभूम जिले में मध्यप्रदेश के बालाघाट तथा राजस्थान के झूंझूनु एवं अलवर जिलों में पाए जाते हैं।

प्रश्न 7. ओडिशा में बॉक्साइट के अग्रणी उत्पादक हैं?

उत्तर— कालीहांडी, संभलपुर

प्रश्न 8. छत्तीसगढ़ में बॉक्साइट के निक्षेप कहा पाए जाते हैं?

उत्तर— अमरकंटक के पठार।

प्रश्न 9. ताँबा का उपयोग किसमें किया जाता हैं। बताइए?

उत्तर— बिजली के मोटरे, ट्रांसफर्मर तथा जेनेरेटर्स आदि बनाने तथा विद्युत उपयोग के लिए तथा आभूशणों में भी ताँबे का उपयोग किया जाता हैं।

प्रश्न 10 भारत में अभ्रक मुख्यतः कहाँ पाया जाता हैं?

उत्तर— झारखण्ड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना व राजस्थान में पाया जाता हैं।

प्रश्न 11 अभ्रक का उपयोग मुख्यतः कौनसे उद्योगों में किया जाता हैं?

उत्तर— अभ्रक का उपयोग मुख्यतः विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स उद्योगों में किया जाता हैं।

प्रश्न 12 भारत के खनिज मुख्यतः किन विस्तृत पट्टियों में सम्मिलित हैं? पट्टियों के नाम लिखो।

उत्तर— 1. उत्तर—पूर्वी पठारी प्रदेश

2. उत्तर—पश्चिमी प्रदेश

3. दक्षिण—पश्चिमी पठारी प्रदेश

प्रश्न 13 अपरम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों के नाम लिखिए?

उत्तर— 1. नाभिकीय ऊर्जा 2 सौर ऊर्जा

3. ज्वारीय तथा तरंग ऊर्जा 4. पवन ऊर्जा

5. भूतापीय ऊर्जा 6. जैव ऊर्जा

7. बायोमास ऊर्जा 8. बायोगैस ऊर्जा 9. हाइड्रोजन ऊर्जा

प्रश्न 14 पवन ऊर्जा के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ वाले कौनसे राज्य हैं, तथा उन राज्यों के नाम लिखिए?

उत्तर– राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र एवं कर्नाटक।

प्रश्न 15 भूमिगत ताप के उपयोग का पहला सफल प्रयास कहाँ हुआ?

उत्तर– बोयजे शहर, इडाहो (USA)

प्रश्न 16 भारत के प्रमुख नाभिकीय ऊर्जा केन्द्र कौन–कौनसे है? नाम लिखिए?

उत्तर– तारापुर (महाराष्ट्र), कोटा के पास रावतभाटा (राजस्थान), कलपक्कम (तमिलनाडू), नरोरा (उत्तर प्रदेश), कैगा (कर्नाटक) तथा काकरापाड़ा (गुजरात)।

प्रश्न 17 कोयले का मुख्य प्रयोग किस लिए किया जाता हैं?

उत्तर– ताप विद्युत उत्पादन तथा लौह अयस्क के प्रगलन के लिए

प्रश्न 18 कोयला मुख्य रूप से किन दो भूगर्भिक कालों की शलक्रमो में पाया जाता हैं?

उत्तर– गोडवाना और टर्शियरी निक्षेप

प्रश्न 19 भारत में कोयला निक्षेपो का लगभग 80 प्रतिशत भाग किस प्रकार व श्रेणी का पाया जाता हैं?

उत्तर– बिटुमिनियस प्रकार तथा गैर कोककारी श्रेणी।

प्रश्न 20 भारत में पाये जाने वाले परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों के नाम लिखिए?

1. कोयला 2 पेट्रोलियम
3. प्राकृतिक गैस 4. तापीय ऊर्जा
5. परमाणु ऊर्जा 6. जल विद्युत ऊर्जा

**<u>लघुतरात्मक प्रश्न</u>**

प्रश्न 1. सौर ऊर्जा किसे कहते हैं। इसको काम में लाने के लिए दो प्रमुख प्रक्रमों के नाम लिखते हुए इसकी भारत में किस क्षेत्र में उत्पादन की अधिकत्तर संभावनाएं हैं?

उत्तर– सौर ऊर्जा– फोटोवोल्टाइक सेलो में विपाशित सूर्य की किरणों को ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है।

काम में लाने के प्रमुख प्रक्रम– 1. फोटोवोल्टाइक 2. सौर–तापीय प्रौद्योगिकी।

भारत की अधिकतर संभावनाएँ– भारत के पश्चिमी भागों गुजरात व राजस्थान।

प्रश्न 2. भूतापीय ऊर्जा किसे कहते हैं?

उत्तर– जब पृथ्वी के गर्भ से मैग्मा निकलता हैं तो अत्यधिक ऊष्मा निर्मुक्त होती है। इस ताप ऊर्जा को सफलतापूर्वक काम में लाया जा सकता है और इसे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता हैं। इसके अलावा गीजर, कूपों से निकलते गर्म पानी से ताप ऊर्जा पैदा की जा सकती है। इसे लोकप्रिय रूप में भूतापीय ऊर्जा के नाम से जानते है।

प्रश्न 3. जैव–ऊर्जा किसे कहते हैं?

उत्तर– इसे जैविक उत्पादों से प्राप्त किया जाता है जिसमें कृषि अवशेष, नगरपालिका औद्योगिक तथा अन्य अपशिष्ट शामिल होते है। जैव–ऊर्जा ऊर्जा परिवर्तन का एक संभावित स्त्रोत है। इसे विद्युत ऊर्जा, ताप ऊर्जा अथवा खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है। यह अपशिष्ट एवं कूड़ा–कचरा प्रक्रमित करेगा एवं ऊर्जा भी पैदा करेगा। यह विकासशील देशों के ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक जीवन को भी बेहतर बनाएगा तथा पर्यावरण प्रदूषण घटाएगा।

प्रश्न 4. भारत में कोयले के प्रमुख क्षेत्र का वर्णन कीजिए?

उत्तर– भारत में कोयले के प्रमुख संसाधन पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्रऔर आंध्रप्रदेश में अवस्थित कोयला क्षेत्र में है। भारत में सर्वाधिक महत्वपूर्ण गोंडवाना कोयला क्षेत्र दामोदर घाटी में स्थित है। ये झारखण्ड–बंगाल कोयला पट्टी में स्थित है और इस प्रदेश के महत्वपूर्ण कोयला क्षेत्र रानीगंज, झरिया, बोकारो, गिरीडीह तथा करनपुरा (झारखण्ड) है। झरिया सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र है। जिसके बाद रानीगंज आता है। कोयले से संबंद्ध अन्य नदी घाटियाँ गोदावरी, महानदी तथा सोन है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण कोयला खनन केन्द्र मध्यप्रदेश में सिंगरौली है। टर्शियरी कोयला असाम, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय तथा नागालैण्ड में पाया जाता है।

प्रश्न 5. नाभिकीय ऊर्जा के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले महत्वपूर्ण खनिज कौनसे है व इन खनिजों के भारत में प्रसिद्ध क्षेत्र कौनसे हैं?

उत्तर– नाभिकीय ऊर्जा के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले महत्वपूर्ण खनिज यूरेनियम और थोरियम है। प्रसिद्ध क्षेत्र–

1. **यूरेनियम निक्षेप** – यह धारवाड़ शैलों में पाए जाते है। भौगोलिक रूप से यह अयस्क सिंहभूम ताँबा पट्टी के साथ अनेक स्थानों पर मिलते है। यह राजस्थान के उदयपुर, अलवर, झुंझूनूं जिलों, मध्यप्रदेश के दुर्ग जिले, महाराष्ट्र के भंडारा जिल तथा हिमाचल प्रदश्श के कुल्लू जिले में भी पाया जाता है।
2. **थोरियम**– यह मुख्यतः केरल के तटीय क्षेत्र की पुलिन बीच की बालू में मोनाजाइट एवं इल्मेनाइट से प्राप्त किया जाता है।

प्रश्न 6 भारत के प्रमुख तेल भण्डारों के नाम लिखिए ?

उत्तर प्रमुख भण्डार – असम, गुजरात, मुम्बई हाई, मेघालय, कावेरी, गोदावरी बेसिन व पूर्वी महाद्वीपीय निमग्न तट आदि क्षेत्र में है।

प्रश्न 7 भारत में सौर ऊर्जा के विकास हेतु कौनसी भौगोलिक परिस्थितियां उपलब्ध है?

उत्तर (1) उष्ण कटिबंधीय देश होना।

(2) देश के अधिकांश भागों में वर्ष में 300 दिनों से भी अधिक दिन खुली और स्वच्छ धुप मिलना।

(3) प्रतिवर्ष 5000 ट्रिलीयन किलोवाट/प्रतिघण्टा सूर्य विकिरण प्राप्त होना।

# अध्याय–8 : निर्माण उद्योग

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1 | 1 | 1 | 1 |
| स | 1 | 1 | 3 | 3 |
| योग | | 2 | | 4 |

**वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

प्र.1 उद्योगों में प्रयोग किए जाने वाले कच्चे माल के आधार पर उद्योगों को बाँटा गया है –

(क) चार भागों में (ख) पाँच भागों में
(ग) सात भागों में (घ) तीन भागों में (क)

प्र.2 उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाला कारक है –

(क) कच्चा माल (ख) बाजार
(ग) पूँजी (घ) उपर्युक्त सभी (घ)

प्र.3 कच्चे माल के स्त्रोतों के समीप स्थापित होने वाला उद्योग नही है –

(क) इलेक्ट्रिक उद्योग (ख) चीनी उद्योग
(ग) सूती वस्त्र उद्योग (घ) लोह–इस्पात उद्योग (क)

प्र.4 लौह–इस्पात उद्योग के सर्वप्रमुख कच्चे माल है –

(क) लोह अयस्क व कोककारी कोयला (ख) लौह अयस्क व डोलोमाइट
(ग) कोककारी कोयला व मैगनीज (घ) लौह अयस्क तथा मैगनीज (क)

प्र.5 भारतीय लोहा और इस्पात कम्पनी (HSCO)का कारखाना निम्न में से एक स्थान पर नहीं है –

(क) हीरापुर (ख) कुल्टी
(ग) जमशेदपुर (घ) बर्नपुर (ग)

प्र.6 स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया (SAIL) निम्न में से किस स्थान पर कार्यरत लौह–इस्पात संयंत्र का प्रबंधन नही करता –

(क) राउरकेला (ख) भिलाई
(ग) दुर्गापुर (घ) बोकारो (घ)

प्र.7 निम्न में से जर्मनी के सहयोग से स्थापित लौह इस्पात कारखाना है –

(क) राउरकेला (ख) भिलाई
(ग) दुर्गापुर (घ) बोकारो (क)

प्र.8 निम्न में से किस शहर में भारत की प्रथम आधुनिक सूती वस्त्र मिल स्थापित की गई –

(क) जयपुर (ख) मुम्बई
(ग) विजय नगर (घ) भिलाई (ख)

प्र.9 निम्न में से किस राज्य की सूती वस्त्र मिलें कपड़ा न बनाकर सूत का उत्पादन करती है –

(क) राजस्थान (ख) महाराष्ट्र
(ग) पश्चिम बंगाल (घ) तमिलनाडु (घ)

प्र.10 निम्न में से कृषि आधारित मौसमी उद्योग है –

(क) चीनी उद्योग (ख) सूती वस्त्र उद्योग
(ग) पेट्रो रसायन उद्योग (घ) इनमें से कोई नहीं (क)

प्र.11 देश का अग्रणी चीनी उत्पादक राज्य है –

(क) तमिलनाडु (ख) बिहार
(ग) महाराष्ट्र (घ) उत्तर प्रदेश (ग)

प्र.12 सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का निम्न में से प्रमुख कार्य है –

(क) पेट्रो केमिकल उद्योग में प्रशिक्षण प्रदान करना (ख) वस्त्र निर्माण प्रशिक्षण प्रदान करना
(ग) लौह इस्पात उत्पादन करना (घ) प्लास्टिक सामान का निर्माण करना (क)

प्र.13 निम्न में से भारत सरकार द्वारा किस वर्ष नई औद्योगिक नीति की ोषणा की गई –
(क) सन् 1981 (ख) सन् 1991
(ग) सन् 2001 (घ) सन् 2012 (ख)

प्र.14 भारत के घरेलू निवेश तथा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का सर्वाधिक भाग प्राप्त हुआ –
(क) गुजरात को (ख) महाराष्ट्र को
(ग) तमिलनाडु को (घ) आंन्ध्र प्रदेश को (ख)

प्र.15 मुम्बई–पुणें औद्योगिक प्रदेश के सर्वप्रमुख उद्योग है –
(क) सूती वस्त्र तथा रासायनिक (ख) ऊनी वस्त्र तथा सीमेन्ट
(ग) चीनी उद्योग तथा रेलवे उपकरण (घ) लौह–इस्पात तथा इन्जीनियरिंग (क)

प्र.16 टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी की स्थापना कब की गई –
(क) 1907 (ख) 1976
(ग) 2012 (घ) 1940 (क)

प्र.17 भारत में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का प्रमुख केंद्र है–
(क) मेरठ (ख) कानपुर
(ग) कोलकाता (घ)) बेंगलुरु (घ)

प्र.18 सूती वस्त्र की राजधानी के नाम से किस नगर को जाना जाता है?
(क) बेंगलुरु (ख) कानपुर
(ग) अहमदाबाद (घ) मुंबई (घ)

प्र.19 भारत में साइकिल निर्माण का प्रमुख केंद्र है–
(क) अहमदाबाद (ख) नागपुर
(ग) रायपुर (घ) लुधियाना (घ)

प्र.20 स्वतंत्रता के पश्चात सर्वप्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा कब की गई?
(क) अप्रैल 1948 (ख) अगस्त 1952
(ग) मार्च 1950 (घ) दिसंबर 1947 (क)

प्र.21 सीमेंट उत्पादन की दृष्टि से भारत का विश्व में स्थान है–
(क) ततीय (ख) प्रथम
(ग) द्वितीय (घ) चतुर्थ (ग)

प्र.22 राष्ट्रीय योजना आयोग की स्थापना कब की गई?
(क) 1955 (ख) 1950 (ग) 1947 (घ) 1948 (ख)

प्र.23 भारत का सबसे बड़ा इस्पात कारखाना है–
(क) टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी (ख) भारतीय लोहा और इस्पात कारखाना
(ग) विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड (घ) राउरकेला इस्पात संयंत्र (क)

प्र.24 स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की स्थापना कब हुई?
(क) 1972 (ख) 1973 (ग) 1974 (घ) 1975 (ग)

प्र.25 बॉक्साइट अयस्क से कौन सा धातु प्राप्त किया जाता है?
(क) लोहा (ख) तांबा
(ग) एलुमिनियम (घ) चांदी (ग)

प्र. 26 एशिया का सबसे बड़ा एल्युमिनियम उत्पादक कारखाना कौन सा है?
(क) INDAL (ख) HINDALCO
(ग) MALCO (घ) NALCO (घ)

प्र.27 विश्व में सीमेंट का सबसे बड़ा उत्पादक देश कौनसा है?
(क) भारत (ख) ऑस्ट्रेलिया

(ग) चीन (घ) जापान (ग)

प्र.28 सूती वस्त्र उत्पादन की दृष्टि से भारत में प्रथम स्थान पर कौन सा राज्य है?
(क) महाराष्ट्र (ख) राजस्थान
(ग) तमिलनाडू (घ) पश्चिम बंगाल (क)

प्र.29 सूती वस्त्र की राजधानी के नाम से किस शहर को जाना जाता है?
(क) सूरत (ख) मुंबई
(ग) कोलकाता (घ) चेन्नई (ख)

प्र.30 भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) की स्थापना कौन से वर्ष में की गई?
(क) 1961 (ख) 1969 (ग) 1964 (घ) 1967 (ग)

प्र.31 निम्नलिखित उद्योगों में से किस उद्योग को सनराइज क्षेत्र कहा जाता है?
(क) सूती वस्त्र उद्योग (ख) चीनी उद्योग
(ग) सीमेंट उद्योग (घ) ऑटोमोबाइल उद्योग (घ)

प्र.32 इंटीग्रल कोच फैक्ट्री कहां पर स्थित है?
(क) जमालपुर (ख) वाराणसी
(ग) पटियाला (घ) पेराम्बूर (घ)

प्र.33 भारत की सिलिकन वैली के नाम से किस शहर को जाना जाता है?
(क) हैदराबाद (ख) पुणे
(ग) बेंगलुरु (घ) सूरत (ग)

प्र.34 मेक इन इंडिया कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत कब की गई?
(क) 25 सितंबर 2014 (ख) 26 जनवरी 2019
(ग) 1 मई 2017 (घ) 11 अगस्त 2018 (क)

प्र.35 सीमेण्ट उत्पादन की दृष्टि से भारत का विश्व में स्थान है।
(क) प्रथम (ख) द्वितीय (ग) तृतीय (घ) चतुर्थ (ख)

प्र.36 भारत में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का प्रमुख केन्द्र ह।
(क) कानपुर (ख) पटना
(ग) बैंगलूरु (घ) कोलकाता (ग)

प्र.37 जहाजरानी उद्योग की स्थापना निम्नलिखित में से सर्वप्रथम (1941 में कहाँ की गई?
(क) कोलकाता में (ख) विशाखापत्तनम में
(ग) चेन्नई मे (घ) कालीकट में (ख)

प्र.28 भारत में प्रारम्भ में लोहा से सम्बन्धित कार्य किस जनजाति के लोग करते थे?
(क) भील (ख) नागा
(ग) अगारिया (घ) मुण्डा (ग)

प्र.39. निम्नलिखित में से कौन–सा इस्पात संयन्त्र पूर्णतः स्वदेशी तकनीक पर आधारित है?
(क) दुर्गापुर (ख) भिलाई
(ग) विजयनगर (घ) बोकारो (ग)

प्र.40 मध्य प्रदेश के सतना और मैहर निम्नलिखित में से किस उद्योग के लिए प्रसिद्ध हैं?
(क) लौह–इस्पात उद्योग (ख) सीमेण्ट उद्योग
(ग) इन्जीनियरिंग उद्योग (घ) सूती वस्त उद्योग (ख)

**अति लघुरात्मक प्रश्न**

प्र.1 स्वामित्व के आधार पर उद्योगों के प्रकार बताई,।

उत्तर : स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को निम्नलिखित तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है –
(1) सार्वजनिक सेक्टर (2) व्यक्तिगत सेक्टर (3) मिश्रित या सहकारी सेक्टर

प्र.2 आर्थिक दृष्टि से उद्योगों को किन स्थानों पर स्थापित करना लाभप्रद होता है ?

उत्तर : आर्थिक दृष्टि से उद्योगों को उन स्थानों पर स्थापित करना लाभप्रद होता है जहाँ उत्पादन मूल्य और निर्मित वस्तुओं को उपभोक्ताओं तक वितरित करने का मूल्य न्यूनतम हो।

प्र.3 भारत में चीनी मिलें गन्ना उत्पादक क्षेत्र क्यों स्थापित है?

उत्तर : चीनी मिलों में भार ह्रास वाले कच्चे माल (गन्ना) का उपयोग होने के कारण भारत में चीनी मिलें गन्ना उत्पादक क्षेत्र में ही स्थापित है।

प्र.4 पेट्रोलियम परिशोधन शालाओं की स्थापना बाजारों के निकट ही क्यों की जाती है ?

उत्तर : क्योंकि अपरिष्कृत खनिज तेल का परिवहन आसान होता है और उनसे प्राप्त कई उत्पादों का उपयोग दूसरे उद्योगों में कच्चे माल के रूप में किया जाता है।

प्र.5 भारत का सबसे प्राचीन लौह–इस्पात कारखाना कौन–सा है?

उत्तर : टाटा लौह इस्पात कम्पनी (TISCO)

प्र.6 भिलाई इस्पात संयंत्र किस रेलमार्ग पर अवस्थित है ?

उत्तर : भिलाई इस्पात संयंत्र कोलकाता–मुम्बई रेलमार्ग पर अवस्थित है।

प्र.7 दुर्गापुर इस्पात संयंत्र किस कोयला पेटी में स्थित है –

उत्तर : दुर्गापुर इस्पात संयंत्र रानीगंज व झरिया कोयला पेटी में स्थित है।

प्र.8 देश का सर्वप्रमुख कृषि आधारित परम्परागत उद्योग कौन सा है ?

उत्तर : सूती वस्त्र उद्योग

उत्तर : वर्तमान में अहमदाबाद, भिवाडी, शोलापुर, कोल्हापुर, नागपुर, इंदौर व उज्जैन सूती वस्त्र उद्योग के प्रमुख केन्द्र है।

प्र.10 भारत के प्रमुख चीनी उत्पादक राज्य कौन–कौन से है ?

उत्तर : (1) महाराष्ट्र (2) उत्तर प्रदेश (3) तमिलनाडु (4) बिहार
(5) पंजाब (6) हरियाणा (7) मध्यप्रदेश (8) गुजरात

प्र.11 वैश्वीकरण किसे कहते है ?

उत्तर : एक राष्ट्र की अर्थव्यवस्था का विश्व की अर्थव्यवस्था के साथ समन्वय करना वैश्वीकरण कहलाता है।

**अति लघुरात्मक प्रश्न**

प्र.1 स्वतन्त्र या स्वच्छन्द उद्योग क्या होते है ?

उत्तर : जब किसी उद्योग में अनेक प्रकार के कच्चे माल की आवश्यकता होती है तो ऐसे उद्योगों के स्थानीयकरण में कच्चे माल का कोई प्रभाव नहीं रह जाता तथा इस प्रकार के उद्योग कच्चे मालों के उपलब्ध स्थलों की अवहेलना करते हुए किसी भी उपयुक्त स्थल पर स्थापित होने के लिए स्वतंत्र होते है। ऐसे उद्योगों को स्वतंत्र या स्वच्छन्द उद्योग कहा जाता है जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग।

प्र.2 भारत में भारी उद्योगों की स्थिति को शक्ति संसाधन किस प्रकार प्रभावित करते है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : उद्योगों में तीव्र गति से कार्य सम्पन्न करने के लिए विविध प्रकार की मशीनों का प्रयोग किया जाता है। ये मशीनें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शक्ति के संसाधनों से ही संचालित होती है। अतः शक्ति के स्त्रोतों की उपलब्धता एवं निकटता उद्योगों को नियत्रित करने वाला मुख्य कारक है यथा एल्युमीनियम उद्योग को शक्ति के स्त्रोत के निकट स्थापित किया जाता है क्योंकि इसमें अधिक शक्ति का प्रयोग होता है।

प्र.3 भारत में सूती वस्त्र उद्योग के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले कारक कौन–कौन से है?

उत्तर : सूती वस्त्र उद्योग भारत के परम्परागत उद्योगों में से एक है। भारत में सूती वस्त्र उद्योग के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले कारकों में कच्चे माल की स्थानीय उपलब्धता, सस्ते कुशल श्रमिकों की स्थानीय उपलब्धता, बाजार की समीपता, सस्ती जल विद्युत की उपलब्धता, स्थानीय निवेश एवं पत्तन की सुविधा आदि प्रमुख है।

प्र.4 उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए अथवा उद्योगों के प्रकार बताइये।

उत्तर : उद्योगों का वर्गीकरण कई प्रकार से किया जा सकता है, जो निम्नलिखित है –

1. आकार, पूँजी निवेश एवं श्रम शक्ति के आधार पर इस आधार पर उद्योगों का चार भागों में बाँटा जा सकता है –
   (1) कुटीर उद्योग (2) लघु उद्योग
   (3) मध्यम उद्योग (4) वृहद् उद्योग
2. स्वामित्व के आधार पर स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को तीन भागों में बाँटा गया है –

(1) सार्वजनिक उद्याग (2) व्यक्तिगत उद्योग
(3) मिश्रिम या सहकारी उद्योग

3. उद्योगों में प्रयुक्त कच्चे माल के आधार पर – उद्योगों में प्रयोग किये जाने वाले कच्चे माल के आधार पर उद्योगों को चार भागों में बाँटा गया है –
(1) कृषि आधारित उद्योग (2) वन आधारित उद्योग
(3) खनिज आधारित उद्योग (4) उद्योगों द्वारा निर्मित कच्चे माल पर आधारित उद्योग।

4. उत्पादों के उपयोग के आधार पर उत्पादों के उपयोग के आधार पर उद्योगों को चार वर्गों में बाँटा गया है–
(1) मूल पदार्थ उद्योग (2) पूँजीगत पदार्थ उद्योग
(3) मध्यवर्ती पदार्थ उद्योग (4) उपभोक्ता पदार्थ उद्योगों।

प्र. 5 SAIL का पूरा नाम लिखिए?

उत्तर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया

प्र. 6 लोह इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग क्यों कहते हैं?

उत्तर क्योंकि इस उद्योग के उत्पादन अन्य सभी वस्तुओं के निर्माण में आवश्यक होते हैं, इसी उद्योग से किसी भी देश के औद्योगिक विकास की नीव पड़ती है।

प्र. 7 महाराष्ट्र में सूती वस्त्र उद्योग विकास के कोई दो कारण बताइए।

उत्तर 1 समुद्री नम जलवायु 2 कपास उत्पादन क्षेत्र

प्र. 8 भारत में कृषि आधारित किन्ही दो उद्योगों के नाम लिखिए।

उत्तर 1 सूती वस्त्र उद्योग 2 चीनी उद्योग

प्र. 9 राजस्थान में चीनी मिले कहां स्थित है। कोई दो

उत्तर केशोरायपाटन (बूंदी), श्रीगंगानगर

प्र. 10 मेक इन इंडिया कार्यक्रम क्या है?

उत्तर निवेश को बढ़ावा देकर औद्योगिक विकास की गति को तेज करने तथा देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए मेक इन इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत 25 सितंबर 2014 को की गई।

प्र. 11 भारत में सूती वस्त्र के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले दो कारको के नाम बताइए।

उत्तर 1 कच्चा पदार्थ 2 आर्द्र एवं नम जलवायु

प्र. 12 हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की स्थापना कब और कहां को गई?

उत्तर 1964, बेंगलुरु

प्र. 13 भारत के किस शहर में लोह स्तंभ स्थापित है?

उत्तर दिल्ली में कुतुबमीनार के पास

प्र. 14 भारत में इंजीनियरिंग उपयोग की कोई दो समस्याएं बताइए?

उत्तर 1 कच्चे माल का अभाव 2 पूंजी का अभाव

प्र. 15. भारत में चीनी उद्योग को उन्नति के लिए अपने सुझाव दीजिए?

उत्तर भारत में चीनी उद्योग के विकास के लिए निम्नलिखित सुझाव महत्त्वपूर्ण हो सकते हैं –

1 उचित निरीक्षण की व्यवस्था हो।
2 पुरानी मशीनों के स्थान पर नई मशीनें लगाई जाएँ।
3 मिलों की स्थापना गन्ना उत्पादक क्षेत्र में ही को जाए।
4 गन्ने की फसलों के सम्बन्ध में अनुसन्धान कार्यों पर विशेष बल दिया जाए।
5 गन्ने की मात्रा के साथ ही रस की मात्रा का ध्यान रखकर कीमत निर्धारित की जाए।
6 गौण उपजों का पूर्ण उपयोग किया जाए।
7 श्रमिकों को वर्ष भर रोजगार देने की व्यवस्था की जाए।
8 कर व्यवस्था में सुधार किया जाए।
9 गन्ना किसानों को विक्रय के समय भुगतान किया जाए, आदि।

प्र. 16 भारत में भारी उद्योगों की स्थिति को शक्ति संसाधन किस प्रकार प्रभावित करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर उद्योगों में तीव्र गति से कार्य सम्पन्न करने के लिए विविध प्रकार के मशीनों का प्रयोग किया जाता है। ये मशीनें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शक्ति के संसाधनों से ही संचालित होती हैं। अतरू शक्ति के स्रोतों की उपलब्धता एवं निकटता उद्योगों को नियन्त्रित करने वाला मुख्य कारक है यथा एल्युमीनियम उद्योग को शक्ति के स्रोत के निकट स्थापित किया जाता है, क्योंकि इसमें अधिक शक्ति का प्रयोग होता है।

प्र. 17 क्या कारण है कि भारत की अधिकांश चीनी मिलें गन्ना उत्पादक क्षेत्र के समीप ही स्थापित मिलती हैं?

उत्तर चीनी उद्योग का सर्वप्रमुख व एकमात्र कच्चा माल गन्ना है। गन्ने के कुल भार में चीनी सुक्रोज का भाग 9 से 12 प्रतिशत के मध्य मिलता है। गन्ना भार ह्रास वाली कृषि फसल है। खेत में गन्ने को काटने से लेकर ढुलाई की अवधि तक इसमें सुक्रोज की मात्रा कम होती जाती है। यदि गन्ने को काटने के 24 घण्टे के अन्दर गन्ना मिलों में इसका रस निकाल लिया जाता है तो इससे चीनी की मात्रा अधिक प्राप्त होती है। इसके बाद जैसे–जैसे समय बीतता चला जाता है वैसे–वैसे गन्ने में चीनी का प्रतिशत कम होता चला जाता है। यही कारण है कि भारत की अधिकांश चीनी मिलें गन्ना उत्पादक क्षेत्र के समीप ही स्थापित मिलती हैं। अतः चीनी उद्योग को कच्चा माल उन्मुख उद्योग माना जाता है।

प्र. 18 भारत में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के कारकों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर भारत में सूती वस्त्र उद्योग के विकास के लिए निम्नलिखित कारक उत्तरदायी रहे हैं।

1 भारत एक उष्णकटिबन्धीय जलवायु वाला देश है। यहाँ की गर्म एवं अर्द्धशुष्क जलवायु में सूती कपड़ा आरामदायक वस्त्र होता है, जिसके कारण देश में सूती कपड़े की पर्याप्त माँग रहती है।

2 सूती वस्त्र उद्योग का सर्वप्रमुख कच्चा माल कपास होता है, जिसका पर्याप्त उत्पादन हमारे देश में होता रहा है।

3 भारत विश्व का दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला राष्ट्र है, जिसमें सूती वस्त्र उद्योग के लिए आवश्यक कुशल श्रमिक पर्याप्त संख्या में उपलब्ध मिलते हैं। भारत के कुछ क्षेत्र में लोग व परिवार सूती वस्त्र तैयार करने का कार्य पीढ़ियों से कर रहे हैं, जिससे वस्त्र निर्माण कुशलता एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानान्तरित होती रही है।

प्र. 19 कच्चा माल उद्योगों के लिए चुम्बक का कार्य करता है–टिप्पणी लिखिए?

उत्तर उद्योगों को सामान्यतः दो भागों में बाँटा गया है।

1. भार क्लास मूलक उद्योग

2. भार ह्रास न होने वाले उद्योग

इनमें से प्रथम प्रकार का उद्योग जिसमें कच्चा माल अधिक लगता है तथा उनका भार अधिक होता है, उनसे सम्बन्धित उद्योगों की स्थापना कच्चे माल के स्रोतों के पास होती है क्योंकि तैयार माल को बाजार तक पहुँचाने में अपेक्षाकृत कम परिवहन व्यय करना पड़ता है; जैसे–लौह–इस्पातउद्योग, चीनी उद्योग, सीमेण्ट उद्योग आदि के लिए कच्चा माल चुम्बक के रूप में प्रभावी होता है और ये उद्योग कच्चे माल के स्रोतों की ओर आकर्षित होते हैं।

3 सस्ती विद्युत शक्ति

4 पर्याप्त श्रम की उपलब्धता आदि।

## अध्याय–9 : भारत के सन्दर्भ में नियोजन और सतत पोषणीय विकास

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1 | 1 | 1 | 1 |
| ब | 1 | 1 | 1.5 | 1.5 |
| योग | | 2 | | 2.5 |

प्रश्न 1 इन्दिरा गांधी नहर परियोजना से कौन–कौनसी समस्याएं उत्पन्न हुई है?

उत्तर इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के क्रियान्वयन से कमान क्षेत्र के अनेक क्षेत्र में जल भराव तथा मृदा लवणता संबंधी समस्याएं उत्पन्न हुई है।

प्रश्न 2 राजस्थान में भू–जल की दो प्रमुख समास्याएं बताइये?

उत्तर (1) भू–जल का गिरता स्तर। (2) फ्लोराइड व खारेपन की समस्या।

प्रश्न 3 इन्दिरा गांधी नहर का राजस्थान में प्रवेश किस स्थान से होता है?

उत्तर मसीतावाली हेड से।

प्रश्न 4 आपणी योजना किस देश के सहयोग से चलाई जा रही है?

उत्तर जर्मनी के सहयोग से।

प्रश्न 5 भारत में गद्दी जनजाति का प्रमुख व्यवसाय क्या है?

उत्तर गद्दी जनजाति के जीवन निर्वाह का मुख्य आधार कृषि और इससे संबद्ध क्रियाएं जैसे – भेड़ और बकरी पालन।

प्रश्न 6 भारत में सूखा संभावी क्षेत्र में विकास के कोई दो उद्देश्यों को बताइये?

उत्तर इसका उद्देश्य सूखा संभावी क्षेत्र में लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाना और सूखे के प्रभाव को कम करने के लिए उत्पादन के साधनों को विकसित करना।

प्रश्न 7 भारत में भरमौर जनजातिय क्षेत्र कहां पर है?

उत्तर हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की दो तहसीलों भरमौर और होली में स्थित है।

प्रश्न 8 नियोजन किसे कहते है?

उत्तर नियोजन क्रियाओं के क्रम–अनुक्रम को विकसित करने की प्रक्रिया है जिसे भविष्य की समस्याओं का ध्यान में रखकर बनाया जाता है?

प्रश्न 9 निति आयोग क्या है? इसकी स्थापना कब की गई व इसका अध्यक्ष कौन होता है?

उत्तर केंद्रीय तथा राज्य सरकारों को युक्तिगत तथा तकनीकी सलाह देने के लिए भारत के आर्थिक नोति निर्माण में राज्यों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नीति आयोग स्थापित किया गया है।इसकी स्थापना 1 जनवरी 2015 को की गई व इसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है।

प्रश्न 10 नियोजन को कितने उपागम में बांटा गया है?

उत्तर नियोजन को दो उपागम में बांटा गया है –खंडीय नियोजन और प्रादेशिक नियोजन।

प्रश्न 11 खंडीय नियोजन अर्थ क्या है?

उत्तर खंडीय नियोजन का अर्थ है अर्थव्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों, जैसे– कृषि, सिचाई, विनिर्माण, ऊर्जा, निर्माण, परिवहन, संचार, सामाजिक अवसंरचना और सेवाओं के विकास के लिए कार्यक्रम बनाना तथा उनको लागू करना।

प्रश्न 12 प्रादेशिक नियोजन किसे कहा जाता है?

उत्तर किसी भी देश में सभी क्षेत्र में एक समान आर्थिक विकास नहीं हुआ है कुछ क्षेत्र बहुत अधिक विकसित हैं तो कुछ पिछड़े हुए हैं। विकास का यह असमान प्रतिरूप (Pattern) सुनिश्चित करता है कि नियोजक एक स्थानिक परिप्रेक्ष्य अपनाएँ तथा विकास में प्रादेशिक असंतुलन कम करने के लिए योजना बनाएँ। इस प्रकार के नियोजन को प्रादेशिक नियोजन कहा जाता है।

प्रश्न 13 लक्ष्य क्षेत्र नियोजन को उदाहरण सहित समझाइये?

उत्तर जो क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड हुए हैं उन क्षेत्र में नियोजन प्रक्रम को विशेष ध्यान देना। जैसे एक क्षेत्र का आर्थिक विकास उसके संसाधनों पर आधरित होता है। लेकिन कभी–कभी संसाधनों से भरपूर क्षेत्र भी पिछड़े रह जाते हैं। आर्थिक विकास के लिए संसाध्नों के साथ–साथ तकनीक और निवेश की आवश्यकता होती है। आर्थिक विकास में क्षेत्रीय असंतुलन प्रबलित हो रहा था। क्षेत्रीय एवं सामाजिक विषमताओं की प्रबलता को काबू में रखने के क्रम में योजना आयोग ने 'लक्ष्य क्षेत्र' तथा 'लक्ष्य–समूह' योजना उपागमों को प्रस्तुत किया है। लक्ष्य क्षेत्र की ओर इंगित कायक्रमों के कुछ उदाहरणों में कमान नियंत्रित क्षेत्र विकास कार्यक्रम, सूखाग्रस्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम हैं। इसके साथ ही लघु कृषक विकास संस्था (SFDA) सीमांत किसान विकास संस्था (MFDA)आदि कुछ लक्ष्य समूह कार्यक्रम के उदाहरण हैं।

प्रश्न 14 पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम में किन क्षेत्र में लागु किया गया है?

उत्तर इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश के सारे पर्वतीय जिले (वर्तमान उत्तराखण्ड), मिकिर पहाड़ी और असम की उत्तरी कछार की पहाड़ियाँ, पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला और तमिलनाडु के नीलगिरी आदि को मिलाकर कुल 15 जिले शामिल हैं। इसके अलावा जिन क्षेत्र ऊँचाई 600 मीटर से अधिक है और जिनमें जनजातीय उप–योजना लागू नहीं है।

प्रश्न 15 पिछड़े क्षेत्र के विकास के लिए बनी राष्ट्रीय समिति ने किन बातों को ध्यान में रखकर पहाड़ी क्षेत्र में विकास के लिए सुझाव दिए?

उत्तर
(1) सभी लोग लाभान्वित हों, केवल प्रभावशाली व्यक्ति ही नहीं।
(2) स्थानीय संसाधनों और प्रतिभाओं का विकास।
(3) जीविका निर्वाह अर्थव्यवस्था को निवेश–उन्मुखी बनाना।
(4) अंतः प्रादेशिक व्यापार में पिछड़े क्षेत्र का शोषण न हो।
(5) पिछड़े क्षेत्र की बाजार व्यवस्था में सुधार करके श्रमिकों को लाभ पहुँचाना।
(6) पारिस्थिकीय संतुलन बनाए रखना।

प्रश्न 16 पहाड़ी क्षेत्र के विकास की विस्तृत योजनाएँ किनकों ध्यान में रखकर बनाई गई?

उत्तर पहाड़ी क्षेत्र के विकास की विस्तृत योजनाएँ इनके स्थलाकृतिक, पारिस्थिकीय, सामाजिक तथा आर्थिक दशाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई। ये कार्यक्रम पहाड़ी क्षेत्र में बागवानी का विकास, रोपण कृषि, पशुपालन, मुर्गी पालन, वानिकी, लघु तथा ग्रामीण उद्योगों का विकास करने के लिए स्थानीय संसाधनों को उपयोग में लाने के उद्देश्य से बनाए गए।

प्रश्न 17 भारत में सूखा संभावी क्षेत्र में विकास के बारे बताइये?

उत्तर इसका उद्देश्य सूखा संभावी क्षेत्र में लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाना और सूखे के प्रभाव को कम करने के लिए उत्पादन के साधनों को विकसित करना था। इसमे सिविल निर्माण कार्यों, सिचाई परियोजनाओं, भूमि विकास कार्यक्रमों, वनीकरण, चरागाह विकास और आधारभूत ग्रामीण अवसंरचना जैसे विद्युत, सड़कों, बाजार, ऋण सुविधाओं और सेवाओं, पयार्वरणीय सतंलुन, सुक्ष्म–स्तर पर समन्वित जल–संभर विकास कार्यक्रम में जल, मिट्टो, पौधों मानव तथा पशु जनसंख्या के बीच पारिस्थितिकीय संतुलन, पुनःस्थापन पर मुख्य रूप से ध्यान दिया गया।

प्रश्न 18 भारत में सूखा संभावी क्षेत्र के नाम लिखिए।

उत्तर भारत में सूखा संभावी क्षेत्र मुख्यतः राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र, आंध्र प्रदेश के रायलसीमा और तेलंगाना पठार, कर्नाटक पठार और तमिलनाडु की उच्च भूमि तथा आंतरिक भाग के शुष्क और अर्ध–शुष्क भाग आदि।

प्रश्न 20 भरमौर जनजाति क्षेत्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर भरमौर जनजातीय क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश के चंबा ि"ाले की दो तहसीलें, भरमौर और होली शामिल हैं। यह 21 नवंबर, 1975 से अधिसूचित जनजातीय क्षेत्र है। यह हिमाचल प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक रूप से सबसे पिछड़े इलाकों में से एक है। इस क्षेत्र में *'गद्दी'* जनजातीय समुदाय का आवास है। इस समुदाय की हिमालय क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान है क्योंकि गद्दी लोग ऋतु–प्रवास करते हैं तथा *गद्दीयाली* भाषा में बात करते हैं।

भरमौर जनजातीय क्षेत्र में जलवायु कठोर है, आधारभूत संसाधन कम हैं और पर्यावरण भंगुर है। इनका आर्थिक आधार मुख्य रूप से कृषि और इससे संबद्ध क्रियाएँ जैसे भेड़ और बकरी पालन हैं। इस क्षेत्र में विकास योजना का उद्देश्य गद्दियों के जीवन स्तर में सुधार करना और भरमौर तथा हिमाचल प्रदेश के अन्य भागों क बीच में विकास के स्तर में अंतर को कम करना है। इस योजना के अंतर्गत परिवहन

तथा संचार, कृषि और इससे संबंधित क्रियाओं तथा सामाजिक व सामुदायिक सेवाओं के विकास को सर्वाधिक प्राथमिकता दी गई। इस क्षेत्र में जनजातीय समन्वित विकास उपयोजना का सबसे महत्वपूर्ण योगदान विद्यालयों, जन स्वास्थ्य सुविधाओं, पेयजल, सड़का, संचार और विद्युत के रूप में अवसंरचना विकास है।

प्रश्न 21 भरमौर जनजाति क्षेत्र मे समन्वित विकास उपयोजना लागू होने से क्या लाभ हुए?

उत्तर जनजातीय समन्वित विकास उपयोजना लागू होने से हुए सामाजिक लाभों मे साक्षरता दर में तेजी से वृद्धि, लिंग अनुपात में सुधार और बाल–विवाह में कमी शामिल हैं। गद्दियों की परंपरागत अर्थव्यवस्था जीवन निर्वाह कृषि व पशुचारण पर आधारित थी जिसमें खाद्यान्नों और पशुओं के उत्पादन पर बल दिया जाता था परन्तु अब दालों और अन्य नकदो फसलों की खेती में बढ़ोतरी हुई है। ऋतु प्रवास में भी कमी आयी है परंतु गद्दी जनजाति आज भी बहुत गतिशील है क्योंकि इनकी एक बड़ी संख्या शरद् ऋतु में कृषि और मजदूरी करके आजीविका कमाने के लिए कांगड़ा और आसपास के क्षेत्र में प्रवास करती है।

प्रश्न 22 विकास से क्या अभिप्राय है?

उत्तर साधारणतया 'विकास' शब्द से अभिप्राय समाज विशेष की स्थिति और उसके द्वारा अनुभव किए गए परिवर्तन की प्रक्रिया से होता है।

प्रश्न 23 सतत पोषणीय विकास का क्या अर्थ है?

उत्तर सतत पोषणीय विकास का अर्थ है 'एक ऐसा विकास जिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित किए बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना।'

प्रश्न 24 इन्दिरा गांधी नहर परियोजना से क्या लाभ व हानियां हुई समझाइये?

उत्तर इन्दिरा गांधी नहर परियोजना ने शुष्क क्षेत्र की पारिस्थितिकी, अथव्यवस्था और समाज को रूपांततरित कर दिया है। इससे इस क्षेत्र को पर्यावरणीय परिस्थितियों पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार के प्रभाव पड़े हैं। लंबी अवधि तक मृदा नमी उपलब्ध होने और कमान कुछ विकास के तहत शुरू किए गए वनीकरण और चरागाह विकास कार्यक्रमो से यहाँ भूमि हरी– भरी हो गई है और फसलों की सघनता में वृद्धि हुई। यहाँ की पारंपरिक फसलों, चना, बाजरा और ग्वार का स्थान गेहूँ, कपास, मूँगफली और चावल ने ले लिया है साथ ही पशुधन उत्पादकता में अत्यधिक वृद्धि हुई। इससे वायु अपरदन और नहरी तंत्र में बालू निक्षेप की प्रक्रियाएँ भी धीमी पड़ गई हैं। नकारात्मक प्रभाव में भराव और मृदा लवणता की समस्याएँ उत्पन्न हुईं।

प्रश्न 25 सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले उपायों के बारें में लिखिए?

उत्तर सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले उपाय –

(i) कमान क्षेत्र में फसल रक्षण सिंचाई और फसल उगाने और चरागाह विकास के लिए विस्तारित सिंचाई का प्रावधान है।

(ii) इस क्षेत्र के शस्य प्रतिरूप में सामान्यतः जल सघन फसलों को नहीं बोया जाना चाहिए। इसका पालन करते हुए किसानों का बागाती कृषि के अंतर्गत खट्टे फलों की खेती करनी चाहिए।

(iii) कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम जैसे नालों को पक्का करना, भूमि विकास तथा समतलन और वारबंदी (ओसरा) पद्धति (निकास के कमान क्षेत्र में नहर के जल का समान वितरण) प्रभावी रूप से कार्यान्वित की जाए ताकि बहते जल की क्षति मार्ग में कम हो सके।

(iv) इस प्रकार जलाक्रांत एवं लवण से प्रभावित भूमि का पुनरूद्धार किया जाएगा।

(v) वनीकरण, वृक्षों का रक्षण मेखला का निर्माण और चरागाह विकास।

(vi) आर्थिक स्थिति वाले भूआवंटियों को कृषि के लिए पर्याप्त मात्रा में वित्तीय और संस्थागत सहायता उपलब्ध करवाई जाए।

(vii) मूल आबादी गाँवों, कृषि–सेवा केद्रों (सुविधा गाँवों) और विपणन केद्रों (मंडी कस्बों) के बीच प्रकार्यात्मक संबंध स्थापित करना।

# अध्याय–10 : परिवहन तथा संचार

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| | 1 | 1 | 3 | 3 |
| योग | | 1 | | 3 |

**लघुत्तरात्मक प्रश्न–**

प्रश्न 1. रेलवे पटरी की चौड़ाई के आधार पर भारतीय रेल के कितने वर्ग बनाए गए है?

उत्तर रेलवे पटरी की चौड़ाई के आधार पर भारतीय रेल के तीन वर्ग बनाए गए है–

**बड़ी लाइन**–ब्रॉड गेज में रेल पटरियों के बीच की दूरी 1.616 मीटर होती है। ब्रॉड गेज लाइन की कुल लम्बाई सन् 2016 में 60510 कि.मी. थी।

**मीटर लाइन**–इसमें दो रेल पटरियों के बीच की दूरी 1 मी. होती है। इसकी कुल लम्बाई 2016 में 3880 कि.मी. थी।

**छोटी लाइन**–इसमें दो रेल पटरियों के बीच की दूरी 0.762 मीटर या 0.610 मोटर होती है। इसकी कुल लम्बाई 2016 में 2297 कि.मी.थी। यह प्रायः पर्वतीय क्षेत्र तक सीमित है।

प्रश्न 2. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना को समझाइए?

उत्तर इसके अंतर्गत 5846 कि.मी. लम्बी 4/6 लेन वाले उच्च सानता के यातायात गलियारे शामिल है जो देश के चार विशाल महानगरों– दिल्ली– मुम्बई –चेन्नई–कोलकत्ता को जोड़ते है। स्वर्णिम चतुर्भुज के निर्माण के साथ भारत के इन महानगरों के बीच समय–दूरी तथा यातायात की लागत महत्वपूर्ण रूप से कम होगी।

प्रश्न 3. पवन हंस क्या है? समझाइए।

उत्तर पवन हंस एक हेलीकॉप्टर सेवा है जो पर्वतीय क्षेत्र में सेवारत है उत्तर–पूर्व सेक्टर में व्यापक रूप से पर्यटकों द्वारा उपयोग में लाया जाता है। इसके अतिरिक्त पवन हंस लिमिटेड मुख्यतः पेट्रोलियम सेक्टर के लिए हेलीकॉप्टर सेवाए उपलब्ध कराता है।

प्रश्न 4. मेट्रो रेल पर टिप्पणी लिखिए?

उत्तर मेट्रो रेल ने कोलकत्ता और दिल्ली में नगरीय परिवहन व्यवस्था में क्रांति ला दी है। डीजल चालित बसों की जगह सी.एन.जी. चालित वाहनों के साथ–साथ मेट्रो रेल का प्रचलन नगरीय केन्द्रों के वायु प्रदुशण को नियंत्रण करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रश्न 5. आरम्भिक समय में संचार के साधनों पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर आरम्भिक समय में ढोल या पेड़ के खोखले तने को बजाकर आग या धुएं के संकेतो द्वारा अथवा तीव्र धावकों की सहायता से संदेश पहुँचा, जाते थे। उस समय घोड़े, ऊँट, कुत्ते पक्षी तथा अन्य पशुओं को भी संदेश पहुँचाने के लिए प्रयोग किया जाता था। आरम्भ में संचार के साध नही परिवहन के साधन होते थे।

प्रश्न 6. टेलिविजन पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

उत्तर सूचना के प्रसार और जनसाधारण को शिक्षित करने में टेलीविजन एक महत्वपूर्ण श्रव्य–दृश्य साधन है। भारत में सर्वप्रथम टी.वी. का प्रसारण राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 1959 में हुआ था। इसके पश्चात् 1972 के उपरान्त देश में अन्य कई केन्द्र शुरू हो ग,। वर्श 1976 में टी.वी. को ऑल इंडिया रेड़ियों से अलग कर दूरदर्शन (डी.डी.) के रूप में विकसित किया गया है।

प्रश्न 7. भारतीय रेल के किन्हीं पाँच रेलमंडल और उनके मुख्यालय के नाम लिखिए।

उत्तर

| **रेलमंडल** | **मुख्यालय** |
|---|---|
| सेंट्रल | मुम्बई(सी.,स.टी.) |
| नार्दन | नई दिल्ली |
| सर्दन | चेन्नई |
| नार्थ इस्टर्न | गोरखपुर |
| साउथ वेस्टर्न | हुबली |

प्रश्न 8 **कडल** क्या है? लिखिए।

उत्तर केरल राज्य में स्थित पश्च जल, कडल कहलाता है। कडल का अंतः स्थलीय जलमार्गो में अपना एक विशिश्ट महत्त्व है। ये परिवहन का सस्ता साधन उपलब्ध कराने के साथ–साथ केरल में भारी संख्या में पर्यटकों को भी आकर्शित करते है। यहाँ को प्रसिद्ध नेहरू ट्रॉफी नौकादौड़ (वल्लामकाली) भी पश्चजल में आयोजित की जाती है।

प्रश्न 9 परिवहन क्या है? समझाइए।

उत्तर लोगों तथा समान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने ले जाने का साधन परिवहन कहलाता है। देश के आर्थिक विकास को गतिशीलता प्रदान करने के लिए परिवहन आवश्यक है। परिवहन मुख्यतः सड़क, रेल, जलमार्ग एवं वायुमार्ग द्वारा सम्पन्न होता है।

प्रश्न 10 संचार क्या है? लिखिए।

उत्तर एक स्थान से दूसरे स्थान या व्यक्ति तक विचार दर्शन या सूचना, भेजने का साधन संचार कहलाता है। देश की सामाजिक प्रगति के लिए संचार साधन आवश्यक है। डाक, तार, टेलिफोन, इंटरनेट, टेलिविजन आदि संचार के प्रमुख साधन है।

प्रश्न 11 भारतीय सड़कों के प्रकार बताइये–

उत्तर भारतीय सड़कों के निम्न प्रकार है–

(1 राश्ट्रीय महामार्ग
(2 राज्यीय / राज्य राजमार्ग
(3 जिला सड़के
(4 ग्रामीण सड़के
(5 सीमावर्ती सड़के

प्रश्न 12 राश्ट्रीय राजमार्ग क्या है?

उत्तर वे सड़के जिनका निर्माण व रख रखाव केन्द्र सरकार के नियंत्रण में है राश्ट्रीय राजमार्ग कहलाते है 1950–51 में इनकी कुल लम्बाई 19700 कि.मी थी जो अब 100475 कि.मी है देश में कुल 292 / 223 राश्ट्रीय राजमार्ग है राश्ट्रीय राजमार्गो की पूरी लम्बाई पूरे देश की कुल सड़कों की लम्बाई का 1.7% है किन्तु ये यातायात का 40% वहन करते है।

प्रश्न 13 स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना क्या है।

उत्तर यह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की महत्वकांक्षी योजना है जिससके अन्तर्गत 5846 किमी लम्बी 4 व 6 लेन वाले राश्ट्रीय राजमार्गो का निर्माण किया जायेगा जो चार महानगरों दिल्ली मुम्बई चैन्नई कोलकाता को जोड़ते है इससे महानगरों के बीच समय व यातायात की लागत कम हो जाएगी।

प्रश्न 14 उत्तर दक्षिण व पूर्व पश्चिम गलियारा क्या है?

उत्तर 1) उत्तर दक्षिण गलियारा –जम्मु कश्मीर के श्री नगर से कन्या कुमारी तमिलनाडु तक4016 कि.मी सड़क

(2 पूर्व पश्चिम गलियारा–असम के सिलचर से गुजरात के पोरबंदर तक 3640 किमी लंबा मार्ग

प्रश्न 15 BOT क्या है?

उत्तर सड़क मार्गो पर भारी दबाव व सड़क के विकास के लिए बजट आवंटन अपर्याप्त होनेके कारण राश्ट्रीय राजमार्गो को निजी में बनाओ चलाओं और हस्तांतरित करो। (buid operate and transfer)(BOT)परियोजना शुरू की गई।

प्रश्न 16 एक्सप्रेस राजमार्ग कौन से है नाम बताइये?

उत्तर एक्सप्रेस राजमार्ग निम्न लिखित है

1. मुबंई–शांताक्रुज
2. मुबंई–थाणे
3. कोलकाता–दमदम
4. पारद्वीप–कोलकाता राजमार्ग

प्रश्न 17 राज्य राजमार्ग क्या है?

उत्तर वे सड़के जिनके निर्माण व रखरखाव का कार्य राज्य सरकार करती है। व जो राजधानी से जिला मुख्यालय को जोड़ती है राज्य राजमार्ग कहलाती है। ये मार्ग राश्ट्रोय महामार्गो से जुड़े होते है 2010–11 में इन सड़कों की कुल लम्बाई का 163.9 हजार कि.मी. थी जो देश की सड़को की कुल लंबाई का 4% है।

प्रश्न 18 जिला सड़कें क्या है?

उत्तर वे सड़के जो जिला मुख्यालय को जिले के अन्य स्थानों से मिलाती है इनकी कुल लम्बाई 4.7 लाख कि. मी है जो देश की कुल सड़क का 14% है।

प्रश्न 19 ग्रामीण सड़कें क्या है?

उत्तर ग्रामीण क्षेत्र को शहरों, कस्बों एवं ग्रामीण सड़क मार्गो से जोड़ने वाली सड़कें ग्रामीण सड़कें कहलाती है भारत की कुल सड़क का 80% भाग ग्रामीण सड़क के रूप में है।

प्रश्न 20 सीमावर्ती सड़कें क्या है?

उत्तर सीमावर्ती क्षेत्र में सैन्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतू निर्मित सड़कें सीमावर्ती सड़कें कहलाती है।

प्रश्न 21 BRO सीमा सड़क संगठन (border road organization)क्या है?

उत्तर 1960 में सीमावर्ती क्षैत्र में सड़क निर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस संगठन की स्थापना की गई इसने 1960 से 2005 तक सीमावर्ती क्षेत्र में 40,450 कि.मी सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया तथा 35577 कि. मी सड़कों को पक्का किया है। तथा संसार की सबसें ऊँची सड़क लद्दाख से लेह तक का निर्माण भी किया।

प्रश्न 22 देश का सबसें बड़ा राश्ट्रीय उपक्रम कौनसा है?

उत्तर भारतीय रेलवे।

प्रश्न 23 विश्व की प्रथम रेलगाड़ी कहाँ चलाई गई?

उत्तर इंग्लैण्ड में 1825 में चलाई गई

प्रश्न 24 भारत में प्रथम रेल कब चलाई गई

उत्तर भारत में प्रथम रेल 16 अप्रैल 1853 को मुम्बई से थाणें के मध्य 34 कि.मी में चलाईगई।

प्रश्न 25 भारतीय रेलवे की विश्व में क्या स्थिति है?

उत्तर भारतीय रेलमार्ग एशिया का सबसे बड़ा व विश्व का दूसरा बड़ा रेलमार्ग है 31 मार्च 2015 तक भारतीय रेलवें के पास 10822 इंजन है इसमें 43 भाप ईजन 5714 डीजल ईजन व 5065 विधुत इंजन है देश में रेलवें स्टेश्नों की संख्या 7112 है व रेलवें में 13.26 लाख श्रमिक कार्यरत है।

प्रश्न 26 गतिमान एक्सप्रेस क्या है?

उत्तर देश की पहली हाई स्पीड ट्रेन है जिसका 5 अप्रैल 2016 को रेलमंत्री ने हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से आगरा केंट तक 187 कि.मी की दूरी के लिए रवाना किया जो यह दूरी 100 मिनट में तय करेगी इस रेलगाड़ी में सुरक्षा के साथ परिचायिका भी होगी वाई फाई के साथ आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित होगी।

प्रश्न 27 हिमसागर एक्सप्रेस क्या है?

उत्तर जम्मूतवी से कन्याकुमारी तक 3729 कि.मी दूरी तय करने वाली भारत की सबसे लंबी दूरी की ट्रेन है।

प्रश्न 28 मथुरा पलवन रेल की गति क्या है?

उत्तर 180 किमी प्रति घंटा

प्रश्न 29 देश का पहला रेल विश्वविद्यालय कहाँ स्थापित किया जा रहा है?

उत्तर बड़ोदरा (गुजरात) में

प्रश्न 30 विश्व विरासत में किस भारतीय रेल को शामिल किया है?

उत्तर (1 माउन्टेन रेलवें (दार्जिलिंग हिमालय रेलवे 1999)

(2 नीलगिरि पर्वतीय रेलवें–2005 में शामिल

(3 कालका शिमला रेलवें–2008 में शामिल

प्रश्न 31 फ्रंट कोरिडोर परियोजना क्या है?

उत्तर रल मार्ग द्वारा देश के चारों महानगरों – दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता व चेन्नई को जोड़ना

प्रश्न 32 कोंकण रेलवे परियोजना क्या है?

उत्तर देश का समृद्ध पश्चिमी तटीय देश जो कि 26 जनवरी 1998 तक उबड़ खाबड़ धरातल व नदियों के कारण रेल सेवा से वंचित था पर मुंबई के रोहा से मंगलौर तक 760 कि.मी लंबा रेल मार्गबनाया गया जिसमें 2000 पुल (179 बड़े तथा 91 सुरगें जिसमें से एक सुरग 6.5 कि.मी तक लंबी है शरावती नदी पर पुल 2065.8 मीटर लंबा है।

प्रश्न 33 मेट्रो रेल क्या है?

उत्तर यह अतः नगरीय द्रुतगामी रेल सेवा है जिसका शुभारम्भ 1972 में कोलकाता से हुआ इसके बाद दिल्ली बैगलौर,चैन्नई,हैदराबाद में भी चली।

प्रश्न 34 मोनो रेल क्या है?

उत्तर यह अंतः नगरीय द्रुतगामी रेल सेवा है जो सिंगल ट्रेक,पर चलती है इसका शुभारम्भ 1 फरवरी2014 को मुंबई में हुआ।

प्रश्न 35 परिवहन का सबसे तीव्रतम व आधुनिक व मंहगा साधन कौनसा है?

उत्तर वायु परिवहन

प्रश्न 36 भारत में वायु परिवहन की शुरूआत कब हुई?

उत्तर 1911 में इलाहाबाद व नैनी क बीच

प्रश्न 37 भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण क्या कार्य करता है?

उत्तर भारत में वायु परिवहन की सुविधाएँ प्रदान करने का कार्य करता है यह 23 अन्तर्राश्ट्रीय हवाई अड्डों सहित 97 घरेलू हवाई अड्डों और 25 नागरिक विमान टर्मिनलों सहित 127 हवाई अड्डो का प्रबन्ध करता है भारत द्वारा 57 देशों के साथ वैमानिक समझौते किए गए है।

प्रश्न 38 भारत में वायु परिवहन की सेवा कौन सी कम्पनियां उपलब्ध करवाती है?

उत्तर 1953 में भारत की वायु परिवहन का राश्ट्रीकरण किया गया और सभी कम्पनियों को दो नवनिर्मित निगमों के अंतर्गत रखा गया जो निम्न है

1. इण्डियन एयर लाइन्स
2. एयर इण्डिया

वायुदुत व पवन हंस को अतंदेर्शीय वायु परिवहन के लिए स्थापित किया गया।

1 मार्च 1994 को इंण्डियन एयर लाइन्स व एयर इण्डिया का विलय कर द नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडियाज लिमिटेड बनाई गई किन्तु यह कम्पनी अभी तक अपनो सेवाएं एयर इंडियानाम से ही उपलब्ध करवाती है।

प्रश्न 39 ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा क्या है?

उत्तर ऐसे हवाई अड्डे जहाँ कार्बन उत्सर्जन को कम करने संबधी विधियों का प्रयोग किया जाता है ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा कहलाता है हैदराबाद का राजीव गांधी अन्तर्राश्ट्रीय हवाई अड्डा एशिया का पहला ग्रीन एयापोर्ट है इसके अलावा जोधपुर एयरपोर्ट, सिक्किम में वेरूंयांग एयरपोर्ट नागालेण्ड में चेतू अरूणाचल प्रदेश का ईटानगर आदि भी ग्रीन एयरपोर्ट के रूप में विकसित किए जा रहे है।

प्रश्न 40 सबसे सस्ता परिवहन कौनसा है

उत्तर जल परिवहन क्यों कि इसमे मार्ग निर्माण व रख रखाव की समस्या नही रहती व भारी भरकमसामानों का सुरक्षित परिवहन होता है।

प्रश्न 41 व्यापारिक जहाजरानी बेड़े की दृश्टि से भारत का विश्व में कौनसा स्थान है।

उत्तर 16 वां

प्रश्न 42 आंतरिक जल परिवहन क्या है?

उत्तर देश के भीतर स्थित नदियों,सागरो आदि के मध्य होने वाले परिवहन को आंतरिक जल परिवहन कहते है। भारत के पास अंतर्देशीय जहाजरानी के लिए 14,500 किमी लंबा जलमार्ग है इसमें से बडी नदियों के 3700 किमी लंबे यंत्रीकृत नौकाओं द्वारा नौगम्य है इसके अलाचा 4300 किमी नौगम्य नहरे भी है। सर्वाधिक आंतरिक जलमार्ग उत्तरप्रदेश, पं0 बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, असम, केरल, बिहार, व उड़ीसा में है।

प्रश्न 43 आंतरिक परिवहन के विकास में आने वाली प्रमुख बाधाएँ कौनसी है?

उत्तर नदियों का मौसमी होना, जल स्तर में परिवर्तन, जल प्रपात, अवसाद की अधिकता, सदावाहिनी नदियों से सिंचाई की नहरे निकालने से जल की कमी आना, तटीय क्षेत्र की नदियों का लवणीय होना।

प्रश्न 44 आंतरिक जल परिवहन के लाभ लिखिए?

उत्तर आंतरिक जल परिवहन के लाभ निम्न है

1. सबसें सस्ता परिवहन का साधन
2. . अन्य साधनों की तरह रख रखाव पर खर्च नही
3. उर्जा की बचत
4. भारी सामान के लिए उपयुक्त

5. वर्शा काल में पूर्वोतर में संडक व रेल परिवहन अवरूद्ध होने पर उपयोगी

6. प्रदुशण कम होना

प्रश्न 45 बंदरगाह किसे कहते है?

उत्तर समुद्र अथवा नदी के किनारे पर स्थित वह नगर जिसमें एक पोताश्रय होता है जहाँ से जहाजों में माल उतारने व चढ़ाने की सुविधा होती है बंदरगाह कहलाता है।

प्रश्न 46 अध्यायप लाइन परिवहन द्वारा किन पदार्थो का परिवहन होता है?

उत्तर अध्यायप लाइन परिवहन द्वारा जिन पदार्थो का परिवहन होता है वे निम्न है।

| | | |
|---|---|---|
| 1. खनिज तेल | 2. पेट्रोलियम | 3. प्राकृतिक गैस |
| 4. तरल लौह अयस्क | 5. जल | 6. दूध आदि |

प्रश्न 47 अध्यायप लाईन परिवहन के क्या लाभ है?

उत्तर 1. सस्ता साधन

2. सुगम परिवहन

3. उबड खाबड मार्ग से परिवहन

4. उर्जा की बचत

5. समुद्री जल में भी अध्यायन लाईन बिछाई जा सकती है

6. सुनिश्चित आपूर्ति

7. समय की बचत

8 प्रदुशण कम

प्रश्न 48 नाहरकटिया नूनमती बरौनी अध्यायप लाइन का वर्णन कीजिए –

उत्तर यह भारत की सबसे पहली अध्यायप लाइन है जो असम के तेल के कुआ से नूनमती तेलशोधन शाला तक 443 कि.मी की दूरी तय कर तेल परिवहन करती है नूनमती से 724 कि.मी दूरी बिहार के बरौनी तक कुल लंबाई 1167 कि.मी है यह अध्यायन लाईन छोटी बड़ी 80 नदियों को पार करती है इसके मार्ग में 9 पम्पिंग स्टेशन है।

प्रश्न 49 भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड की स्थापना कब की गई व इसका क्या कार्य है?

उत्तर 1984 में की गई यह 14400 कि.मी लंबी अध्यायप लाइनों के संचालन का कार्य करती है।

प्रश्न 50 सलाया कोयली मथुरा अध्यायप लाइन पर टिप्पणी लिखिए–

उत्तर यह अध्यायप लाइन कच्छ की खाड़ी के समीप स्थित सलाया से मथुरा तक बिछाई गई 1256 कि.मो लंबी है यह मुंबई हाई से प्राप्त व आयातित तेल को मथूरा शोधन शाला तक पहुँचाती है साफ तेल जालधर तक ले जाया जाता है और इसे कोयली अध्यायप लाइन से जोड़ दिया गया है।

प्रश्न 51 गुजरात में अध्यायप लाइन परिवहन के अन्तर्गत आने वाली प्रमुख अध्यायप लाइनों के नाम बताइये –

उत्तर परिवहन के अन्तर्गत आने वाली प्रमुख अध्यायप लाइन निम्न है

1. अंकलेश्वर कोयली तेल अध्यायप लाइन
2. कलोल साबरमती तेल अध्यायप लाइन
3. नवगाँव कालेल कोयली तेल अध्यायप लाइन
4. केम्बे धुबरन गैस अध्यायप लाइन
5. अंकलेश्वर बंडौदा गैस अध्यायप लाइन
6. कोयली अहमदाबाद अध्यायप लाइन

प्रश्न 52 मुम्बई हाई मुम्बई अंकलेश्वर कोयली अध्यायप लाइन परिवहन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –

उत्तर मुम्बई हाई से मुम्बई तट तक तेल तथा गैस लाने के लिए दो अलग–अलग अध्यायप लाइने बिछाई गई है जिनकी प्रत्येक की लम्बाई 210 कि.मी है।

प्रश्न 53 HBJ क्या है?

उत्तर हाजीरा–विजयपुरा जगदीशपुरा (HBJ) विश्व की सबसे लम्बी भूमिगत गैस अध्यायप लाइन है जो 1750 कि. मी लम्बी है इससे उतर प्रदेश के 4 मध्यप्रदेश व राजस्थान के एक एक उर्वरक कारखाने तथा ओरैया (उतर प्रदेश) व अन्ता (राजस्थान) कावस (गुजरात) ताप विधुत गृहों को गैस पहुँचाई जाती है।

## अध्याय–11 :अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| ब | 1 | 1 | 1.5 | 1.5 |
| योग | | 1 | | 1.5 |

प्रश्न 1 भारत के किन्हीं तीन प्राकृतिक पतनों के नाम बताइये।

उत्तर– कांडला, मुम्बई और कोच्चि पतन

प्रश्न 2 भारत में अन्य देशों से आयात की जाने वाली महत्वपूर्ण दो वस्तुओं के नाम बताइये?

उत्तर– पेट्रोलियम पदार्थ तथा मोती बहुमूल्य रत्न

प्रश्न 3, किन्ही तीन अनुषंगी पत्तनो के नाम बताइए।

उत्तर– जवाहर लाल नेहरू पत्तन (न्हावा शेवा), हन्दिया और एन्नोर पत्तन

प्रश्न 4 चैन्नई पत्तन के दबाव को काम करने के लिए कोन से पत्तन विकास किया गया?

उत्तर– एन्नोर पत्तन तथा तूतीकोरिन पत्तन

प्रश्न 5. भारत के पश्चिमी तट पर स्थित बंदरगाहों के नाम बताइये?

उत्तर– भारत के पश्चिमी तट पर मुख्यतः कांडला, मुम्बई, जवाहर लाल नेहरू पत्तन (न्हावा शेवा), मार्मागोआ, कोच्चि आदि बन्दरगाह अवस्थित है।

प्रश्न 6 भारत के पूर्वी तट पर स्थित बंदरगाहों के नाम बताइए।

उत्तर– भारत के पूर्वी तट पर मुख्यतः कोलकता पतन, हल्दिया, पारादीप, विशाखाट्टनम, चैन्नई एन्नोर पत्तन तथा तूतीकारिन पत्तन स्थित है।

प्रश्न 7 अन्तराष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने हेतु भारत ने कौन उपाय अपनाये है?

उत्तर– 1. भारत से आयात उदारीकरण, 2 आयात करों में कमी,
3 डि–लाइसेंसिंग 4 पेटेट प्रक्रिया में बदलाव आदि अनुकूल उपाय अपनाये है।

प्रश्न 8. अंग्रेजों द्वारा भारतीय पत्तन का उपयोग किस उद्देश्य की पूर्ति हेतु किया गया था ?

उत्तर– अंग्रेजों द्वारा भारतीय पत्तनों का उपयोग इनके पृष्ठ प्रदेशों के संसाधनों के अवशोषण (विदोहन) के रूप में किया गया।

प्रश्न 9 विभाजन के समय कौनसे दो महत्वपूर्ण बंदरगाह भारत से अलग हो गए?

उत्तर– विभाजन के समय भारत के दो महत्वपूर्ण पत्तन कराची और चिटगाँत क्रमशः पाकिस्तान य पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादश) मे चले गए।

प्रश्न 10 विशाखापट्टनम बदरगाह की मुख्य दो विशेषता बताइए।

उत्तर– विशाखापट्टनम बदरगाह की मुख्य विशेषता निम्न है–
1. यह आंध्रप्रदेश में स्थित भू आवद्ध पतन है।
2. इसे ठोस चट्टान एवं बालू को काटकर एक नहर के द्वारा समुद्र से जोड़ा गया है।

प्रश्न 11 कांडला बंदरगाह की मुख्य विशेषताएं बताइये।

उत्तर– यह पश्चिमी तट पर कच्छ की खाड़ी के मुहाने पर अवस्थित है। इसे मुख्यतः भारी में मात्रा पट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पाद एवं उर्वरक को आयात करने के उद्देश्य से बनाया गया है।

प्रश्न 12 जवाहर लाल नेहरू पत्तन क्यों विकसित किया गया?

उत्तर– इसे न्हावाशेवा में मुम्बई पत्तन के दबाव को कम करने के लिए एक अनुषंगी पत्तन के रूप में विकसित किया गया।

प्रश्न 13 पृष्ठ प्रदेश से क्या आशय है ?

उत्तर– तटीय बंदरगाह जो अपने आस पास से जिस प्रदेश से निर्यात की जाने वाली वस्तुएँ प्राप्त करता है । और आयात की जाने वाली वस्तुओं का उस प्रदेश में वितरण करता है. पृष्ठ प्रदेश कहलाता है।

प्रश्न 14 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कोई दो महत्वपूर्ण आधार बताओ?

उत्तर– 1 संसाधनों का असमान वितरण

2 जनसंख्या का असमान वितरण

3 भौतिक स्वरूप और जलवायु मे भिन्नता

4 विदेशी मुद्रा की मांग आदि।

प्रश्न 15 टिप्पणी लिखिए

(1) मुम्बई बंदरगाह (2) कोलकता बंदरगाह

उत्तर– **(1) मुम्बई बंदरगाह** – यह बंदरगाह पश्चिमी तट के मध्य भाग पर साल्सेट द्वीप पर स्थित है। यह भारत का सबसे बड़ा – प्राकृतिक बंदरगाह हैं। इसी बंदरगाह से देश का अधिकांश विदेशी व्यापार किया जाता है क्योंकि यह बंदरगाह पश्चिमी तट के मध्य पूर्व भाग, भूमध्यसागर देशों, बड़े उत्तरी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोप के देशों के सामान्य मार्ग के निकट स्थित है। इसमें 54 गोदिया और देश का विशालतम टर्मिनल हैं।

**(2) कोलकत्ता बंदरगाह** – यह हुगली नदीं पर अवस्थित हैं। इसके पृष्ठ प्रदेश के अंतर्गत उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल सिक्किम और उत्तर–पूर्वी राज्य आते हैं। हुगली नदी में निरन्तर मिट्टी जमा होते रहने के कारण यहाँ 64 किलोमीटर दूर खुली बाही (डायमण्ड स्रोताश्रय' का निर्माण किया गया है।

प्रश्न 16 भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

भारत के विदेशी व्यापार को प्रमुख विशेषताएं निम्न प्रकार से है–

(1) भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार समुद्रों और वायु मार्गों द्वारा होता है।

(2) भारत में व्यापार, संतुलन प्रतिकूल हैं।

(3) विश्व व्यापार में भारत के व्यापार की भागीदारी भात्र 1 प्रतिशत हैं

(5) भारत, आयात व्यापार में पेट्रोलियम का आयात बढ़ रहा है जबकि निर्यात में सर्वाधिक हिस्सेदारी निर्मित वस्तुओं की हैं।

(6) भारत का उद्देश्य आगामी वर्षों में अपने अन्तराष्ट्रीय व्यापार के प्रतिशत में वृद्धि करने का है।

प्रश्न 17 उन महत्वपूर्ण मदों के नाम बताइए जिन्हें भारत विभिन्न देशों से आयात करता है?

उत्तर– भारत विभिन्न देशों से उर्वरक, पेट्रोलियम, खाद्य तेल, लुगदी तथा अपशिष्ट पेपर पेयर बोर्ड व अलौह धातुएँ. ध्लोहा व स्टील, मोती व बहुमूल्य रत्न, गैर–धातिक खनिज, मशीनरी, पेट्रोलियम, चिकित्सीय एवं फार्मों उत्पादन धागे, कोयला , पेट्रोलियम उत्पाद चिकित्सीय एवम फार्मा उत्पाद, रासायनिक उत्पाद आदि का आयात करता है।

प्रश्न 18 पत्तन विदेशी व्यापार के केन्द्र हिन्दू हैं।'' स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– पत्तन विशेषतः व्यापार के प्रवेश द्वार है। एक तरफ पत्तन अपने पृष्ठ प्रदेश से विदेशों को निर्यात की जाने वाली वस्तुओं का संकलन करते हैं, वहीं दूसरी और विदेशों से भारत आने वाले सामान व वस्तुओं को देश के आन्तरिक भागों में वितरण करने वाले केन्द्र के रूप में भी कार्य करते हैं। इस कारण पतनों को विदेशी व्यापार के केन्द्र बिन्दु कहा जाता है।

प्रश्न19 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में बायु परिवहन की भूमिका का वर्णन कीजिए।

उत्तर– अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऊंचे मूल्य वाले तथा शीघ्रनाशवान पदार्थों को लम्बी दूरी तक लाने से जाने में ये महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपनी तीव्र गति के कारण ऐसे सामानों को ये बहुत कम समय में अपने गन्तब्य स्थानों पर पहुंचा देते हैं।

प्रश्न 20 पत्तन और पोताश्रय में अन्तर बताइये

उत्तर– पत्तन और पोताश्रय में अन्तर निम्न है।

**पत्तन**– यह प्रायः अपनी पृष्ठ भूमि से रेलों व सड़कों द्वारा जुड़े होते हैं।। यहाँ जहाजों पर सामान चढ़ाने व उतारने की सुविधाएं होती है। पत्तन व्यापार के प्रवेश द्वार कहलाते है। यहाँ स्थल तथा समुद्री भाग आपस में मिले होते हैं। यहाँ पर जलयान केवल व्यापारिक माल उत्ताने एवं चढ़ाने के लिए ठहर सकते है।

**पोताश्रय**– यहाँ जहाज लहरों तथा तूफान से सुरक्षा प्राप्त करते है। पोताश्रय में एक विशाल क्षेत्र में जहाजों के लिए आगमन की सुविधाए होती है। पोताश्रम में स्थल भाग समुद्र से नहीं जुड़ा होता है यहाँ पर जलवानों की मरम्मत इंधन भरने, गौदाम व मान वितरण सुविधाएं होती है।

प्रश्न 21 विदेशी व्यापार व घरेलू व्यापार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– विदेशी व्यापार व घरेलू व्यापार में अन्तर

**विदेशी व्यापार**– एक राष्ट्र का अन्य शब्दों से उपयोग की वस्तुओं का लेन–देन हिंदगी व्यापार कहलाता है। राष्ट्र के आर्थिक विकास को सुद्रिड बनाने के लिए विदेशों से व्यापार किया जाता है।

**घरेलू व्यापार**– घरेलू उपभोग की विशेषताओं वस्तुयों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य से वस्तुओं के आदान प्रदान को घरेलू व्यापार कहा जाता है। घरेलू व्यापार की आवश्यकता राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए होती है।

# अध्याय–12 : भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| अ | 1+1 | 2 | 1 | 1 |
| योग | | 2 | | 2 |

प्रश्न 1 निम्नलिखित में से सर्वाधिक प्रदूषित नदी कौन–सी है?
(क) ब्रह्मपुत्र (ग) यमुना
(ख) सतलुज (घ) गोदावरी (ग)

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से कौन–सा रोग जल जन्य है?
(क) नेत्रश्लेष्मला शोथ (ग) श्वसन संक्रमण
(ख) अतिसार (घ) श्वासनली शोथ (ख)

प्रश्न 3 निम्नलिखित में से कौन–सा अम्ल वर्षा का एक कारण है?
(क) जल प्रदूषण (ग) शोर प्रदूषण
(ख) भूमि प्रदूषण (घ) वायु प्रदूषण (घ)

प्रश्न 4 प्रतिकर्ष और अपकर्ष कारक उत्तरदायी है–
(क) प्रवास के लिए (ग) गंदी बस्तियाँ
(ख) भू–निम्नीकरण के लिए (घ) वायु प्रदूषण (क)

प्रश्न 5 निम्न में से जल प्रदूशक का मुख्य स्त्रोत है?
(क) अपरदन (ग) उद्योग
(ख) मृत पशु (घ) उपरोक्त सभी (ग)

प्रश्न 6 ध्वनी मापन की इकाई है?
(क) मीटर (ग) लीटर
(ख) डेसीबल (घ) उपरोक्त में से काई नही (ख)

प्रश्न 7 झाबुआ जिला किस राज्य में है?
(क) राजस्थान (ग) गुजरात
(ख) महाराश्ट्र (घ) मध्यप्रदेश (घ)

प्रश्न 8 धारावी कच्ची बस्ती स्थित है?
(क) राजस्थान (ग) गुजरात
(ख) महाराश्ट्र (घ) मध्यप्रदेश (ख)

प्रश्न 9 धूम्र कुहरा किससे संबंधित है?
(क) जल प्रदूशण से (ग) वायु प्रदूशण से
(ख) अम्लीय वर्शा से (घ) ध्वनी प्रदूशण से (ग)

प्रश्न 10 निम्न में से भू–निम्नीकरण का कारण है?
(क) लवणता (ग) अपरदन
(ख) भू–क्षारता (घ) उपरोक्त सभी (घ)

प्रश्न 11 नाभिकीय ऊर्जा संयत्र में किसी खनिजों का उपयोग है?
उत्तर यूरेनियम और थोरियम

प्रश्न 12 अम्लीय वर्शा से क्या तात्पर्य है?
उत्तर औद्योगिक और नगरीकृत क्षेत्रों में जीवाश्म ईधन जलाने से भारी मात्रा में वायुमण्ड़ल में सल्फर तथा नाइट्रोजन के ऑक्साइड निश्कासित होते है। वर्शा होने पर वर्षा जल इन ऑक्साइड़ों के साथ क्रिया कर

क्रमशः सल्फ्यूरिक अम्ल तथा नाइट्रिक अम्ल के साथ भूपटल पर बरसता है। इस प्रकार की वर्शा को अम्लीय वर्शा कहा जाता है।

प्रश्न 13 पारिस्थितिकी किसे कहते है?

उत्तर जीवों एवं उनके पर्यावरण के परस्पर संबंधों के अध्ययन को पारिस्थितिकी कहा जाता है।

प्रश्न 14 निवल अप्रवास किसे कहते है?

उत्तर जब किसी क्षेत्र मे बाहर जाने वाले व्यक्तियों की अपेक्षा आने वाले व्यक्तियों की संख्या अधिक है तो यह निवल प्रवास कहलाता है।

प्रश्न 15 पी0एच0 स्तर से क्या तात्पर्य है?

उत्तर मृदा की सन्दर्भ में अम्लीयता की माप के लिए पी0एच0 व्यापक रूप से उपयोग में लिया जाता है। मृदा में हाइड्रोजन मा के कन्द्रीकरण के आधार पर मृदा का अम्लीय और क्षारीय आधार पर वर्गीकरण किया जाता है।

प्रश्न 16 भारत में जल प्रदूशण के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन सांस्कृतिक गतिविधियों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर 1. तीर्थयात्राएं 2 धार्मिक मेले 3 पर्यटन

प्रश्न 17 ध्वनि प्रदूशण क्या होता है?

उत्तर विभिन्न स्त्रोतों से उत्पन्न ध्वनि का मानव की सहनीय सीमा से अधिक तथा असहज होना ध्वनि प्रदूशण कहलाता है।

प्रश्न 18 भू–निम्नीकरण के प्रमुख कारण लिखिए।

उत्तर मृदा अपरदन, लवणता, भू–क्षारता तथा भू उर्वरकता अप्रबन्धन आदि। प्रदूषकों के परिवहित कें विसरित होने के माध्यम के आधार पर प्रदूषण को कौन–कौन से प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है?

प्रश्न19 प्रदूषकों के परिवहित कें विसरित होने के माध्यम के आधार पर प्रदूषण को कौन–कौन से प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है?

उत्तर प्रदूषकों के परिवहित कें विसरित होने के माध्यम के आधार पर प्रदूषण को निम्नलिखित प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता हैμ

(i) जल प्रदूषण, (ii) वायु प्रदूषण, (iii) भू–प्रदूषण, (iv) ध्वनि प्रदूषण

प्रश्न20 वायु प्रदुषण के प्रमुख स्रोतो को बताइये

उत्तर कोयले, पेट्रोल व डीजल का दहन, औद्योगिक प्रक्रम, ठोस कचरा निपटान, वाहित मल ;जल–मल निपटान आदि के कारण होता है।

प्रश्न21 भू प्रदुषण के प्रमुख स्रोतो को बताइये

उत्तर अनुचित मानव क्रियाकलाप, अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्ट का निपटान, पीड़कनाशी एवं उर्वरकों का उपयोग आदि के कारण होता है।

प्रश्न22 जल प्रदुषण के प्रमुख स्रोतो को बताइये?

उत्तर वाहित मल निपटान, नगरीय वाही जल, उद्योगों के विषाक्त कृषित भूमि के उपर से बहता जल बहिःस्त्राव तथा नाभिकीय उर्जा संयंत्र आदि के कारण होता है।

प्रश्न23 वायु प्रदुषण के प्रमुख स्रोतो को बताइये

उत्तर वायुयान, मोटर–वाहन, रेलगाड़ियाँ, औद्योगिक प्रक्रम तथा विज्ञापन मीडिया आदि के कारण होता है। जल प्रदुषण से कौन कौन से रोग होते है?

प्रश्न24 प्रदुषित जल के उपयोग के कारण कौन कौन सी बिमारियॉ हो सकती है ?

उत्तर प्रदुषित जल के उपयोग के कारण पायः दस्त ;डायरिया, आँतो ं के कृमि, हेपेटाइटिस जैसी बीमारियाँ होती हैं।

प्रश्न25 केंद्र सरकार द्वारा किन उद्देश्यों के साथ 'नमामि गंगे' कार्यक्रम आरंभ किया है?

उत्तर केंद्र सरकार ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ 'नमामि गंगे' कार्यक्रम आरंभ किया है –

शहरों में सीवर ट्रीटमेंट की व्यवस्था कराना। •

औद्योगिक प्रवाह की निगरानी। •

नदियों का विकास। •

नदी के किनारों पर वनीकरण जिससे जैवविविधता में वृद्धि हो। •

नदियों के तल की सफाई। •

उत्तराखंड, यू.पी., बिहार, झारखंड में 'गंगा ग्राम' का विकास करना। •

नदी में किसी भी प्रकार के पदार्थों को न डालना।

प्रश्न26 अम्ल वर्षा किसके कारण हो सकती है।

उत्तर वायु प्रदूषण के कारण अम्ल वर्षा हो सकती है।

प्रश्न27 एशिया की विशालतम गंदी बस्ती कौनसी है?

उत्तर धारावी बस्ती

प्रश्न27 धारावी बस्ती गंदी बस्ती किस नगर मे स्थित है?

उत्तर मुम्बई में

| खण्ड | प्रश्न संख्या | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रत्येक प्रश्न | कुल अंक भार |
|---|---|---|---|---|
| मानचित्र | 1+1 | 2 | 2 | 4 |
| योग | | 2 | | 4 |

# मॉडल पेपर 2023

1. 'नव निश्चयवाद' संकल्पना किसने प्रतिपादित की है? 1

   (अ) ग्रिफिथ टेलर (ब) रैटजेल (स) एलेन सी. सेम्पल (द) पॉल विडाल–डी–ला–ब्लाश

2. निम्नलिखित में से कौन–सी संख्या जनसंख्या के कार्यशील आयु वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है ? 1

   (अ) 15 से 65 वर्ष (ब) 15 से 66 वर्ष (स) 15 से 64 वर्ष (द) 15 से 59 वर्ष

3. मानव विकास की अवधारणा निम्न में से किस विद्वान की देन है ? 1

   (अ) प्रो. अमर्त्य सेन (ब) डॉ महबूब–उल–हक (स) एलेन सी. सेम्पल (द) रैटजेल

4. निम्नलिखित में से कौनसा एक तृतीयक क्रिया–कलाप है ? 1

   (अ) खेती (ब) बुनाई (स) व्यापार (द) आखेट

5. वोल्गा जलमार्ग स्थित है– 1

   (अ) रूस (ब) भारत (स) अमेरिका (द) जर्मनी

6. मानव विकास सूचकांक में भारत के निम्नलिखित राज्यों मे से किस एक की कोटि न्यूनतम है ? 1

   (अ) तमिलनाडु (ब) छत्तीसगढ (स) पंजाब (द) हरियाणा

7. भारतीय राष्ट्रीय जल नीति कब लागू की गई? 1

   (अ) 2002 (ब) 2022 (स) 2020 (द) 2023

8. राउरकेला इस्पात संयंत्र किस देश के सहयोग से स्थापित किया गया था ?1

   (अ) जर्मनी (ब) अमेरिका (स) रूस (द) फ्रांस

9. इंदिरा गांधी नहर परियोजना कब प्रारम्भ हुई ? 1

   (अ) 1938 (ब) 1948 (स) 1958 (द) 1968

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

   (1) जनसंख्या वृद्धि को .............................. में व्यक्त किया जाता है।

   (2) .............................. की कृषि भूमध्यसागरीय क्षेत्र की विशेषता है।

   (3) .............................. क्रिया ग्रामीण बस्तियों की मुख्य आर्थिक क्रिया है।

   (4) यमुना भारत की सर्वाधिक प्रदूषित .............................. है

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

   1. किन्हीं दो बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाओं के नाम लिखिए।
   2. वायु प्रदूषण के दो मुख्य कारण कौनसे हैं ?
   3. मानव का प्राकृतीकरण क्या है ?
   4. कोलखहोज क्या है ?

   लघूतरात्मक प्रश्न–

4. जनसंख्या वृद्धि से आप क्या समझते हैं ?
5. मानव विकास के आधारभूत आवश्यकता उपागम को समझाइए।
6. साइबर स्पेस इंटरनेट का विश्लेषणात्मक अध्ययन कीजिए।
7. व्यापार संयोजन के दो मुख्य उद्देश्य बताइए।
8. द्विपार्श्विक एंव बहु पार्श्विक व्यापार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
9. ग्रामीण अधिवास के तारा एवं दोहरा प्रतिरूपों का रेखा चित्र बनाइए।
10. भाषाई संघटन पर टिप्पणी लिखिए।
11. प्रवास के पर्यावरणीय परिणाम बताइए।
12. आधुनिक शहर और विकास के बीच संबंध स्थापित कीजिए।
13. उत्तर–पूर्वी पठारी प्रदेश पर टिप्पणी लिखिए।
14. पत्तनों के पृष्ठ प्रदेशे को स्पष्ट कीजिए।
15. भारत में उपग्रह संचार प्रणाली का विश्लेषणात्मक अध्ययन कीजिए।

खण्ड 'स 'SECTION ' C

16. भारत में सम ुद्रपार रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की विवेचना कीजिए।
17. मुम्बई–पुणे औद्योगिक प्रदेश के मुख्य क्रिया कलापों एवं उपलब्धियों को संक्षिप्त रूप में लिखिए।

18. निम्नलिखित जनसंचार तंत्रों पर टिप्पणी लिखिए–1½ + 1½=3

(1) रेडियो (2) टेलीविजन

निबन्धात्मक प्रश्न Essay type Question

19. विश्व में लौह–इस्पात उद्योग की अवस्थिति एवं वितरण को समझाइए। 4

अथवा / OR

अधिकतर देशे में उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग प्रमुख महानगरों की परिधि क्षेत्र में ही क्यों विकसित हो रहे हैं? व्याख्या कीजिए।

20. भारत में भू संसाधनों की विभिन्न प्रकार की पर्यावरणीय समस्याएँ कौनसी हैं? उनका निदान कैसे किया जाए? 4

अथवा / OR

भारत में प्रमुख खाद्यान्न फसलों पर लेख लिखिए। 4

खण्ड (य) SECTION E

21. दिए गए विश्व के मानचित्र में निम्नांकित सघन जनसंख्या वाले देशे को दर्शाइए–½ x4 =2

(अ) पाकिस्तान (ब) श्रीलंका (स) बांग्लादेश (द) इण्डोनेशिया

22. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र म निम्न सूती वस्त्र उद्योग केन्द्रों को दर्शाइए–½ x4 =2

(अ) ग्वालियर

(ब) कानपुर (स) मैसूर (द) सूरत